रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित | रांची, सोमवार 07 अक्टूबर 2024 ● आश्विन शुक्ल 05, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 179 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

शारदीय नवरात्र

पंचमं स्कंदमाता

**सिंहासनगता नित्यं पद्माश्रितकरद्वया।
शुभदाऽस्तु सदा देवी स्कन्दमाता यशस्विनी॥**

जिन देवी का वर्ण श्वेत कमल की भांति शुभ्र है. जिनकी चार भुजाएं हैं. दायीं तरफ की ऊपर वाली भुजा से माता ने बाल स्कंद को गोद में पकड़ रखा है. नीचेवाली भुजा में कमल का पुष्प है. बायीं तरफ की ऊपरवाली भुजा वरदमुद्रा है और नीचे वाली भुजा में कमल पुष्प है. जगदंबा के इस विग्रह को स्कंदमाता की संज्ञा दी गयी है. शारदीय नवरात्र के पांचवें दिन अर्थात् 7 अक्टूबर को भगवती स्कंदमाता के दर्शन-पूजन का विधान है. स्कंद भगवान कार्तिक का ही एक नाम है. उनकी माता होने के कारण देवी स्कंदमाता कहलाती हैं. इनकी कृपा से मूढ़ भी ज्ञानी हो जाता है. कमल पर आसीन होने के कारण इन्हें पद्मासना भी कहा जाता है. इनका वाहन सिंह है. सूर्यमण्डल की अधिष्ठात्री देवी होने के कारण इनका उपासक अलौकिक तेज और कान्तिमय हो जाता है. अतः मन को एकाग्र और पवित्र रखकर इस देवी की आराधना करने वाले साधक के लिए भवसागर पार करना कठिन नहीं होता.

-डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

सर्राफा

सोना (बिक्री)	71600
चांदी (किलो)	950000

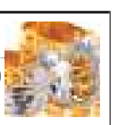

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	31.5	24.6
जमशेदपुर	34.2	24.2
डालटनगंज	32.4	24.7

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

ब्रीफ खबरें

नक्सलग्रस्त राज्यों संग शाह की बैठक आज

रांची। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सात अक्टूबर को नक्सल प्रभावित राज्यों के साथ बैठक करेंगे. जानकारी के अनुसार, इस बैठक में नक्सल गतिविधियों के खात्मे पर मंथन किया जाएगा. इसके लिए एक्शन प्लान भी तैयार किया जा रहा है. केंद्र सरकार की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 में अबतक 723 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है. देशभर में नक्सलियों के खिलाफ चलाए गए अभियान में 202 नक्सली मारे गए हैं. अब देश में उग्रवाद प्रभावित जिलों की संख्या 38 हो गई है.

बिहार की राजनीति में भूकंप!

पटना। बिहार एनडीए में इन दिनों सब कुछ ठीक नहीं चल रहा. इसे लेकर आरजेडी प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा है कि 8 अक्टूबर को हरियाणा, जम्मू कश्मीर के नतीजे आते ही बिहार में राजनीतिक भूकंप आएगा. बिहार मध्यावधि चुनाव की ओर जाएगा. जदयू 8 अक्टूबर का इंतजार कर रहा है. जदयू बीजेपी से पल्ला झाड़ लेगा. बीजेपी नीतीश पर सीएम की कुर्सी छोड़ने का दवाब बना रही है. दोनों राज्यों के नतीजे आते ही बीजेपी की उल्टी गिनती शुरू हो जाएगी. जेडीयू -बीजेपी में हर मुद्दे पर खटपट है.

'व्रत करना पसंद करूंगा'

नयी दिल्ली। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर से एक कार्यक्रम के दौरान ऐसा सवाल पूछा गया, जो सोशल मीडिय पर खूब वायरल हो रहा है. विदेश मंत्री से पूछा गया कि वह नॉर्थ कोरिया और अमेरिकी बिजनेसमेन जॉर्ज सोरोस में से किसके साथ डिनर करना पसंद करेंगे. इस सवाल के जवाब उन्होंने बहुत ही चतुराई से दिया. उन्होंने कहा, अभी नवरात्रि का समय चल रहा है. मैं उपवास करना पसंद करूंगा.

भारत ने बांग्लादेश को हराया

ग्वालियर। ग्वालियर में भारत और बांग्लादेश के बीच तीन मैचों के टी20 सीरीज का पहला मैच रविवार को खेला गया. इस मुकाबले मेंटीम इंडिया ने बांग्लादेश को आसानी से हरा दिया. इससे पूर्व पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश की टीम 19.5 ओवर में 127 रन बनाकर ऑलआउट हो गयी. इसके जवाब में टीम इंडिया ने धमाकेदार बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश को हरा दिया.

लालू-तेजस्वी की पेशी आज

पटना। जमीन के बदले नौकरी मामले में राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं. यादव और उनके दोनों बेटे तेजस्वी और तेजप्रताप सोमवार को दिल्ली के राउज एवेन्यू केस में कोर्ट में पेश होंगे. ईडी ने इस मामले में सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की थी, जिसके आधार पर कोर्ट ने तीनों को समन भेजा था.

प्रयाग महाकुंभ 13 जनवरी से

प्रयागराज। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने रविवार को साल 2025 में आयोजित होने वाले महाकुंभ का लोगो लॉन्च किया. इसकी तैयारियों का जायजा लिया. इससे पहले सीएम ने साधु-संतों के साथ चर्चा की. पावन गंगा-यमुना-सरस्वती के संगम तट पर होनेवाला प्रयागराज महाकुंभ 13 जनवरी से शुरू होगा.

मध्य पूर्व संकट मानवीय त्रासदी ने बदली दुनिया, बंटा विश्व, इजराइल-ईरान सीधी जंग के मुहाने पर

आत्मरक्षा की आड़ में 'जनसंहार' का साल

आलोक रंजन झा दिनकर

इजराइल पर हमास के बर्बर हमले के साथ ही आत्मरक्षा के अधिकार की आड़ में मध्य पूर्व में शुरू हुए 'जनसंहार' और अब तक के सबसे भीषण मानवीय त्रासदी और अंतहीन पीड़ा के दौर का एक साल पूरा हो चुका है. संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, इस दौरान इजराइल के लगातार हमलों के कारण हजारों लोग मारे गए, लाखों लोग विस्थापित होने को मजबूर हुए. गाजा, वेस्ट बैंक और लेबनान में सार्वजनिक व्यवस्था चरमरा गई है. गाजा में भुखमरी फैल रही है. यहां के 14 लाख से अधिक लोगों को राशन नहीं मिल रहा है. पूरी आबादी को केवल मानवीय मदद पर निर्भर रहना पड़ रहा है.

इस बीच, दुनिया काफी बदल चुकी है. स्पष्ट रूप से फिलिस्तीन का मुद्दा एक बार फिर दुनिया के केंद्र में आ गया है. इसके द्वि-राष्ट्र समाधान की चर्चा होने लगी है. इस पर पूरा विश्व दो खेमों में बंट चुका है. हमास-हिजबुल्लाह-इजराइल संघर्ष में कुछ नए देशों की एंट्री हो चुकी है. ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली ख़ामेनेई ने क़रीब पांच साल में पहली बार जुमे की नमाज़ के दिन सार्वजनिक तौर पर उपस्थित होकर इसराइल, अमेरिका और उसके सहयोगी यूरोपीय देशों पर तीखे शब्दों में हमला कर संदेश दे दिया है कि तेहरान न किसी से डरने वाला है और न झुकने वाला है. अगर जरूरत पड़ी तो यहूदी राष्ट्र पर आगे भी हमला करेंगे. वहीं व्यापार करने के तरीके बदल चुके हैं. इसके साथ ही संयुक्त राज्य अमेरिका, पश्चिमी देशों और संयुक्त राष्ट्र की भूमिका गंभीर सवालों के घेरे में आ गई है. भारत की बात करें तो उसके लिए दो मित्र राष्ट्रों- ईरान और इजराइल के बीच कूटनीतिक संतुलन बनाना चुनौतीपूर्ण हो गया है.

-पेज 12 भी देखें

हमास का हमला और जवाब में इजराइल ने तबाह किया गाजा, 42 हजार निर्दोष लोगों की मौत, लाखों बेघर

1500 इजराइल, 42 हजार गाजा पट्टी और वेस्ट बैंक में 700 से अधिक लोग मारे गये हैं. 19 लाख लोग विस्थापित हो चुके हैं.

2000 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं, जबकि 10 लाख से अधिक नागरिक विस्थापित हो चुके हैं लेबनान में अब तक.

1200 लोग मारे गये थे इजराइल के हमास के हमले में एक साल पहले. हमास और हिजबुल्लाह ने 250 को बंधक बना लिया था.

लेबनान में इजराइली सेना के हवाई हमलों के कारण लाखों लोगों को अपना घर छोड़ कर सीरिया पलायन करने को मजबूर होना पड़ा है. इन हमलों में सैकड़ों लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि हजारों घायल हो गए हैं.

हमास का वह हमला, जिससे इजराइल और दुनिया स्तब्ध रह गई

सबसे पहले याद करते हैं उस हमले को, जिससे दुनिया स्तब्ध रह गई. दिन 7 अक्टूबर 2023, अपने आयरन डोम और बेहद सक्षम खुफिया तंत्र के लिए मशहूर इजराइल के नहल ओज बेस पर हमास ने अचानक हमला कर दिया. पहले मिसाइलों से हमला हुआ. सैकड़ों मिसाइलों के औचक हमले से आयरन डोम सभी को रोकने में विफल रहा. कई मिसाइलें इजराइली सीमा में आकर गिरीं. बेस को तहस-नहस करने के बाद सीमावर्ती इलाके में हमास और हिजबुल्लाह के कई सैनिक घुस आए. उन्होंने शहर में जमकर रक्तपात मचाया. करीब 1,200 लोग मारे गये, जिनमें ज्यादातर इजराइली थे. हमास और हिजबुल्लाह ने इजराइली कार्रवाई से बचने के लिए करीब 250 लोगों को बंधक बना लिया. इनमें कुछ अंतर्राष्ट्रीय नागरिक भी थे.

भारत के लिए स्थिति पेंचीदगी भरी, किसी को नहीं कर सकता नाराज

भारत के लिए स्थिति पेंचीदगी भरी है. अमेरिका-फ्रांस जैसे देशों से व्यापारिक के साथ-साथ सामरिक रिश्ते भी हैं. वहीं रूस के साथ भी हमारे रिश्ते काफी मजबूत हैं. इजराइल से भारत के संबंध सुधर रहे हैं, तो वहीं दिल्ली दो राष्ट्र सिद्धांत यानी फिलिस्तीन का समर्थन करता रहा है. ईरान भारत को तेल आपूर्ति करने वाले शीर्ष देशों में से एक है. हाल ही में ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की मौत हुई थी, तो भी भारत सरकार ने एक दिन के शोक की घोषणा की थी. भारत किसी को भी नाराज़ नहीं कर सकता. अगर भारत, इजराइल की तरफ झुकेगा, तो ईरान नाराज होगा और ये गल्फ के हजारों भारतीयों को प्रभावित करेगा. ईरान का चाबहार बंदरगाह भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण है. इससे भारत को मध्य एशिया से व्यापार करने में पाकिस्तान से होकर नहीं गुजरना पड़ता. अगर जंग होती है, तो हालात बदल जाएंगे. ऐसे में भारत को दोनों के साथ चलना सबसे बड़ी चुनौती है.

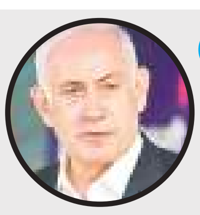

ईरानी शासन भी हमारे दुश्मनों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करने के मजबूत संकल्प को नहीं समझता है. हमास और हिजबुल्लाह के नेताओं को यह बात समझ में नहीं आई. ईरान को समझ में आ जाएगा, जो हम पर हमला करेगा, हम उस पर हमला करेंगे.
-बेंजामिन नेतन्याहू, इजराइली प्रधानमंत्री

ईरानी सेना और हमास के इजराइल पर हमले कानूनी तौर पूरी तरह वैध और वाजिब हैं. आगे जरूरत पड़ी तो इसी तरह की और कार्रवाई की जाएगी. ईरान के दुश्मन वही हैं जो फ़िलिस्तीनी प्रशासन और लेबनान समेत दूसरे मुस्लिम देशों के भी दुश्मन हैं.
-आयतुल्लाह ख़ामेनेई, ईरान के सर्वोच्च नेता

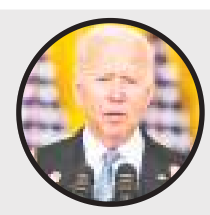

युद्ध किसी के भी हित में नहीं है. इस समस्या का कूटनीतिक हल अब भी मुमकिन है, बल्कि दीर्घकालिक सुरक्षा को सुनिश्चित बनाने का रास्ता भी यही है.
-जो बाइडेन, अमेरिका के राष्ट्रपति

मंईयां सम्मान यात्रा का दूसरा चरण : कल्पना सोरेन ने भाजपा पर किया जोरदार हमला, कहा

इन्हें आदिवासी शब्द से नफरत, ये क्या विकास करेंगे

विशेष संवाददाता। रांची/ सिमडेगा/गुमला

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान यात्रा का दूसरा चरण कल्पना सोरेन का जारी है. दूसरे दिन वे सिमडेगा, कोलेबिरा, पालकोट और गुमला पहुंची. कल्पना के साथ महिला बाल विकास एवं समाज कल्याण मंत्री बेबी देवी एवं कृषि मंत्री दीपिका सिंह पांडेय आदि शामिल हैं. सिमडेगा में कांग्रेस विधायक विक्सल कोंगाड़ी एवं भूषण बाड़ा व महिलाओं ने आदिवासी परंपरा के अनुसार ढोल-नगाड़े एवं नृत्य के साथ स्वागत किया.

- जब बिरसा मुंडा, तेलंगा खड़िया किसी के आगे नहीं झुके, तो हेमंत सोरेन सिर नहीं झुकाएंगे : कल्पना
- जन-धन योजना खातों में पैसे तो नहीं डाले, उल्टा जमा पैसा भी काट लिया गया, ये क्या देंगे गोगो योजना

इस मौके पर कल्पना ने गुमला में कोल विद्रोह के नायक वीर बुधु भगत एवं तेलंगा खड़िया की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया. उन्हें श्रद्धांजलि दी. कोलेबिरा में जनसभा को संबोधित करते हुए कल्पना ने नवरात्र के पवित्र माह में आम सभा में आईं सभी बहनों, माताओं और भाइयों आभार जताया.

उन्होंने महिलाओं से पुछा कि मंईयां सम्मान कैसी है, ये चलनी चाहिए. सबने कहा कि हां चलनी चाहिए. कल्पना बोलीं- ये आशीर्वाद है दीदी, बहनों भाईयों का. आपको सम्मान की रक्षा हेमंत सोरेन कर रहे. आप स्वालंबी बन रहीं. अपने पैरों पर खड़ी हो रहीं. बच्चियां पढ़ रहीं. बच्चियां देश ही नहीं, विदेश में भी पढ़ रही हैं. प्रोत्साहन राशि दी जा रही है. मंत्री बेबी देवी और मैं गृहणी थे. मगर परिस्थिति वश हमलोग राजनीति में आए. कई सरकारें आईं-गईं मगर आप को सम्मान नहीं दिया. पुरुष भाई घर जाएं, तो अपनी पत्नी, बहन और बेटी की एक बार जाकर तारीफ जरूर कर दीजिएगा. यह मान-सम्मान आपके दादा हेमंत जी ने दिया है.

भाजपा को आधी आबादी का विकास पसंद नहीं

सिमडेगा में कार्यक्रम के दौरान दीपिका सिंह पांडेय, बेबी देवी व कल्पना सोरेन.

कल्पना ने कहा,आधी आबादी को हक देने का काम भाजपा को पंसद नहीं है. ये धर्म और जाति के नाम पर केवल लड़ाना जानते हैं. इन्होंने झारखंड की लड़ाई में कोई योगदान नहीं किया, इनके मन में झारखंडियों के प्रति कोई दर्द नहीं. इसे केवल हेमंत दादा ने समझा. आज बिजली बिल जीरो है. कृषि बिल माफी कर दिया. हेमंत दादा उनके साथ खड़े हैं, जिनका केंद्र सरकार ने चुन-चुन कर शोषण किया. ये हमारा हक अधिकार छीन कर दूसरे प्रदेशों को चमकाना चाहते हैं. जनता झूठे जुमलों से थक चुकी है. जन-धन योजना का खाता खुल गया, मगर 15 लाख रुपए नहीं दिए. ये क्या देंगे गोगो योजना. इन्हें आदिवासी शब्द ही पंसद नहीं है, तो ये अदिवासी का विकास क्या करेंगे. ये हमारे हक के करोड़ों रुपए दबाए बैठे हैं. ये क्या हक देंगे. हमारी सरकार की योजना की कार्बन कॉपी करके गोगो योजना की फार्म भरवा रहे हैं. कॉपी पेस्ट करके फार्म भरवाने आने वाले हैं. पीएम आवास, मनरेगा का पैसा हड़पने वाले, किसानों पर गोली चलावाने वाले, एक लाख 36 हजार करोड़ दबाने वाले लोग फार्म भरवाने आ रहे हैं. खेलो इंडिया का पैसा दूसरे राज्य चला जाता है. इनसे सावधान रहना है. और अबुआ सरकार फिर से झारखंड में बनानी है.

7 अक्टूबर को मंईयां सम्मान यात्रा गुमला के घाघरा, सिसई, बिशुनपुर में होगी

दीपिका सिंह पांडेय

पहले 21 सौ रु देश की हर महिला को व 500 में सिलिंडर सबको दे भाजपा

इस मौके पर मंत्री दीपिका सिंह पांडेय ने कहा कि मणिपुर में इतना बड़ा कांड हुआ मगर प्रधानमंत्री नहीं गए. कौन गया, राहुल गांधी गए. राहुल ने हमेशा हमें दिशा-निर्देश दिया. हेमंत सोरेन ने राहुल गांधी की घोषणा को लागू किया. किसानों का दो लाख रुपए तक कृषि लोन माफी किया. ये 2100 रुपए देश की हर महिला को क्यों नहीं दे रहे हैं. 500 रुपए में गैस सिलिंडर देने का वादा करते हैं, ये देश के सभी लोगों को क्यों नहीं देते.

बेबी देवी

मंईयां योजना की राशि बढ़ेगी हेमंत बाबू को फिर से चुनिएगा

विभागीय मंत्री बेबी ने कहा कि सात जिलों में यात्रा कर चुके हैं. पांच साल से इतने मंत्री बने, सरकारें बनीं. मगर आपके लिए किसी ने नहीं सोचा. हेमंत बाबू के आने के बाद यह योजना लाई गई. आज हम लोगों के कारण मईंया दीदी को पैसा मिल रहा है. एक मां के हाथ में पैसा रहने से वह अपने बच्चों को खर्च कर रही है. आने वाले दिनों में इसका पैसा भी बढ़ाएंगे. हेमंत बाबू को फिर से लाएं और भाजपा से सावधान रहें.

...तो मैं करूंगा मोदी जी के लिए प्रचार: केजरीवाल

एजेंसियां। नयी दिल्ली

दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने रविवार को छत्रसाल स्टेडियम में आयोजित जनसभा में भाजपा पर हमला बोला और इस दौरान भाजपा व केंद्र सरकार पर सवालिया निशान उठाए. इसके साथ ही उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार का मतलब डबल लूट है. यूपी में सात साल से डबल इंजन की सरकार है, लेकिन फेल है. केजरीवाल ने पीएम मोदी के 10 साल के कार्यकाल पर सवालिया निशाने उठाते हुए कहा, इन लोगों ने 10 सालों में कुछ नहीं किया. अगले एक साल में मोदी 75 पार के हो जाएंगे, तो कम के कम कुछ तो करके जाइए. केजरीवाल ने पीएम मोदी को चुनौती दी कि दिल्ली विस चुनाव से पहले अगर पीएम एनडीए शासित 22 राज्यों में मुफ्त बिजली की घोषणा करते हैं, तो मैं उनके लिए प्रचार करूंगा.

डबल इंजन सरकार का मतलब महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार : केजरीवाल ने कहा, हरियाणा व जम्मू-कश्मीर में भाजपा की डबल इंजन सरकारें खत्म हो रही हैं. झारखंड और महाराष्ट्र में भी यही होगा. लोग समझ चुके हैं कि डबल इंजन सरकार का मतलब महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार है. दिल्ली चुनाव आने वाले हैं. दिल्ली में आकर ये (भाजपा) कहेंगे कि डबल इंजन सरकार बना लो. आप तब पूछना कि 10 साल हरियाणा में डबल इंजन सरकार रही. उन्होंने ऐसा क्या किया है कि लोग उनके नेताओं को अपने गांवों में नहीं जाने दे रहे हैं.

आह्वान आरएसएस प्रमुख ने की अपील, कहा- भारत में रहनेवाले सभी लोग हिंदू

भाषा, जाति और क्षेत्रीयता में न बंटें, हो जाएं एकजुट

एजेंसियां। नयी दिल्ली

आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत ने बारां के धान मंडी में आयोजित स्वयंसेवक एकत्रीकरण कार्यक्रम में 3,500 स्वयंसेवकों को संबोधित किया. इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत की वैश्विक ख्याति और प्रतिष्ठा उसके एक मजबूत राष्ट्र होने के कारण है. उन्होंने कहा कि किसी देश के प्रवासियों की सुरक्षा की गारंटी तभी होती है, जब उनकी मातृभूमि शक्तिशाली हो अन्यथा एक कमजोर राष्ट्र के प्रवासियों को प्रस्थान करने का आदेश दिया जाता है.

भागवत ने कार्यक्रम में आए स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत एक हिंदू राष्ट्र है. हम यहां अनादि काल से निवास कर रहे हैं. भले ही हिंदू उपनाम बाद में उभरा. हिंदू शब्द का प्रयोग भारत में रहने वाले सभी संप्रदायों के लिए किया जाता रहा है. हिंदू सभी को अपना मानते हैं

और सभी को गले लगाते हैं. हिंदू कहते हैं कि हम और आप दोनों अपनी-अपनी जगह सही हैं. हिंदू सतत संवाद के माध्यम से सामंजस्यपूर्ण रूप से सह-अस्तित्व में विश्वास करते हैं.

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने इस बात पर जोर दिया कि हिंदू समाज को भाषा, जाति और क्षेत्रीय असमानताओं और संघर्षों को खत्म करके अपनी सुरक्षा के लिए एकजुट होना होगा. उन्होंने आह्वान किया कि ऐसे समाज का निर्माण होना चाहिए जहां संगठन, सद्भावना और परस्पर श्रद्धा व्याप्त हो. लोगों के आचरण में अनुशासन, राज्य के प्रति दायित्व और उद्देश्यों के प्रति समर्पण हो. उन्होंने कहा कि समाज का गठन केवल व्यक्तियों और उनके परिवारों से नहीं होता समाज की व्यापक चिंताओं पर विचार करके कोई भी व्यक्ति आध्यात्मिक संतुष्टि प्राप्त कर सकता है.

आरएसएस अतुलनीय संगठन है : उन्होंने स्पष्ट किया कि आरएसएस का कार्य यांत्रिक नहीं बल्कि विचार आधारित है. मोहन भागवत ने कहा कि समाज निर्माण के लिए आरएसएस के बराबर का प्रयास करने वाला दुनिया में और दूसरा कोई संगठन नहीं है. उन्होंने कहा कि जैसे समुद्र अद्वितीय है, वैसे ही आकाश भी अद्वितीय है, और उसी तरह आरएसएस भी अतुलनीय है. आरएसएस के मूल्य पहले संगठन के नेताओं तक पहुंचते हैं, उनसे स्वयंसेवकों तक और स्वयंसेवकों से परिवारों तक पहुंचते हैं, और अंततः समाज को आकार देते हैं. आरएसएस में व्यक्तित्व निर्माण की यही प्रक्रिया है.

सामुदायिक कमियों को दूर करें : मोहन भागवत ने आरएसएस स्वयंसेवकों से समुदायों के भीतर व्यापक संपर्क बनाए रखने की अपील की. उन्होंने कहा कि समाज को सशक्त बनाकर सामुदायिक कमियों को दूर करने का प्रयास किया जाना चाहिए. सामाजिक समरसता, न्याय, स्वास्थ्य, शिक्षा और स्वावलंबन पर जोर होना चाहिए. स्वयंसेवकों को अपने कार्यों में तत्पर रहना चाहिए.

भागवत ने कहा कि आरएसएस के स्वयंसेवक परिवारों के भीतर सद्भाव, पर्यावरण चेतना, पारिवारिक शिक्षा, स्वदेशी मूल्यों और नागरिक जागरूकता को बढ़ावा दे सकते हैं, जो समाज की मूलभूत इकाइयां हैं. उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी प्रथाओं को दैनिक जीवन में शामिल करके समाज और राष्ट्र की उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है.

दुष्कर्मी को तीन महीने में मिले मौत की सजा : ममता

एजेंसी। कोलकाता

- बंगाल में 10 साल की बच्ची से रेप मामले में सीएम ममता का पुलिस को अल्टीमेटम

पश्चिम बंगाल के कुल्तुली में 10 साल की बच्ची से रेप और मर्डर के मामले में सीएम ममता ने पुलिस को अल्टीमेटम देते हुए कहा कि इस मामले को पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज करके सुनिश्चित करना चाहिए कि दोषियों को तीन महीने में मौत की सजा मिल जाए.

वहीं, मामले को लेकर पीड़िता के परिवार की मांग के बाद बंगाल सरकार ने हाईकोर्ट का रुख किया है. साथ ही इस पर लोगों में गुस्सा है और राजनीति भी चरम पर है. रविवार को बीजेपी ने विरोध प्रदर्शन किया. कुल्तुली थाने के बाहर हुए इस प्रदर्शन में पुलिस और कार्यकर्ताओं की झड़प भी हुई क्योंकि कार्यकर्ताओं ने पुलिस बेरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश की. बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा, बच्ची को बचाया नहीं जा सका? बच्ची को बचाने के लिए स्वयंसेवकों को तैनात नहीं किया जा सका! नाबालिग का शव शनिवार को बंगाल के दक्षिण परगना जिले के कुल्तुली गांव में एक नहर में मिला था.

पुलिस ने की मामले की अनदेखी : बच्ची के परिजनों ने आरोप लगाया कि जब लड़की के पिता पुलिस के पास गए, तो पुलिस ने अनदेखी की. पिता ने उसे खोजने की कोशिश की, जब वह नहीं ढूंढ़ पाया, तो वह पुलिस के पास गया, लेकिन पुलिस ने अनदेखी की.

कभी भी हो सकती है झारखंड विधानसभा चुनाव की घोषणा, पार्टियां रणनीति बनाने में जुटीं

प्रत्याशियों की घोषणा होते ही पार्टियों में मचेगी भगदड़

कौशल आनंद। रांची

झारखंड में विधानसभा चुनाव की घोषणा कभी भी हो सकती है. इसके साथ ही आचार संहिता लागू हो जाएगी. पार्टियां भी प्रत्याशियों की घोषणा करना शुरू कर देंगी. भाजपा ने प्रत्याशियों का चयन लगभग कर लिया है. सीटे शेयरिंग का फार्मूला तय हैं, लेकिन इंडी गंठबंधन में अभी भी सीट शेयरिंग को लेकर सस्पेंस है. सीट शेयरिंग के साथ ही साथ प्रत्याशियों को घोषणा होते ही वैसे नेता, जो टिकट की आस में बैठे थे, वे दूसरे दलों में संभावना तलाशेंगे. कुछ बगावत कर चुनावी समर में कूदेंगे, तो कुछ दूसरी पार्टियों से टिकट का जुगाड़ करेंगे, वैसे झामुमो, भाजपा, कांग्रेस, आजसू सहित अन्य दलों के कई नेता जयराम महतों से भी लगातार संपर्क बनाए हुए हैं और जैसे ही उनके गठबंधन की सीटों की घोषणा होगी और टिकट मिलने की किसी तरह की उम्मीद न होगी, तो वे जयराम से भी हाथ मिला सकते हैं.

भजापा एकसाथ 25-30 प्रत्याशियों की सूची जारी करने की तैयारी में : मिली जानकारी के अनुसार भाजपा ने अपने 25-30 प्रत्याशियों की पहली सूची जारी करने की तैयारी कर ली है. यह भी जानकारी छन कर आ रही है कि भाजपा के कई सीटिंग विधायकों का टिकट कट सकता है. हो सकता है डेढ़ से दो दर्जन सीटिंग विधायकों का पत्ता साफ हो सकता है. कुछ की उम्र सीमा की वजह से, तो कुछ की क्षेत्र में पकड़ न होने की वजह से छुट्टी की जा सकती है. लेकिन भाजपा जैसे ही प्रत्याशियों की घोषणा करेगी, दूसरी पार्टियों में भी हलचल होगी, यह तो तय है, लेकिन यह हलचल तूफान का भी भी रूप ले सकती है.

चर्चा यह भी कि कई दिग्गज बदल सकते हैं पाला : भाजपा, झामुमो, कांग्रेस और आजसू की बात करें, तो इन पार्टियों के कई बड़े नेता सीट शेयरिंग के चक्कर में फंस सकते हैं. या फिर पार्टियां वैसे नेताओं को किनारे कर सकती हैं, जिनका परफारमेंस ठीक नहीं रहा है. ऐसा खास कर भाजपा में ही हो सकता है. ऐसे में कयास लगाया जा रहा है कि भाजपा की पहली सूची जारी होते ही कुछ का पत्ता साफ होगा, तो भगदड़ भी मच सकती है.कोयलांचल की एक प्रमुख सीट से भाजपा प्रत्याशी बदले जाने की चर्चा राजनीतक गलियारे में है. लेकिन उनके बारे में यह भी बताया जा रहा है कि टिकट कटते ही वे तत्काल पाला बदल सकते हैं. ऐसे ही कांग्रेस के भी दो-तीन नाम की चर्चा है, जिन्होंने पाला बदलने की तैयारी कर रखी है. संथाल, कोयलांचल और उत्तरी छोटनागपुर से भी कांग्रेस के एक-एक सीटिंग विधायक के पाला बदलने की चर्चा हो रही है. वैसे यह पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता कि वे पाला बदलेंगे ही, लेकिन इन माननीयों के हावभाव से तो ऐसा ही लग रहा है कि ये कभी भी घोलटनिया मार सकते हैं.

गठबंधन की घोषणा होते ही आजसू में सबसे अधिक बढ़ेगी नाराजगी : सीट शेयरिंग की घोषणा होते ही सबसे ज्यादा बवंडर तो आजसू पार्टी में ही उठेगा. वैसे भी आजसू पर पति-पत्नी, मौसा, ससुर की पार्टी होने का ठप्पा लग चुका है. पार्टी के जिन नेताओं ने पांच साल तक बतौर प्रभारी और संभावित प्रत्याशी जिन विधानसभा क्षेत्रों में मेहनत की है, वहीं की सीट यदि उनकी पार्टी के खाते में न आयी, तो भागा-भगी मचेगी ही. आजसू पार्टी में प्रभारी का मतलब सीधा है कि वह संबंधित विधानसभा का टिकट और चुनाव लड़ने का प्रबल दावेदार है. झारखंड गठन से लेकर अब तक (केवल 2019 को छोड़कर) पार्टी भाजपा के साथ मिल कर चुनाव लड़ी. भाजपा उसे पांच से सात सीट देती रही है. लेकिन इन सीटों में दो से तीन सीट पर सुदेश महतो के परिवार के लोग ही लड़ते रहे हैं, बाकी दो से तीन सीट पर ही अन्य नेता चुनाव लड़ पाते हैं. अब पार्टी में चर्चा होने लगी है कि गठबंधन के तहत कम सीट पर ही चुनाव लड़ना है, तो क्या जिन नेताओं ने फील्ड में पांच साल तक पसीना बहाया, पैसे खर्च किए, वे सिर्फ झंडा ही ढोते रह जाएंगे. परिवारवाद का ठप्पा और आजसू पार्टी के शीर्ष नेता की दोहरी नीति के कारण पार्टी का ग्राफ तेजी से नीचे गिर रहा है.

डरे हुए तीर-धनुष के धनुर्धर, कहीं शंटिंग यार्ड में न डाल दिए जाएं

दक्षिणी छोटानागपुर के जनजातीय आरक्षित सीट के एक सीटिंग विधायक की बार-बार चर्चा होती है कि वे दूसरी पार्टी में शामिल हो सकते हैं. लेकिन उन्होंने पिछले लोकसभा चुनाव में बागी प्रत्याशी बनकर अपनी ताकत आंक ली है. उन्हें पता चल गया है कि यदि पार्टी ने दुत्कार दिया, तो वे कहीं के न रहेंगे. विधायक जी डरे हुए भी हैं उन्होंने पार्टी को ऐन जरूरते के मौके पर बहुत ही नाच नचाया है, तो अब कहीं पार्टी ने उन्हें शंटिंग यार्ड में डाल दिया, तो कहीं के न रहेंगे. तो ये भी इधर-उधर ताक-झांक कर रहे हैं. ये भी हो सकता है कि ये जयराम के साथ चले जाएं या कमल फूल थाम लें. वैसे बताया जाता है कि कमलफूल वाले नेताजी भी इनको ट्रैप करने की कोशिश में लगे हैं.

आजसू सुप्रीमो की ही प्रतिष्ठा दांव पर लग सकता है झटके पे झटका

कभी पांच विधायक जिताने वाली पार्टी दो तक भी सिमट कर रह चुकी है. पार्टी सुप्रीमो सुदेश महतो खुद ही सिल्ली सीट से दो बार हार चुके हैं. उनकी प्रतिष्ठा तो कुद ही दांव पर लगी है. सुदेश की हालत यह रहती है कि वे दूसरी सीटों पर खडे. प्रत्याशियों के लिए ढंग से प्रचार तक नहीं कर पाते हैं. अपनी ही सिल्ली सीट में उलझ कर रह जाया करते हैं या फिर भाजपा के भरोसे वैतरणी पार करने की जुगत भिड़ाए रहते हैं. इसे बार सुदेश के सामने और बड़ी चुनौती है. कुरमी समाज का सबसे बड़ा नेता होने का दंभ भरनेवाले सुदेश को अपने ही समाज के जयराम महतो से ज्यादा खतरा हो गया है. सुदेश भले ही पार्टी के लिए सात सीटों का जुगाड़ कर लें, लेकिन कितनी सीटों पर परचम लहरा पाएंगे और अपने कैडर को एकजुट रख पाएंगे. कहा नहीं जा सकता. क्योंकि आजसू पार्टी से नाराज नेताओं-कार्यकर्ताओं की जयराम से निकटता बढ़ती ही जा रही है. ऐसे में आजसू पार्टी को चुनाव आते-आते धक्के पे धक्का, झटके पे झटका लगना तय बताया जा रहा है.

ई राजा पंजा पियारे, सबके दुलारे, पहुंच गिये पाड़ें बाबू के दुआरे, लगाईन गुहार- तनिका मदद करू सरकार

संजय सिंह

नेशनल वाली पार्टिया के लोकल नेताजी लोग विधानसभा चुनाउवा में पंजा लड़ावे लगी ढेरे परेशान है. जेने -तेने से जुगाड़ मैनेजमेंट में लगल है. झारखंड में राजधानी जईसन प्रमुख सीट से चुनाव लड़े ला ढेरे नेताजी लोग लकलकाईल है. एगो सीट लगी दु दर्जन नेता जी लोग ताल ठोकले है. लेकिन ताल ठोकेवाले नेताजी लो फील्डवा में तनिको न दिखाई दे रहीस है, उपरे-उपरे हवा बनावे लगल है. हवा-हवाई नेताजी लोग कभी प्रभारी के आगे-पीछे पैडल मारले है, तो दूसरका बड़का नेताजी के आगे-पीछे. प्रदेश अध्यक्ष के भी सेट करे में लगल है. अब देखिए न, राजधानी सहित झारखंड की अलग-अलग सीटों से चुनाव लड़ने के लिए लकलकाईल नेताजी जनता की बीच न रह कर दूरे-दूरे रह कर गेटिंग-सेटिंग में लगल हैं. जनता से दूरी और अपन बड़का नेताजी से नजदीकी के चक्कर में नेताजी लोग कहां-कहां नहीं पैडल मार रहीस है. टिकट लगी ई नेताजी लोग चमचई में हाल में ही एक पखवारे से बेसिए कश्मीर में रह कर लौट गईल है लोग. कहे के तो टिकट ला लकलकाईल ई नेताजी लोग प्रभारी मीर साहिब के चुनाव प्रचार में गईल थे. लेकिन कितना प्रचार कीहिन, कितना लाभ मीर साहिब के होगा, ई तो दु-चार दिन बाद चुनाव परिणामवा आये के बादे पता चल सकेगा, लेकिन कश्मीर से लौटल नेताजी लोग ईहा ढेरे हॉफडीप देले है. कह रहीस है कि ऊ लोग जेने-जेने गईस, नेताजी के पक्ष में हवा बना दीहिस. ईहां कांग्रेस के बरामदा समिति के मेंबरान लोगन के पास तो तनिका ढेरे हांक दे रहल है कश्मीर रिटर्न नेताजी लोग. राजधानी रांचीवाली सीटवा से जे-जे दावा ठोकिस है, ऊ तनिका ज्यादा परेसान हो रहीस है. ऊ लोग के बुझा रहीस है कि कहीं रांची सीटवा के सीट शेयरिंग में झामुमो न हथिया ले. बस ईहे उधेड़बुन में ई कई गो नेताजी लोग झामुमो के दुआरी पर भी अड्डेबाजी कईले है. झामुमो के नेताजी लोगन के भी पटियावे में लग गईस है. लेकिन जो झामुमो के दफ्तरवा में जो नेताजी के पास ई लोग पैडल मारे ला पहुंच रहीस है, ऊ कम सातिर न है. राजनीति के पंडिताई में अइसन लंघी मार रहीस है कि ई दुआर अगोरिया करेवाला नेताजी के बुझाइयो न रहीस है. अब पंजवा वाली पार्टिया में एगो नेताजी तनिका ज्यादा ही युवा हैं. कहल जाए, तो राजा जी हैं. मृदुभाषी, मिलनसार, गेटिंग सेटिंग में महारथ हासिल कईले हैं. पहिले छात्र वाला राजनीति कईले थे, फिर युवा हुए, तो युवा वाला पंजा चलावे लग गिये. तनिका नेम-फेम भी होइए गईस. अब तो जानिए रहे हैं, नेम-फेम हुईस तो बड़का नेताजी लोग के आगे-पीछे पैडल मारे लगे. फायदो हुईस. बिन पद के शायद न रह पाते, तो कोई न कोई पदवा हथियावे में कामयाब ही हो गिये. राजाजी हईहैं, संगठन में पद तो ढेरे हो गिया, अब लकलकाईल हैं रांची से टिकट हथियावे लगी. लेकिन राजा बाबू कनिका जरूरत से ज्यादा ही तेज हैंय इनका ई बातवा से समझ है कि सीट शेयरिंग में राजधानी के सबसे महत्पूणर् सीटवा तो झामुमो के मिले के आसार है, तो झामुमो के दुआरियो पर पहुंच गईन. झामुमो के पंडिताई करेवाले घाघ नेताजी के शरण में पहुंचे, तो ऊ भला का बोलते. ई तो नहीं न बोलते कि जाओ तुम्हारा काम नहीं करेंगे. लल्लो चप्पो तो करेही पड़ेगा न. वईसे राजा बउवा भी तनिका खिलाड़िये हैं. ईहो बुझिए रहीन है कि डाइलिमा में न रहेला है. सो बोले. भईया, देखिए गा ना, सीट शेयरिंग में का होता है. हमको तो लगता है झामुमो की मैडम ने पिछला दफा सीपी चचा को पानी पिला दीहिस थीं. जोरदार टक्कर दीहिन थी, लेकिन अब तो ऊ सांसद हो गई हैं, तो ऊ तो नहींए लडेंगी. फिर झामुमो को दूसरा दमदार कैंडिडेट ही उतारे पड़ेगा. ए भइया, सुने हैं आपहूं चुनाव लड़ेला तैयार हैं. आपका नामवा का भी चर्चा हो रहीस है. अब भाई जे पूरा झामुमो के पंडिताई कईले हैं, उ पांडेय जी अईसेही आसानी से वाइड बॉन न फेंकेंगे. राजा बाबू के चरा के टरका दीहिन. पंडित जी राजा बाबू के समजा दीहिन, देखिए बॉस आपका पार्टियावाला जोरदार तरीके से सीट शेटरिंग में रांची के लिए अडता है, तो चांस बन सकता है. लेकिन आपका ही पार्टिया वाला लोग दब्बू बनल रहेगा, तो हमलोग का कर सकते हैं. वईसे मीटिंगवा में तो हम रहबे करेंगे, फिर जईनसन होगा तो बताईबे करेंगे. अभी जाओ न यार... देखते हैं आगे का होता है. जईसा भी होगा, हम कोशिश करेंगे तुमको मदद भी करबे करेंगे. बाकी तो देखल जाएगा. जाओ अभी ढेरे लोग आ गईल है, सभे से मिलना-जुलना भी है.

चुनावी चकल्लस

50 साल की उम्र पार कर चुके 171 पुलिस पदाधिकारी ड्यूटी पर

अति नक्सल प्रभावित जिलों में तैनात हैं उम्रदराज अफसर

- इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर और एएसआई के कुल 586 पद हैं स्वीकृत
- लेकिन सिर्फ 286 पदाधिकारी ही पदस्थापित हैं
- 286 में से 171 पुलिस पदाधिकारियों की उम्र 50 साल पार, शारीरिक रूप से अक्षम भी

सौरभ सिंह। रांची

झारखंड का अति नक्सल प्रभावित जिला चाईबासा 50 साल की उम्र पार कर चुके 171 पुलिस पदाधिकारियों के भरोसे है. एक करोड़ का इनामी नक्सली पतिराम मांझी, मिसिर बेसरा समेत 100 की संख्या में नक्सली यहां नक्सली घटनाओं को अंजाम देने के लिए भ्रमणशील है. इस जिले में इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर और एएसआई के कुल 586 पद स्वीकृत हैं. लेकिन सिर्फ 286 पदाधिकारी ही पदस्थापित हैं. इनमें से भी 171 इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर और एएसआई ऐसे हैं, जिनकी उम्र 50 साल से ज्यादा है. ये 171 पुलिस पदाधिकारी शारीरिक रूप से नक्सल अभियान के उपयुक्त नहीं है.

171 पुलिस पदाधिकारियों की उम्र 50 साल से ज्यादा

- चाईबासा में वर्तमान में आठ इंस्पेक्टर हैं, जिनमें तीन की उम्र 57 से 59 साल के बीच है.
- चाईबासा में वर्तमान में 170 सब इंस्पेक्टर हैं, जिनमें 74 की उम्र 55 से 58 साल के बीच है.
- चाईबासा में वर्तमान में 108 एएसआई हैं, जिनमें 94 की उम्र 50 साल से ज्यादा है.

59 पुलिस पदाधिकारियों का किया गया ट्रांसफर, पर पदस्थापन सिर्फ दो का : पुलिस मुख्यालय ने बीते दिनों एक इंस्पेक्टर, 43 सब इंस्पेक्टर, 15 एएसआई और 15 सिपाही का दूसरे जिले में ट्रांसफर किया. लेकिन इन जगहों पर सिर्फ दो सब इंस्पेक्टर का पदस्थापन चाईबासा जिले में किया गया. जिन सब इंस्पेक्टर का चाईबासा जिले से ट्रांसफर किया गया है, फिलहाल उन्हें विरमित नहीं किया गया है.

कई बड़े नक्सली हैं सक्रिय, पांच नये थानों का किया गया गठन

चाईबासा अति नक्सल प्रभावित जिला है. जहां कई बड़े नक्सली सक्रिय हैं. नक्सल गतिविधि पर लगाम लगाने के लिए जिले में पांच नये थानों का गठन किया गया है. इनमें आराहासा, कुईडा, लोढ़ाई, रोबकेरा और सेरेंगदा थाना शामिल है. ये सभी थानों को ए श्रेणी में शामिल किया गया है. इन पांच थानों में 45 सब इंस्पेक्टर की आवश्यकता है. यानी प्रत्येक थाना में नौ सब इंस्पेक्टर की जरुरत है.

अब तक रिटायर हो चुके हैं सात सीएस रैंक के अफसर

इसी महीने रिटायर हो जाएंगे मुख्य सचिव

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड के मुख्य सचिव एल खियांग्यते इस महीने की 31 तारीख को रिटायर हो जाएंगे. उनके रिटायरमेंट कि तिथि 31 अक्तूबर 2024 है. फिलहाल झारखंड में दो मुख्य सचिव रैंक के अफसर कार्यरत हैं. जिसमें एल खियांग्यते और अविनाश कुमार शामिल हैं. जानकारी के अनुसार चीफ सेक्रेटरी एल खियांग्यते के रिटायरमेंट के बाद सरकार अलका तिवारी को राज्य का मुख्य सचिव बना सकती है. अलका तिवारी फिलहाल केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं. वे 30 सितंबर 2025 को रिटायर करेंगी.

इस साल चीफ सेकेटरी रैंक के सात अफसर हो चुके रिटायर : इस साल चीफ सेक्रेटरी रैंक के सात अफसर रिटायर हो चुके हैं. जिनमें राजीव गौबा, एनएन सिन्हा, एसकेजी रहाटे, सुखदेव सिंह, राजीव अरुण एक्का, सुरेंद्र सिंह और एमएस भाटिया शामिल हैं. वहीं प्रमोटी आइएएस आलोक त्रिवेदी, अंजनी कुमार दुबे, चंद्रकिशोर उरांव,संजय सिन्हा और अनिल कुमार भी रिटायर कर चुके हैं. इसके अलावा प्रमोटी आइएएस अमित प्रकाश और राजू रंजन राय 31 दिसंबर को रिटायर हो जाएंगे.

चीफ सेक्रेटरी के रूप में सबसे लंबा कार्यकाल सुखदेव सिंह का : चीफ सेक्रेटरी के रूप में सबसे लंबा कार्यकाल सुखदेव सिंह का रहा. वे तीन साल आठ महीना सात दिन मुख्य सचिव के पद पर रहे. रिटायरमेंट से चार माह पूर्व उनका तबादला एटीआई के महानिदेशक पद पर किया गया था. बताते चलें कि राज्य में आईएएस अफसरों के 224 पद स्वीकृत हैं. इनमें 180 अफसर ही कार्यरत हैं. इस हिसाब से झारखंड कैडर में 44 अफसरों की कमी है.

प्रधान सचिव रैंक के आधा दर्जन अफसर केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर : प्रधान सचिव रैंक के आधा दर्जन अफसर भी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं. इनमें सतेंद्र सिंह, सुनील वर्णवाल, राहुल शर्मा, केके सोन, हिमानी पांडेय और आराधना पटनायक शामिल हैं. वहीं झारखंड में प्रधान सचिव रैंक के अजय कुमार सिंह, नितिन मदन कुलकर्णी, वंदना दादेल, मस्तराम मीणा, विनय चौबे, सुनील कुमार और राहुल पुरवार कार्यरत हैं.

अलका तिवारी हो सकती हैं नई चीफ सेक्रेटरी

एल खियांग्यते, मुख्य सचिव

घोटालेबाजों को बचाने कोर्ट चली जाती है सरकार: बाबूलाल मरांडी

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार के खिलाफ निशाना साधा है. कहा कि राज्य सरकार घोटालेबाजों को बचाने में जुटी है. सरकार का काम है चोरों को पकड़ना, गड़बड़ी की जांच कराना, दोषियों को कोर्ट से सजा दिलवाना. लेकिन ठीक उसके उलट हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक में सरकारी पैसे से नामी वकीलों की टीम रखकर घोटाले की जांच नहीं होने दे रही है. घोटालेबाज़ों को बचाने के लिये बार-बार कोर्ट के शरण में जाकर जांच को लटकाने-भटकाने का काम कर रही है. उन्होंने सीएम पर तंज कसते हुए कहा कि कोयला चोरी की जांच होने दीजिये. सच सामने आ जाएगा.

नौ आईएएस अफसरों का तबादला राहुल कुमार सिन्हा बने खान निदेशक

संवाददाता। रांची

राज्य सरकार ने नौ आईएएस अफसरों का तबादला के साथ पदस्थापन भी कर दिया है. रांची के डीसी रहे राहुल कुमार सिन्हा को खान निदेशक बनाया गया है. साथ ही जेएसएमडीसी के एमडी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है.

वहीं दक्षिणी छोटानागपुर के प्रमंडलीय आयुक्त के पद पर पदस्थापित अंजनी कुमार मिश्रा को अपने कार्यों के साथ विशेष सचिव, राजस्व के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त कर दिया गया है.

जानें कौन-कहां गये

सुमन कैथरीन किस्पोट्टा : विशेष सचिव, कार्मिक
राहुल कुमार सिन्हा : निदेशक, खान, अप्र जेएसएमडीसी
शशि प्रकाश झा : विशेष सचिव, राजस्व, निबंधन
मृत्युंजय कुमार बरणवाल : सीईओ, झारखंड राज्य आजीविका संवर्धन अप्र मनरेगा आयुक्त
शशि रंजन : राज्य परियोजना निदेशक, सर्व शिक्षा अभियान
किरण कुमारी पासी : निदेशक, समाज कल्याण
आदित्य रंजन : निदेशक, पशुपालन
गरिमा सिंह : संयुक्त सचिव, योजना एवं विकास विभाग
प्रेरणा दीक्षित : प्रबंध निदेशक, जियाडा

सीएम हेमंत का भाजपा पर तंज झूठों का जुमला फेंकना बंद करें

प्रमुख संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भाजपा पर तंज कसा है. उन्होंने कहा है कि झूठ का जुमला फेंकना और बहनों के बीच भेद करना बंद करें. सीएम ने फेसबुक पर बीजेपी की गोगो दीदी योजना पर लिखा कि कितनी हास्यास्पद बात है कि झारखंड में 2100 देने की बात करने वाले पांच सालों के लिए उड़ीसा में सिर्फ 830 रुपये महीना दे रहे हैं. मध्यप्रदेश में 1000 रुपये दिये जा रहे थे. लेकिन अब शर्तों सहित 1250 रुपये किया गया है. सीएम ने आगे लिखा है कि केंद्र अपने तरफ मंईयां सम्मान में आज ही 1100 रुपये जोड़े और आजीवन पैसे देने का लिखित संकल्प ले. वरना कुछ दिनों बाद कोर्ट का सहारा ले. यह बंद करने की चालबाजी होगी.

हेमंत सोरेन ने पीएम नरेंद्र मोदी से की मांग

सीएम ने आगे लिखा है कि मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग करता हूं कि हमारे राज्यवासियों का बकाया 1 लाख 36 हजार करोड़ वापस करना शुरू करें. अब तो सुप्रीम कोर्ट से आदेश भी आ गया है. हम इस माह की किश्त 2500 रुपये भेजना शुरू कर देंगे, वह भी बिना किसी शर्त 18 से 50 वर्ष की हर झारखंडी बहन को. साथ ही देश के हर राज्य की हर बहन को एक समान 2500 रुपये भेजने की योजना जल्द से जल्द लागू करें. पूरे देश में यह योजना समय की जरुरत है.

पुलिस की अपील, सीबीआई के नाम से धोखाधड़ी वाले कॉल से रहें सावधान

संवाददाता। रांची

देश में साइबर क्राइम तेजी से बढ़ रहा है. अक्सर ऐसे मामले सामने आते हैं, जिसमें कॉल करने वाला खुद को सीबीआई अधिकारी बताता है और आपको या आपके परिवार के सदस्य को किसी मामले में फंसाने की धमकी देता है. इसको लेकर झारखंड पुलिस ने लोगों को सावधान किया है. झारखंड पुलिस ने कहा कि क्या आपको किसी सीबीआई अधिकारी या किसी सरकारी अधिकारी से संवेदनशील जानकारी मांगने वाला कॉल आया है? यह एक घोटाला है, इसके झांसे में न आएं. किसी के साथ इस तरह की घटना होती है तो साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर भी कॉल कर सकते हैं.

इसके अलावा आप साइबर क्राइम पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कर सकते हैं.

डरा-धमका कर पैसे ठगने की कोशिश करते हैं साइबर अपराधी : साइबर अपराधी खुद को सीबीआई या किसी और सरकारी एजेंसी का अधिकारी बताकर आपको फोन करते हैं.

वे लोगों को कहते हैं कि आप किसी कानूनी पचड़े में फंस गये हैं और आपको गिरफ्तार किया जा सकता है. यह एक तरह का साइबर फ्रॉड है, जिसमें साइबर अपराधी लोगों को डरा-धमकाकर उनसे पैसे ठगने की कोशिश करते हैं. वे यह भी कह सकते हैं कि आपके नाम से कोई पार्सल आया है, जिसमें गैरकानूनी चीज मिली है. इसके बाद वे आपसे पैसे मांगते हैं और कहते हैं कि अगर आप पैसे नहीं देंगे, तो आपके खिलाफ केस दर्ज किया जाएगा.

दुर्गा पूजा में निर्बाध बिजली आपूर्ति की तैयारी में जेबीवीएनएल

रांची। झारखंड बिजली वितरण निगम (जेबीवीएनएल) ने दुर्गा पूजा में निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए अपनी तैयारी पूरी कर लेने का दावा किया है. जेबीवीएनएल ने सात अक्टूबर से लेकर 13 अक्टूबर तक निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए नियंत्रण कक्ष का गठन किया है. इसके अतिरिक्त नियंत्रण कक्ष में तीन पालियों में एंटी क्लॉक वाइज बिजली अफसरों और कर्मियों की तैनाती की गयी है. बिजली कार्यपालक अभियंता, सहायक विद्युत अभियंता और अन्य कर्मी सुबह छह बजे से दिन के दो बजे तक, दो बजे से रात्रि 10 बजे तक और रात्रि 10 बजे से सुबह छह बजे तक रहेंगे. गठित नियंत्रण कक्ष पूरे 24 घंटे एक्टिव रहेगा. इस बात की जानकारी रांची सर्किल के अधीक्षण अभियंता डीएन साहू ने दी.

यूपीएससी को भेजी गयी 18 अफसरों की सूची

दो महीने बाद गैर सेवा के छह अफसर बनेंगे आईएएस

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड में गैर प्रशासनिक सेवा के छह अफसरों को जल्द ही आइएएस संवर्ग में प्रोन्नति मिलेगी. राज्य सरकार ने गैर सेवा के 18 अफसरों के नामों की सूची संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) को भेज दी है. नियमतः एक पद के विरुद्ध तीन नाम भेजने का प्रावधान है. इन अफसरों को 2023 की रिक्ति के विरुद्ध आइएएस संवर्ग में प्रोन्नति दी जाएगी. जानकारी के अनुसार दिसंबर के अंत तक इन अफसरों को प्रोन्नति देने की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी.

गैर प्रशासनिक सेवा से फिलहाल चार आईएएस कार्यरत : झारखंड कैडर में गैर प्रशासनिक सेवा से आईएएस कैडर में प्रोन्नति पाए सिर्फ चार आईएएस ही कार्यरत हैं. इसमें मनोज कुमार, प्रभात कुमार, अजय नाथ झा और अक्षय कुमार सिंह के नाम शामिल हैं. वहीं राज्य प्रशासनिक सेवा से आईएएस कैडर में प्रोन्नति पाए 36 अफसर कार्यरत हैं. वहीं डायरेक्ट आईएएस अफसरों की संख्या 138 है. वहीं राज्य में 44 आईएएस अफसरों की कमी है. राज्य में आईएएस संवर्ग के लिए 224 पद स्वीकृत हैं. इसमें वर्तमान में 180 अफसर ही कार्यरत हैं.

मंत्री बन्ना गुप्ता पर यौन शोषण के आरोप को लेकर फेक एफआईआर की कॉपी वायरल हुई

रांची। झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता पर यौन शोषण को लेकर एक फर्जी एफआईआर की कॉपी वायरल हो रही है. रांची पुलिस ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर वायरल एफआईआर कॉपी को फेक बताया है. रांची पुलिस ने कहा कि कई व्हॉटसएप ग्रुप में मंत्री बन्ना गुप्ता से संबंधित झूठी प्राथमिकी दर्ज किया हुआ पत्र व्हॉटसएप में प्रसारित किया गया है. इस संदर्भ में तथाकथित आवेदिका तमाड़ थाना क्षेत्र के सलगाडीह गांव की रहने वाली पूजा महतो का छदम नाम का उपयोग किया गया है. साथ ही सिटी एसपी कार्यालय को संबोधित एक आवेदन और कार्यालय से संबंधित मिलता-जुलता फर्जी मोहर का आवेदन पत्र का उपयोग किया गया है. बन्ना गुप्ता के खिलाफ यौन शोषण से संबंधित आरोप लगाते हुए एक झूठा आवेदन व्हॉटसएप में प्रसारित किया जा रहा है.

महाधरना झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा आज मुख्यमंत्री, राज्यपाल और मंत्रियों को सौंपेगा मांग पत्र, चेतावनी भी दी

हमारी मांगों पर विचार नहीं, तो विस चुनाव में बनेगी रणनीति : माहेश्वर साहू

संवाददाता। रांची

झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा द्वारा अपनी लंबित मांगों को लेकर रविवार को मोरहाबादी स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के प्रतिमा के समक्ष एक दिवसीय चेतावनी महाधरना का आयोजन केंद्रीय अध्यक्ष माहेश्वर साहु की अध्यक्षता में हुआ. महाधरना में विभिन्न जिलों से आये वैश्य मोर्चा के केंद्रीय पदधारी, जिला अध्यक्ष और प्रमुख सदस्य शामिल हुए. धरना कार्यक्रम में प्रस्ताव पारित कर घोषणा की गई कि 8 अक्टूबर को कैबिनेट की बैठक में वैश्य मोर्चा की मांगों पर विचार नहीं किया गया, तो आगामी विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ गठबंधन के खिलाफ अभियान चलाने पर विचार करेगी. सोमवार को फिर से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, राज्यपाल समेत मंत्रियों को ज्ञापन सौंपा जायेगा. केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु ने कहा कि दर्जनों बार धरना-प्रदर्शन करके, और प्रतिनिधिमंडल मिल कर मांग-पत्र सौंपा गया है, लेकिन अफसोस की बात है कि अब तक वैश्य समाज को सभी सरकारों ने उपेक्षित करने, हाशिए पर डालने का काम किया है. उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ गठबंधन ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में कहा था कि सत्ता में आने के बाद वे लागू करेंगे. मुख्यमंत्री को 31 जुलाई को वैश्य मोर्चा का उच्च स्तरीय प्रतिनिधि मंडल ने ज्ञापन सौंपा था. आज धरना कार्यक्रम के माध्यम से वैश्य मोर्चा मांग करना चाहती है कि 8 अक्टूबर को होने वाली कैबिनेट की बैठक में हमारी मांगों पर विचार किया जाये. अन्यथा वैश्य मोर्चा आने वाले विधानसभा चुनाव में अपनी रणनीति बनायेगी और ठोस निर्णय लेगी.चेतावनी महाधरना में समाजसेवी आदित्य विक्रम जायसवाल, मोर्चा के कार्यकारी अध्यक्ष हीरानाथ साहु, वरीय उपाध्यक्ष मोहन साव, रामसेवक प्रसाद, सुरेश साहु, संजीव चौधरी, केंद्रीय उपाध्यक्ष सह हाइकोर्ट के अधिवक्ता योगेंद्र प्रसाद, सहदेव चौधरी, परशुराम प्रसाद, उप प्रधान महासचिव उपेन्द्र प्रसाद, अशोक गुप्ता, केंद्रीय महासचिव कपिल प्रसाद साहु, केंद्रीय सचिव दिलीप प्रसाद, रामाशंकर राजन, संगठन महासचिव कृष्णा साहु, संगठन सचिव अनिल वैश्य, जगदीश साहु, मीडिया प्रभारी राहुल कुमार साहु, केंद्रीय सदस्य नरेश साहु, राजेन्द्र साहु, महावीर साहु, जिला अध्यक्ष रोहित कुमार साहु, युवा मोर्चा अध्यक्ष हलधर साहु, सचिव आदित्य पोद्दार, छात्र मोर्चा अध्यक्ष युवराज साहु, अविनाश कुमार, नीलू साहु आदि शामिल थे.

वैश्य मोर्चा की मांग : इसके तहत मांग किया गया ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण देने, शून्य जिलों में आरक्षण की व्यवस्था लागू करने, जाति आधारित जनगणना, वैश्य आयोग का गठन, छोटे दुकानदारों की 10 लाख रुपये तक की ऋण माफी, वैश्यों की लूटी गई जमीन वापसी, वैश्यों को झूठे केस में फंसाने, प्रताड़ित करने आदि मांगें रखी गई.

मोरहाबादी में महाधरना के दौरान मोर्चा के पदाधिकारी.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

तापमान 30.4^{0} अधिकतम | 22.0^{0} न्यूनतम

रांची, सोमवार 07 अक्टूबर 2024 ● आश्विन शुक्ल 05, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 179 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

एसडीओ और डीएसपी ने दुर्गा पूजा पंडाल का किया निरीक्षण

रांची। रांची सदर एसडीओ उत्कर्ष कुमार और कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए ने दुर्गा पूजा पंडाल का निरीक्षण किया. दोनों अधिकारियों ने बकरी बाजार, आरआर स्पोर्टिंग क्लब, राजस्थान मित्र मंडल, बड़ा तालाब, ओसीसी पूजा पंडाल का निरीक्षण किया. साथ ही कई दिशा निर्देश दिए. गौरतलब है कि झारखंड में दुर्गा पूजा लेकर सभी जिलों में सुरक्षा बलों की तैनाती कर दी गई है. पुलिस मुख्यालय ने सुरक्षा के पुख्ता व्यवस्था करने के लिए झारखंड के 24 जिलों में करीब 10 हजार अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किए हैं. रांची, हजारीबाग और जमशेदपुर में बम निरोधक दस्ते की टीम को भी तैनात किया गया है.

ब्रीफ खबरें

इश्तियाक अहमद बने हजारीबाग के डीडीसी

रांची। राज्य सरकार ने झारखंड प्रशासनिक सेवा के अफसरों का तबादला किया है. पदस्थापन के लिए प्रतीक्षारत इश्तियाक अहमद को हजारीबाग का उप विकास आयुक्त सह मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी बनाया है. कृषि विभाग में संयुक्त सचिव के पद पर पदस्थापित अमरेंद्र कुमार सिन्हा को चतरा जिले के उप विकास आयुक्त सह मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी की जिम्मेवारी सौंपी गई है. वहीं, धनबाद नगर निगम के नगर आयुक्त पद पर पदस्थापित रविराज शर्मा को वाणिज्य कर विभाग में संयुक्त सचिव के पद पर पदस्थापित किया गया है. भू-राजस्व विभाग के उपसचिव भागीरथ प्रसाद को स्थानांतरित करते हुए अपर उपायुक्त, पूर्वी सिंहभूम बनाया गया है.

गुमला के भाजपा जिला अध्यक्ष बने विनय लाल

रांची। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के निर्देशानुसार, विनय लाल को गुमला जिले का पार्टी अध्यक्ष मनोनीत किया गया है. इससे संबंधित आदेश प्रदेश महामंत्री सह राज्यसभा सांसद आदित्य साहू ने जारी कर दिया है. जारी आदेश में कहा गया है कि पूर्ण विश्वास है कि आपके नेतृत्व में गुमला जिले में संगठन और अधिक मजबूत होगा.

जानलेवा हमला मामले में आरोपी गिरफ्तार

रांची। पुलिस ने जानलेवा हमला करने के आरोपी को गिरफ्तार किया है. दरअसल, मांडर थाना क्षेत्र के रहनेवाले अमरजीत कुमार सिंह ने थाना में आवेदन देकर अधनु पाहन के खिलाफ उनके मित्र आनंद एक्का को हथियार के बट से मारकर जख्मी करने का मामला दर्ज कराया था. इस संबंध में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अधनु को गिरफ्तार कर लिया. निशानदेही पर कांड में प्रयुक्त देसी पिस्तौल भी बरामद कर लिया गया है.

दुर्गोत्सव त्योहार में घूमने के लिए रांची आनेवाले ध्यान रखें ! दुर्गा पूजा को लेकर नौ अक्टूबर से बदल जाएगी राजधानी की ट्रैफिक व्यवस्था

शाम चार बजे से छोटे-बड़े वाहनों का प्रवेश बंद रहेगा

संवाददाता। रांची

दुर्गा पूजा के मद्देनजर नौ से 13 अक्टूबर तक राजधानी के मुख्य मार्गों पर शाम चार बजे से छोटे-बड़े वाहनों का प्रवेश बंद रहेगा. पूजा में दर्शनार्थियों की भीड़ बढ़ जाती है. इसे देखते हुए शहर की यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है. रांची के ट्रैफिक एसपी ने रविवार को संबंधित आदेश जारी कर दिया है.

कहां-कहां होगी पार्किंग की व्यवस्था

- डोरंडा और सुजाता चौक से मेन रोड आनेवाले वाहनों की पार्किंग सैनिक मार्केट व चर्च कांप्लेक्स परिसर में होगी.
- अलबर्ट एक्का चौक से बकरी बाजार की ओर जानेवाले लोग जिला स्कूल और बालकृष्ण स्कूल में वाहन पार्क करेंगे.
- डंगराटोली से सर्जना चौक जानेवाले वाहन संत जॉन्स स्कूल के सामने पार्क होंगे.
- स्टेशन रोड पूजा पंडाल जानेवाले वाहन रेलवे भर्ती बोर्ड से चुटिया थाना मोड़ तक सड़क पर पार्क होंगे.
- हरमू से किशोरगंज तक आनेवाले वाहन मुक्तिधाम से किशोरगंज के बीच सड़क किनारे पार्क होंगे.
- हरमू चौक स्थित पूजा पंडाल जानेवाले लोग हरमू मैदान में वाहन पार्क करेंगे.
- बरियातू हाउसिंग जाने वालेलोग बरियातू मैदान में वाहन लगाएंगे.
- सीएमपीडीआई के पास पंडाल जाने वाले लोग कैंब्रियन स्कूल के आगे वाहन पार्क कर सकेंगे.
- लालपुर से कोकर जाने वाले लोग साधु मैदान व बिजली ऑफिस में वाहन पार्क कर सकेंगे.
- खेलगांव से कोकर पूजा पंडाल जानेवाले लोग रामलखन सिंह यादव कॉलेज में वाहन लगायेंगे.

जानिए किस रूट के वाहन कहां तक आ सकेंगे

- सभी प्रकार के निजी वाहन, ऑटो और ई-रिक्शा का परिचालन कचहरी चौक से शहीद चौक, अलबर्ट एक्का चौक होते हुए मेन रोड पर सुजाता चौक तक वर्जित रहेगा. सुजाता चौक की तरफ से मेन रोड आने वाले सभी निजी वाहन सैनिक मार्केट, जीईएल चर्च व मार्केटिंग कांप्लेक्स तक ही जा सकेंगे.
- **पिस्का मोड़ से न्यू मार्केट की ओर आनेवाले सभी छोटी गाडियों का परिचालन सुबह चार बजे से शाम चार बजे तक मीनाक्षी सिनेमा हॉल मोड़ से पहाड़ी मंदिर होते हुए किशोरगंज चौक और यहां से हरमू चौक की ओर होगा.**
- हरमू की तरफ से किशोरगंज होकर रातू रोड की तरफ आने वाले चारपहिया वाहनों का परिचालन किशोरगंज चौक तक ही होगा. इस ओर से आनेवाले ऐसे सभी दो पहिया वाहन किशोरगंज से आगे पहाडी मंदिर मोड़ से मीनाक्षी सिनेमा हॉल मोड़ और रातू रोड होकर पिस्का मोड़ की ओर जाएंगे.
- **हरमू बाईपास रोड की ओर से पिस्का मोड़ की तरफ जाने वाले छोटे चारपहिया वाहन भाजपा कार्यालय के पास से पीपर टोली होकर कटहल मोड़, हेहल अंचल होते हुए पिस्का मोड़ की तरफ जा सकेंगे.**
- कांके रोड से कचहरी चौक की तरफ आनेवाली छोटी गाड़ियां जाकिर हुसैन पार्क, रेडियम रोड होकर कचहरी चौक तक, लालपुर चौक से कचहरी चौक आनेवाली छोटी गाड़ियां जेपीएससी कार्यालय तक, बरियातू रोड से अलबर्ट एक्का चौक की ओर जानेवाली छोटी गाड़ियां लाइन टैंक रोड स्थित रामगढ़ ट्रेकर पड़ाव तक और डंगराटोली चौक से सर्जना चौक की ओर आनेवाली छोटी गाड़ियां मिशन चौक तक ही आ सकेंगी.
- **लालपुर से कोकर जानेवाला मार्ग वन-वे रहेगा. सिर्फ लालपुर से कोकर की ओर जानेवाले वाहन सदर थाना वाले मार्ग से होते हुए जाएंगे. कोकर से लालपुर की ओर आनेवाली गाड़ियां कांटाटोली होकर अपने गंतव्य तक जाएंगी.**
- हरमू रोड से छोटी गाड़ियां अरगोड़ा चौक, कडरू, सुजाता चौक, मुंडा चौक होते हुए कांटोटोली जा सकती हैं.
- **कांके रोड से आनेवाली गाड़ियां राम मंदिर, रणधीर वर्मा चौक, करमटोली से बूटी मोड़ होते हुए जमशेदपुर या कांटाटोली की तरफ जा सकती हैं.**
- मेन रोड में शाम चार बजे से अगले दिन सुबह चार बजे तक छोटे वाहनों का प्रवेश पूरी तरह से वर्जित रहेगा. किशोरगंज चौक तक छोटे वाहनों का प्रवेश वर्जित किया गया है.

दिव्य दर्शन

रांची रेलवे स्टेशन में योग मुद्रा में हो रहा मां का दर्शन

रांची रेलवे स्टेशन दुर्गा पूजा समिति के पूजा पंडाल का पट शाम छह बजे खुला. विधायक सीपी सिंह ने पंडाल का अनावरण किया. पट खुलते ही दर्शनार्थियो ने योग मुद्रा में मां का दर्शन कर आशीष मांगा. साथ ही कोयंबटूर के भगवान आदियोगी मंदिर की तर्ज पर 50 फीट ऊंची भगवान शिव की प्रतिमा उन्हें लुभाती रही. भक्तों को लेजर शो का मनमोहक नजारा भी देखने को मिला. **पेज 5 भी देखें** (फोटो : रमीज)

कोयला एवं खान राज्यमंत्री ने रखी दो परियोजनाओं की आधारशिला

732 करोड़ रुपए की लागत से दो कोल हैंडलिंग प्लांट का शिलान्यास

विशेष संवाददाता। रांची/बेरमो

कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने 732 करोड़ की लागत से सीसीएल के बोकारो एवं करगली क्षेत्र में कारो कोल हैंडलिंग प्लांट एवं कोनार कोल हैंडलिंग प्लांट का शिलान्यास किया. इन दोनों परियोजनाओं की क्षमता क्रमशः सात मिलियन टन एवं पांच मिलियन टन प्रतिवर्ष है. फर्स्ट माइल रेल कनेक्टिविटी की दिशा में ये दोनों कोल हैंडलिंग प्लांट एक महत्वपूर्ण कड़ी साबित होंगे. इसके तहत कोयला खदानों से उत्पादित कोयले को निकटतम रेलवे सर्किट तक ले जाने की व्यवस्था की जाएगी, जहां से इसे देश भर के ताप विद्युत संयंत्रों तथा अन्य उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जाएगा.

वर्तमान में, इन खानों से कोयला, टिपर द्वारा सड़क मार्ग से रेलवे साइडिंग तक लाया जाता है. कोयला एवं खान राज्य मंत्री ने कोनार परियोजना के शिलान्यास के क्रम में पौधरोपण भी किया. मौके पर गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी, बेरमो विधायक कुमार जयमंगल (अनूप सिंह), कोल इंडिया के अध्यक्ष पीएम प्रसाद, सीसीएल के सीएमडी निलेंदु कुमार सिंह, निदेशक (वित्त) पवन कुमार मिश्रा, निदेशक (कार्मिक) हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक तकनीकी (संचालन) हरीश दुहान, निदेशक तकनीकी (योजना/ परियोजना) सतीश झा एवं श्रमिक संघों के प्रतिनिधि, महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे.

शिलान्यास स्थल पर कोयला राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे, सांसद सीपी चौधरी एवं सीसीएल के अधिकारी.

- **कोनार परियोजना में 322 करोड़ और कारो परियोजना में 410 करोड़ का निवेश**
- **दोनों परियोजनाओं की क्षमता सात मिलियन टन एवं पांच मिलियन टन प्रतिवर्ष**

मील का पत्थर साबित होंगी दोनों योजनाएं : सतीश चंद्र दुबे

बेरमो में शिलान्यास स्थल पर कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सभी योजनाओं को समय पर पूरा किया जा रहा है. जो शिलान्यास होता है, उसका उद्घाटन भी समय पर होता है. ये योजनाएं झारखंड और पूरे क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगी. उन्होंने कहा कि कोनार परियोजना में 322 करोड़ और कारो परियोजना में 410 करोड़ रुपये निवेश किये जा रहे हैं. ये दोनों परियोजनाएं प्रदूषण नियंत्रण में मदद करेंगी और क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर प्रदान करेंगी.

कोयला के उत्पादन और प्रेषण में आएगी तेजी : कोल इंडिया के अध्यक्ष पीएम प्रसाद ने कहा कि दोनों परियोजनाएं एक क्लोज्ड-लूप, पूर्ण यंत्रीकृत प्रणाली हैं, जो सड़क द्वारा परिवहन को समाप्त करके कोयले के प्रेषण में तेजी और दक्षता लाएंगी. इस प्रकार से डीजल की खपत में भी कमी आएगी.

कोनार कोल हैंडलिंग प्लांट

इस संयत्र में रिसीविंग हॉपर, क्रशर, 10,000 टन क्षमता के कोयला भंडारण बंकर और 1.6 किमी लंबा कन्वेयर बेल्ट शामिल हैं, जिनकी सहायता से कोयले को 1,000 टन भंडारण क्षमता के साइलो बंकर द्वारा रेलवे वैगनों में स्थानांतरित किया जाएगा. पांच मिलियन टन प्रति वर्ष क्षमता की इस परियोजना की लागत 322 करोड़ रुपये है. इसके परियोजना के प्रारंभ होने से वर्तमान रेक लोडिंग का समय पांच घंटे से घट कर एक घंटा रह जाएगा.

कारो कोल हैंडलिंग प्लांट : इस संयत्र में रिसीविंग हॉपर, क्रशर, 15,000 टन क्षमता के कोयला भंडारण बंकर और एक किमी लंबा कन्वेयर बेल्ट शामिल हैं, जिनकी सहायता से कोयले को 4,000 टन भंडारण क्षमता के साइलो बंकर द्वारा रेलवे वैगनों में स्थानांतरित किया जाएगा. सात मिलियन टन प्रति वर्ष क्षमता की इस परियोजना की लागत 410 करोड़ रुपये है.

तीन बच्चों की मां ने पूर्व प्रेमी की गला काट कर हत्या की

मेदिनीनगर। प्रेमी से तंग आ चुकी एक महिला द्वारा उसकी नृशंस हत्या करने का मामला सामने आया है. आरोपी महिला तीन बच्चों की मां है. घटना की जानकारी मिलने के बाद टाउन थाना की पुलिस मौके पर पहुंची आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया. घटना पलामू के मेदिनीनगर टाउन थाना क्षेत्र के बीएन कॉलेज के पास की है. पुलिस के अनुसार, नवरात्र में महिला सदर थाना क्षेत्र स्थित अपने मायके आई हुई थी.

यहां संजय प्रजापति नाम का महिला का पुराना प्रेमी उसके मायके आ गया और उसे तंग करने लगा. इससे परेशान होकर महिला ने बगल से चाकू उठा कर संजय के गले पर वार कर दिया, जिससे उसकी मौत मौके पर ही हो गई. इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई. टाउन थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार ने बताया कि पूछताछ के क्रम में महिला ने बताया कि संजय उसे काफी तंग कर रहा था, जिसके बाद चाकू से संजय के गले पर वार कर उसकी हत्या कर दी.

एएमयू की प्रवेश परीक्षा के लिए झारखंड में केंद्र बने

रांची। झारखंड राज्य उर्दू शिक्षक संघ के केंद्रीय महासचिव अमीन अहमद ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से आग्रह किया है कि झारखंड के शिक्षकों, अभ्यर्थियों एवं विद्यार्थियों के हित की रक्षा करें. उन्होंने कहा कि अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी एवं जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय समेत राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश जांच परीक्षा में झारखंड के अभ्यर्थियों के लिए कोई भी परीक्षा केंद्र तय नहीं है. अब तक झारखंड के अभ्यर्थियों को बिहार या पश्चिम बंगाल जाकर जांच परीक्षा देना पड़ता है, जबकि नियमानुसार विश्वविद्यालय को सभी राज्यों की राजधानी में कम से कम एक केंद्र उस राज्य के अभ्यर्थियों के हित में बनाया जाना चाहिए. कहा कि झारखंड राज्य को बिहार से अलग हुए दो दशक से अधिक का समय बीत गया है, परंतु अब तक झारखंड में प्रवेश जांच परीक्षा केंद्र नहीं बनाया गया है. इससे झारखंड के अभ्यर्थियों को मानसिक एवं आर्थिक परेशानी उठानी पड़ती है. उन्होंने सीएम से आग्रह किया कि उपरोक्त विश्वविद्यालय की प्रवेश जांच परीक्षा का केंद्र झारखंड की राजधानी में बनाए का प्रयास करें, ताकि झारखंड के अभ्यर्थी अपने राज्य में ही परीक्षा दे सकें.

अनुबंध और अराजपत्रित कर्मी मिले सीएम से, जताया आभार

विशेष संवाददाता। रांची

झारखंड राज्य एम.पी.डब्ल्यू. कर्मचारी संघ, झारखंड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ एवं संविदा/अनुबंध/एकमुश्त झारखंड कर्मचारी संघ के एक प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिले. प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा उनकी मांगों को पूरा करने को लेकर मुख्यमंत्री के समक्ष हर्ष जताया और मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया. प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने मुख्यमंत्री से कहा कि राज्य सरकार विभिन्न विभागों के कर्मियों सहित सभी वर्ग-समुदाय को निरंतर उनका हक अधिकार देने का कार्य कर रही है. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने संयुक्त रूप से कुछ अन्य महत्वपूर्ण मांगों और अपनी भावनाओं से अवगत कराया. इस अवसर पर झारखंड राज्य एम.पी.डब्ल्यू. कर्मचारी संघ के अध्यक्ष पवन कुमार, महासचिव मंगल हेंब्रम, महामंत्री सुनील कुमार शाह, सरफराज अहमद, सलीम अंसारी व सैकड़ों की संख्या में संघ के सदस्यगण उपस्थित थे.

अच्छी खबर झारखंड में मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल बनाने जा रहा है अपोलो

आज हॉस्पिटल की आधारशिला रखेंगे सीएम

- गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के लिए अब भटकना नहीं पड़ेगा
- रांची में ही हर गंभीर बीमारी का संभव हो सकेगा इलाज

विशेष संवाददाता। रांची

झारखंड के मरीजों को गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए देश के दूसरे शहरों के बड़े अस्पतालों का चक्कर काटने से जल्द ही छुटकारा मिलेगा. स्वास्थ्य क्षेत्र में झारखंड सरकार के प्रयास और अपोलो हॉस्पिटल्स इंटरप्राइजेज के सौजन्य से ऐसा संभव हो जाएगा. अब वो दिन दूर नहीं, जब रांची में ही हर गंभीर बीमारियों का इलाज संभव हो सकेगा, जिसके लिए झारखंड के लोगों को दिल्ली, चेन्नई, मुंबई, हैदराबाद जैसे शहरों का रूख करना पड़ता है.

दरअसल, रांची के धुर्वा स्थित स्मार्ट सिटी क्षेत्र में अपोलो मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल का शिलान्यास होने जा रहा है. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सोमवार को इसकी आधरशिला रखेंगे. 310 बेड वाले इस मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल में हृदय देखभाल, अत्याधुनिक कैंसर उपचार, दयालु मातृ स्वास्थ्य, विशेष बाल चिकित्सा की व्यवस्था होगी. यह अस्पताल आपके जीवन के हर चरण पर आपके साथ रहेगा.

रांची नगर निगम ने निःशुल्क उपलब्ध कराई है जमीन : मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल के निर्माण के लिए रांची नगर निगम ने रांची स्मार्ट सिटी से जमीन लेकर अपोलो प्रबंधन को निःशुल्क उपलब्ध कराया है. स्मार्ट सिटी में 2.75 एकड़ जमीन पर ये मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल जल्द आकार लेगा. अस्पताल के शिलान्यास कार्यक्रम में राज्य सरकार की ओर से मंत्री, सांसद और विधायकों के अलावा अधिकारी मौजूद रहेंगे. वहीं, अपोलो प्रबंधन की ओर से अपोलो अस्पताल इंटरप्राइज की एक्जीक्यूटिव वाइस चेयरपर्सन डॉ प्रीता रेड्डी और उनकी टीम मौजूद रहेगी.

ये स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी

यहां हृदय विज्ञान सहित 50 से ज्यादा नैदानिक विशिष्टताएं उपलब्ध होंगी. गैस्ट्रोसाइंस, न्यूरो साइंस, रीनल साइंस, ऑर्थोपेडिक्स एंड ज्वाइंट रिप्लेसमेंट, आंकोलॉजी, आपातकालीन और आघात से बचाव के लिए हमेशा विशेषज्ञ और उपकरण उपलब्ध रहेंगे. इस अस्पताल में अत्याधुनिक कैथ लैब्स, एमआरआई, ऑपरेशन थिएटर, आईसीयू, सिटी स्कैन, पीएफटी आदि की सुविधाएं मौजूद रहेंगी.

अस्पताल की खास बातें

- रांची स्मार्ट सिटी क्षेत्र में 2.75 एकड़ जमीन पर अस्पताल का निर्माण होगा.
- 310 बेड के अस्पताल में 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध रहेगी.
- अत्याधुनिक कैथ लैब्स, एमआरआई, ओटी और अत्याधुनिक आईसीयू होगा.
- रांची व आसपास की आबादी के अनुसार मरीजों के लिए आधारभूत संरचना उपलब्ध रहेगी.

पूर्व सीएम चंपाई की तबीयत बिगड़ी, टीएमएच में इलाजरत

प्रमुख संवाददाता। रांची

- **चंपाई का शुगर लेवल और प्रेशर बढ़ गया था**
- **डॉक्टरों ने बताया- स्वास्थ्य में तेजी से हो रहा सुधार**

पूर्व सीएम चंपाई सोरेन की तबीयत अचानक बिगड़ जाने के कारण उन्हें रविवार को टाटा मेन हॉस्पिटल (टीएमएच) में भर्ती कराया गया है. जानकारी के मुताबिक, अब चंपाई सोरेन का स्वास्थ्य बेहतर हो रहा है. डॉक्टरों के अनुसार, चंपाई सोरेन का शुगर लेवल बढ़ने और प्रेशर के कारण उनकी तबीयत बिगड़ गई थी. वे जल्द ही ठीक हो जाएंगे.

बताते चलें कि रविवार को चंपाई सोरेन को साहिबगंज के भोगनाडीह में आयोजित एक कार्यक्रम में हिस्सा लेना था. खुद चंपाई सोरेन ने 'एक्स' पर पोस्ट कर बताया कि स्वास्थ्य संबंधित परेशानियों की वजह से वे वीर भूमि भोगनाडीह में आयोजित 'मांझी परगना महासम्मेलन' में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल रहेंगे. उन्होंने कहा कि डॉक्टरों के अनुसार, चिंता की कोई खास बात नहीं है. वे शीघ्र पूर्णतः स्वस्थ होकर, जनता के बीच वापस आएंगे.

टाटा मेन हॉस्पिटल में इलाजरत पूर्व सीएम चंपाई सोरेन.

नगर निगम ने प्रधानमंत्री आवास योजना के शहरी तृतीय घटक के तहत लाभुकों के लिए कार्यक्रम किया तय

इस्लामनगर के विस्थापितों के 14 साल का इंतजार खत्म, 291 लाभुकों को आज मिलेगा आवास

रेहान अहमद। रांची

शुभम संदेश ने 21 मई और 1 अक्टूबर को प्रकाशित की थी खबर, एक सप्ताह में दिखा खबर का असर

- लाभुक नवनिर्मित आवासों के उद्घाटन समारोह में होंगे शामिल
- पूरे इस्लामनगर में खुशी की लहर

शुभम संदेश
13 साल बीत गये उजड़े हुए, और कितना इंतजार करें विस्थापित

इस्लाम नगर के विस्थापितों के इंतजार में 14 साल गुजरे

पांच अप्रैल 2011 की खौफनाक घटना को इस्लामनगर वासी कभी भूल नहीं सकते हैं. इसी दिन जिला प्रशासन एवं रांची नगर निगम की ओर से अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत गरीबों के बांस बल्ली के आशियाने को तिनका तिनका कर बिखेर दिया गया था.

यह अभियान दूसरे दिन छह अप्रैल को भी इस्लाम नगर में चला था. अभियान के तहत इस्लामनगर के 1175 से अधिक परिवारों का आशियाना उजड़ गया था. इस्लाम नगर के याचिकाकर्ता मो शकील ने कहा कि इस्लाम नगरवासियों के 14 साल के इंतजार के बाद नगर निगम की ओर से खुशियों का पैगाम आया है. 14 साल से धूम, आंधी, पानी बारिश का सितंब झेल झेलते विस्थावित किसी तरह अपनी जीविका चला रहे थे. उन्हें आशियाना मिलने वाला है. नगर निगम के अधिकारियों ने स्वयं आ कर बताया है. इस खबर से पूरे इस्लाम नगर में खुशी का माहौल है. मालूम हो 7 अक्टूबर को प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी तृतीय घटक के अंतर्गत इस्लाम नगर एएचपी के नवनिर्मित आवासों का उद्घाटन धुर्वा स्थित रांची स्मार्ट सिटी के एरिया बेस्ड डेवलपमेंट क्षेत्र में तय की गई है. नगर निगम के सहायक प्रशासक के अनुसार सोमवार को दोपहर 12 बजे आवंटित लाभुक आवास उद्घाटक कार्यक्रम में भाग लेंगे. मालूम हो दैनिक शुभम संदेश में इस्लामनगर वासियों की पीढ़ा की खबर 21 मई और उसके बाद फिर 1 अक्टूबर को प्राथमिकता के साथ प्रकाशित की गई थी. खब के दो बार उजागर करने से महज सातवे दिन इस्लामनगरवासियों को निर्मित फ्लैट के लिये आवंटित लाभुकों को आवास उद्घाटक कार्यक्रम में सोमवार 7 अक्टूबर को भाग लेंगे के लिये कहा गया है. आवास मिलने की खुशी से पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है.

इस्लामनगर में ही तीन एकड़ जमीन पर 33 करोड़ की योजना राशि से जी प्लस थ्री मल्टीस्टोरिज बिल्डिंग तैयार की गई है. यहां 291 लोगों के लिये फ्लैट तैयार है. ये चिन्हित लाभुकों को दिये जायेंगे. वहीं चिन्हित 153 विस्थापितों को दूसरे फेज में आवास उपलब्ध कराया जाएगा.

ब्रीफ खबरें

डॉ. मनोहर बने आईएसजी बिहार-झारखंड के प्रेसिडेंट

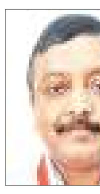

रांची। इंडियन सोसाइटी ऑफ गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी की गर्वनिंग बॉडी की बैठक रविवार को रांची में संपन्न हुई. बैठक में सोसाइटी को लेकर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई. इस दौरान नई कमेटी का चयन किया गया, जिसमें सर्वसम्मति से रिम्स के डॉ. मनोहर लाल प्रसाद को इंडियन सोसाइटी ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी बिहार-झारखंड चैप्टर का प्रेसिडेंट नियुक्त किया गया. डॉ. आशीष कुमार झा को प्रेसिडेंट इलेक्ट, डॉ. विजय शंकर को वाइस प्रेसिडेंट, डॉ. संजीव कुमार झा को सेक्रेटरी, डॉ. रवि कांत व डॉ. रविश को ज्वाइंट सेक्रेटरी और डॉ. सौरभ जायसवाल को कोषाध्यक्ष चुना गया.

लोहरा समाज सरकारी योजनाओं से वंचित

रांची। मोरहाबादी स्थित ऑक्सीजन पार्क में रविवार को आदिवासी लोहरा समाज की बैठक हुई. इसकी अध्यक्षता केंद्रीय समिति के अध्यक्ष ठुमा तिर्की ने की. बैठक में कहा गया कि जाति प्रमाण पत्र निर्गत नहीं हो रहा है. इससे आदिवासी लोहरा समाज को शिक्षा और सरकारी नौकरियों से वंचित होना पड़ रहा है.अबुआ आवास योजनाओं का लाभ भी नही मिल रहा है. सरकार की महत्वाकांक्षी योजना से वंचित होना पड़ रहा है. मौके पर महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष संगीता देवी, मीडिया प्रभारी संजय लोहरा, संरक्षक महादेव लोहरा, कांके प्रखंड अध्यक्ष अनूप लोहरा, अनगड़ा प्रखंड अध्यक्ष क्लेश लोहरा, राकेश लोहरा, संजू लोहरा, सूरज लोहरा, कर्मी देवी समेत अन्य शामिल थे.

जू. महिला हॉकी: दिल्ली व बंगाल को मिली जीत

रांची। मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में आयोजित 14वीं हॉकी इंडिया राष्ट्रीय जूनियर महिला हॉकी चैंपियनशिप में रविवार को दो मैच खेले गए. पहला मैच दिल्ली और पुदुचेरी के बीच खेला गया. इसमें दिल्ली ने पुदुचेरी को 2-1 से पराजित किया. इस मैच में हॉकी दिल्ली की अंशिका को मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार मिला. दूसरा मैच हॉकी बंगाल और हॉकी बिहार के बीच खेला गया, जिसमें हॉकी बंगाल ने हॉकी बिहार को 9-1 से हराया. इस मैच में हॉकी बंगाल की सेलेस्तिना होरो को मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार मिला. सोमवार को चार क्वार्टरफाइनल मैच खेले जाएंगे.

कांग्रेस पार्टी ने प्रमंडलों में जनसंवाद अभियान के तहत की सभा

हमारी सरकार का काम बोल रहा है: केशव महतो

- विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है
- सरकार के कार्य कांग्रेस की नीतियां लोगों तक पहुंच रही

विशेष संवाददाता। रांची

जनसंवाद के कार्यक्रम के दौरान मंचासीन कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता.

विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है. रविवार को पार्टी के जनंसवाद अभियान-लक्ष्य 2024 के तहत विभिन्न प्रमंडल में प्रमंडल प्रभारियों ने सभाएं की. कोल्हान प्रमंडल में जमशेदपुर पूर्वी व पश्चिमी विधानसभा में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, उत्तरी छोटा नागपुर प्रमंडल के बेरमो व गिरिडीह में चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष सुबोधकांत सहाय सिमरिया व बड़कागांव में पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर, पलामू प्रमंडल के पांकी विधानसभा में विधायक दल नेता डॉ रामेश्वर उरांव, दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल के लोहरदगा व खिजरी में डॉक्टर प्रदीप कुमार बलमुचू द्वारा सभाओं के माध्यम से आम जनता के साथ संवाद किया गया.

इस दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि पार्टी इस कार्यक्रम के माध्यम से सरकार के कार्य और कांग्रेस की नीतियों को लोगों तक पहुंचाने का हम काम कर रहे हैं. भाजपा के सभी नेता गठबंधन सरकार के सामने बौने पड़ गए हैं. गठबंधन सरकार के नेता नहीं बल्कि सरकार का काम बोल रहा है, जो जनता के दिलों में छप गया है. आगामी विधानसभा चुनाव में जो भी कांग्रेस के प्रत्याशी होंगे, उन्हें विजयी बनाने की जिम्मेदारी आपकी है. समय कम है सरकार की उपलब्धियां खासकर कांग्रेस कोटे के मंत्रियों के विभाग द्वारा कोरोना काल में किए गए कार्य उल्लेखनीय है. इतने ही कम समय में हमें इन उपलब्धियों को जनता के बीच ले जाना है. उन्होंने कहा कि जनता के सहयोग से हम लोकसभा में सशक्त विपक्ष के रूप में आए हैं और राहुल के नेतृत्व में भाजपा को नाको चने चबवाने का काम हमने किया है. झारखंड से भाजपा को खदेड़ना है, उनकी विभाजनकारी सोच को अमन पसंद झारखंड से दूर रखना है.

वोट के सौदागर झोला लेकर घूम रहे हैं, मगर जनता बोरिया-बिस्तर समेटने को तैयार बैठी है : शांति

परिवर्तन यात्रा भाजपा का भ्रष्टाचारी पुण्य आत्माओं को खोजने का अभियान था, जो उसने पूरा किया. धीरे-धीरे उन्हें भाजपा की सदस्यता दिलाई जाएगी. यह बातें प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने कही. उन्होंने जारी एक बयान में कहा कि झारखंड में वोटो के भाजपाई सौदागर झोला लेकर घूम रहे हैं, जिसमें झूठे आश्वासन और नकलची घोषणाएं भरी हुई हैं. लेकिन जनता उनकी ओर देख भी नहीं रही है. भाजपा के कुकर्मों के कारण हरियाणा और जम्मू कश्मीर की जनता ने इन्हें सत्ता से दूर रखा है, सिर्फ परिणाम की औपचारिक घोषणा बाकी है. औद्योगिक घरानों के इशारे पर किसानों और जवानों के खिलाफ नीतियां बनाने वाली भाजपा पूरे देश में हाशिये पर जा रही है. 10 वर्ष तक हरियाणा में लूट खसोट मचाने वालों को भाजपा झारखंड में जल्द उतारेगी, ताकि यहां के संसाधनों पर कब्जा जमाने के लिए सत्ता हासिल कर सके, लेकिन झारखंडी मानुष यहां से भाजपा का बोरिया बिस्तर समेटने को तैयार बैठी है.

विधानसभा चुनाव: बाबूलाल मरांडी की अध्यक्षता में चुनाव समिति की बैठक

भाजपा प्रत्याशियों के नामों पर हुई चर्चा

ससंवाददाता। रांची

प्रत्याशी, प्रबंधन और अभियान पर हुई चर्चा: बाउरी

भाजपा प्रदेश चुनाव समिति की बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव की दृष्टि से भाजपा प्रदेश चुनाव समिति की बैठक संपन्न हुई, जिसमे चुनाव अभियान को प्रभावी बनाने, चुनाव प्रबंधन को सफलता पूर्वक चलाने के साथ प्रत्याशियों के नाम पर चर्चा हुई.

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी की अध्यक्षता में रविवार की शाम चुनाव समिति की बैठक संपन्न हुई.

बैठक में प्रदेश प्रभारी डॉ लक्ष्मीकांत वाजपेई, केंद्रीय मंत्री एवं प्रदेश चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान, असम सरकार के मुख्यमंत्री एवं चुनाव सह प्रभारी हिमंता विस्वा सरमा, केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, केंद्रीय राज्य मंत्री संजय सेठ, पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद दीपक प्रकाश, पूर्व सांसद सुनील कुमार सिंह, प्रदेश महामंत्री एवं सांसद आदित्य साहू, डॉ. प्रदीप वर्मा के अलावा मनोज सिंह, बालमुकुंद सहाय, रविंद्र कुमार राय, समीर उरांव, सुनील सिंह, नीलकंठ सिंह मुंडा, गणेश तिवारी, श्यामनारायण दुबे, विद्युत वरण महतो, आरती सिंह, केदार हाजरा आदि शामिल हुए. बैठक में घंटों मंथन किया गया. हालांकि अधिकृत रूप से इस संबंध में पार्टी की तरफ से कोई जानकारी नहीं दी गई है. सूत्रों के मुताबिक बैठक में तय किया गया कि चुनाव जिताऊ प्रत्याशियों को प्रमुखता दी जाएगी.

नामों को लेकर लगने लगे कयास : जानकारी के मुताबिक, बैठक में राज्य भर से रायशुमारी के आधार पर हर विधानसभा सीट से मंगाए गये तीन- तीन नामों पर चर्चा हुई. करीब चार दर्जन सीटों (एसटी सीटों के अतिरिक्त) के लिए दावेदारों के नाम पर विचार विमर्श चला. यह भी बात बताई जा रही है कि जो नाम आए हैं, उन्हें वरीयता क्रम के हिसाब से दिल्ली भेजा जाएगा और वहीं से कोई एक नाम अलगअलग सीटों के लिए फाइनल होगा. दिल्ली से नाम तय होते ही सार्वजनिक तौर पर इसकी घोषणा कर दी जाएगी. संभव है कि अगले एक सप्ताह दस दिनों में शायद पहली सूची जारी हो जाए.

सरला बिरला स्कूल में फैशन प्रतियोगिता

रांची। सरला बिरला पब्लिक स्कूल छात्रों के लिए फैशन फ्यूचरिस्टा और साउंडस्केप प्रतियोगिता आयोजित की गयी. प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों को पर्यावरण संरक्षण और रचनात्मक जीवनशैली के प्रति प्रेरित करना था. फैशन फ्यूचरिस्टा में छात्रों ने इको-फ्रेंडली यानी पर्यावरण के अनुकूल चीजों का इस्तेमाल करके अपने प्रॉप्स और कपड़े खुद बनाये. उन्होंने अपनी कला और कल्पना का प्रदर्शन करते हुए इस प्रतियोगिता को खास बना दिया. साउंडस्केप में छात्रों बीटबॉक्सिंग की और रोजमर्रा प्रयोग की जाने वाली घरेलू वस्तुओं से संगीत बनाया. प्रिंसिपल परमजीत कौर ने छात्रों की प्रशंसा की. उन्होंने कहा कि आपने जीवन में पर्यावरण की रक्षा और रचनात्मक जीवनशैली को समझा और इसे अपनाने के लिए रचनात्मक विचारों के साथ सामने आये, जो आज के समय की बहुत बड़ी जरूरत है.

सोशल मीडिया अभियान के समर्थन में उतरे बाबूलाल व अमर बाउरी

कैंसिल जेएसएससी सीजीएल 'एक्स' पर कर रही है ट्रेंड

संवाददाता। रांची

छात्रों द्वारा जेएसएससी सीजीएल परीक्षा रद्द करने को लेकर ट्वीटर अभियान चलाया जा रहा है. इसपर अबतक चार लाख से अधिक लोगों ने पोस्ट किया है. वहीं बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी और नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी भी छात्रों के समर्थन में आगे आ गए हैं. नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने ट्वीट कर कहा है कि 40 हजार से अधिक पोस्ट के साथ पूरे देश में सातवें नंबर पर कैंसल जेएसससी सीजीएल ट्रेंड कर रहा है. आगे लिखा है कि मुख्यमंत्री से राज्य के युवा पूछ रहे हैं कि बेरोजगारी भत्ते का क्या हुआ, 5 लाख नौकरियों का क्या हुआ, कदाचार मुक्त परीक्षाओं का क्या हुआ और परीक्षाओं में हुई अनियमितताओं के जांच का क्या हुआ.

बेरोजगारों की चीख पुकार सुनिए: बाबूलाल

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने लिखा है कि हेमंत जी नींद से जागिए. सत्ता के अहंकार का त्याग करिए. मेरी न सही इन छात्रों, युवाओं और बेरोजगारों की चीख-पुकार सुनिए. वरना यही युवा आक्रोश चुनाव में आपकी पार्टी का सुफड़ा साफ कर देगी.

तीन सदस्यीय कमेटी कर रही है जांच: गड़बड़ियों की जांच के लिए राज्य सरकार ने तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया है. कमेटी गड़बियों की शिकायतों की जांच कर रही है. बताते चलें कि जेएसएससी सीजीएल की परीक्षा 21 और 22 सितंबर को राज्य के 823 केंद्रों पर हुई थी. इसमें विभिन्न विषयों के 180 प्रश्नों को रिपिट करने की शिकायत की गई है. साथ ही 22 सितंबर को परीक्षा शुरू होने से पहले पेपर लीक का भी आरोप छात्रों ने लगाया है. झारखंड राज्य कर्मचारी आयोग ने सात अक्तूबर को अपराह्न तीन बजे तक सभी शिकायतकर्ताओं से आयोग को सौंपे गए सबूत की सत्यता और प्रमाणिकता संबंधी शपथ पत्र के साथ उपस्थित होने का निर्देश दिया है.

घरेलू कामगारों के लिए नये कानून को लेकर प्रदर्शन आज

संवाददाता रांची

घरेलू कामगारों के लिए देश में नये कानून लागू कराने की मांग को लेकर राष्ट्रीय घरेलू कामगार मंच की ओर से 7 अक्टूबर को राजभवन के समक्ष प्रदर्शन किया जाएगा. यह जानकारी रविवार को सत्यभारती में मंच की ओर से मीडिया को दी गयी. जानकारी देनेवालों में मंच की प्रतिनिधि सिस्टर अंशु तिग्गा, आशा देवी, रेणु लिंडा, अनिपा देवी, निधि भुटकुमार, प्रियंका तिर्की, मंजु बाड़ा, किरण देवी, सुनीता तिग्गा, स्वर्णलता देवी शामिल थीं. उन्होंने बताया कि यह प्रदर्शन इसलिए किया जा रहा है कि घरेलू कामगारों को सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध करायी जा सके. इसके साथ ही काम करने वाली महिलाओं को सम्मान मिल सके.

उन्होंने कहा कि जितनी भी महिलाएं दूसरे के घरों में काम करती हैं, उन्हें उचित सम्मान नहीं मिलता है. उचित पैसे भी नही दिये जाते. सुबह से शाम तक काम करती हैं, लेकिन भी उन्हें हीनभावना से देखा जाता है. उसके लिए अलग बर्तन दिया जाता है, जबकि घर को साफ से सुथरा करने में घरेलू कामगारों का अहम योगदान होता है. वे बर्तन धोने, झाड़ू. पोंछा करने से लेकर बच्चा खेलाने तक का काम बारीकी से करती हैं. इसके बाद भी समाज में ताई के नाम से ही पुकारा जाता है.काम में देरी से पहुंचने पर भी लोग ताने मारते हैं. जिस घर में काम करने जाती है. वहां पहचान नहीं मिलती है. गलत निगाहों से देखा जाता है. कार्यस्थल पर छेड़खानी भी होती है. राज्य स्तर पर घरेलू कामगार के लिए अलग से कानून बनाया जाए, ताकि पुलिस थानों में मामला दर्ज कराया जा सके और निर्भय होकर काम कर सके.

ये हैं इनकी मांगें

- घरेलू कामगारो के श्रम को सम्मान दिया जाए.
- घरेलू कामगारों को उचित वेतन मिलना चाहिए.
- साप्ताहिक छुट्टीऔर सालाना अवकाश दिया जाए.
- सामाजिक सुरक्षा और मातृत्व लाभ दिया जाए.
- रहने और खाने की उचित व्यवस्था दी जाए.
- घरेलू कामगारो के लिए राज्य स्तरीय अलग कानून बनाया जाए.

पहल रांची सिटीजन फोरम ने वार्ड समिति का गठन किया, फोरम का काम है चर्चा, संवाद कर जागरूकता लाना

रांची सिटीजन फोरम ने 53 वार्ड में बनाये वार्ड संयोजक और सहसंयोजक

संवाददाता। रांची

कार्यक्रम के दौरान रांची सिटीजन फोरम के लोग.

रांची सिटीजन फोरम ने राजधानी के 53 वार्ड क्षेत्र में वार्ड समिति का गठन किया है. इसके साथ ही प्रत्येक वार्ड से एक वार्ड संयोजक और सहसंयोजक का चयन किया गया है. कई वार्डों में जहां से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, वहां पर वार्ड समिति सदस्यों का भी चयन किया गया, यह जानकारी रांची सिटीजन फोरम के अध्यक्ष दीपेश निराला ने दी. चयनित वार्ड संयोजक, सहसंयोजक और वार्ड समिति के सदस्यों को उनकी जिम्मेवारियों से अवगत करा दिया गया है.

- **जिनका किया गया चयन :** वार्ड 1 में राजेश कुमार,वार्ड 2- अजय कुमार सिन्हा और राहुल शेखर, वार्ड 3- निशांत चौहान, नीरज वर्मा, और संदीप कुमार, वार्ड 4- राकेश कुमार, सोनू कुमार, और विक्रम कुमार तिवारी, वार्ड 5- मनीष बक्शी,वार्ड 6- जय रंजन कुमार उर्फ रणधीर रजक, मिथिलेश कुमार, मोहन प्रसाद वर्मा, और सुजीत कुमार,वार्ड 7- अमरनाथ चौबे, वार्ड 8- संजीत कुमार, और शेखर कुमार, वार्ड 9- प्रमोद कुमार, वार्ड 16- मोहम्मद शकील, और मोहम्मद मंसूर, वार्ड 17- प्रविंद नाथ तिवारी, वार्ड 20- मीना कुमारी, वार्ड 23- मोहम्मद हसन, वार्ड 27- रंजीत कुमार, वार्ड 28- बजरंग लाल चौधरी, और अनिल कुमार बरनवाल, वार्ड 30- पंकज कुमार शर्मा, और शशांक कुमार, वार्ड 31- प्रदीप कुमार सिंह, वार्ड 32- अभिषेक कुमार गुप्ता, और अमित कुमार भगत, वार्ड 33- बृजमोहन ओझा, वार्ड 34- बबलू कुमार, और विकास कुमार सिंह, वार्ड 37- रोहित इंदवार, वार्ड 38- प्रिय रंजन, और जितेंद्र कुमार सिंह, वार्ड 39- संतोष कुमार, वार्ड 40- अरविंद कुमार सिंह, दीपक श्रीवास्तव, और राधेश्याम कुमार, वार्ड 41- अनिरुद्ध कुमार, और डॉ अनुरंजीता सिंह, वार्ड 46- रवि शंकर, और आशीष कुमार, वार्ड 49- मोहम्मद शाहिद अली, वार्ड 50- रामरूप पांडेय, ललितेश्वर कुमार, और सुरेंद्र प्रसाद शर्मा, वार्ड 51- विनय प्रकाश, और राजीव कुमार धर, और वार्ड 52 में दीपक कुमार का चयन किया गया.

क्या होगा काम

चयनित वार्ड संयोजक, सहसंयोजक और वार्ड समिति के सदस्य मिलकर अपने वार्ड के विकास के लिए काम करेंगे. रांची सिटीजन फोरम चर्चा, संवाद और जागरूकता अभियान चलाएगा. इसका काम अपने-अपने वार्ड में अभायिन को धरातल पर उतारने में फोरम का सहयोग करेंगे.

यूपी के सीएम का पुतला फूंका

संवाददाता। रांची

झारखंड एनएसयूआइ के तत्वावधान पर रविवार को रांची विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर एनएसयूआई नेत्री तनु सिंह व प्रदेश उपाध्यक्ष अमन अहमद के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का पुतला फूंका गया. प्रदेश उपाध्यक्ष ने कहा की मोदी योगी सरकार छात्र, युवा, महिला विरोधी है. आईआईटी बीएचयू में हुए गैंगरेप पीड़िता के लिए न्याय की मांग और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे बीएचयू के 13 छात्र छात्राओं को उत्तर प्रदेश सरकार के इशारे पर बीएचयू प्रशासन द्वारा निलंबित करना निंदनीय है, यह तानाशनी रवैया है, उनका निलंबन तत्काल हटाया जाए. विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम में प्रदेश महासचिव अभिजीत प्रताप सिंह, प्रदेश सचिव हुसैन अंसारी, सोनू सिंह, शाहबाज आलम, महताब, मुदस्सिर, प्रियांशु, शिवम, राम, रजनीश, अंजनी शर्मा आदि शामिल थे.

तीन पूजा पंडालों के खुले पट, जगमग हुई राजधानी

बांग्ला स्कूल में उतर आया है एक टुकड़ा राजस्थान
फोटो । रमीज

राजन बॉबी । रांची

- रंग-बिरंगी लाइट से रोशन चकरी काटते कई तरह के झूले और लजीज व्यंजनों के स्टॉलो का अलग ही आकर्षण रहेगा.

राजधानी में दुर्गोत्सव की तैयारी लगभग पूरी हो गयी है. शहर के सभी पूजा पंडाल बन कर तैयार हैं. कारीगर और मूर्तिकार साज-सज्जा के काम को फाइनल टच देने में लगे हैं. रविवार को तीन प्रमुख पूजा पंडालों के पट आम भक्तों के लिए खोल दिये गए. सोमवार को लगभग सभी पूजा पंडालों के पट खुल जायेंगे. सोमवार षष्ठी से चहुंओर दुर्गोत्सव का उल्लास छा जाएगा. आस्था के सैलाब से शहर का कोना-कोना डूब जाएगा. श्रद्धालु जहां श्रद्धाभाव से मां का दर्शन कर आशीष मांगेंगे, वहीं मनोहारी पंडाल और आकर्षक विद्युत सज्जा उन्हें लुभाएगी. पूजा स्थलों पर लगाए गए मेले के तो क्या ही कहने. रंग-बिरंगी लाइट से रोशन चकरी काटते कई तरह के झूले और लजीज व्यंजनों के स्टॉलो का अलग ही आकर्षण रहेगा.

ओसीसी क्लब दुर्गा पूजा समिति, बांग्ला स्कूल में एक टुकड़ा राजस्थान उतर आया है. यहां राजस्थानी कला शैली के खूबसूरत नजारे के बीच मां देवी-देवताओ संग आभा बिखेर रही हैं. शाम सात बजे गुरुनानक होम के बच्चो के हाथो अनावरण करा कर आम भक्तों के लिए खोल दिया गया. ढोल-ढांक और शंख ध्वनि के की स्वरलहरियों के बीच मारवाड़ की खूबसूरत कलाकृतियों से सजे भव्य दरबार में मां का दर्शन पा कर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए. बच्चों और बड़ों के मनोरंजन को ध्यान में रखते हुए कई तरह के छोटे-बड़े झूले और खाने-पीने के स्टाल भी लगाए गए हैं. समिति के राजेश कुमार ने बताया कि विजयादशमी तक पूजा पंडाल का पट खुला रहेगा.

आज इनका खुलेगा पट

आरआ स्पोर्टिंग क्लब रातू रोड, पंच मंदिर हरमू, राजस्थान मित्र मंडल सेवासदन पथ, चंद्रशेखर आजाद दुर्गा पूजा समिति मेन रोड, नेताजी नगर दुर्गापूजा समिति कांटाटोली, अरगोड़ा दुर्गा पूजा व रावण दहन समिति, गीतांजलि क्लब दुर्गा पूजा समिति मोरहाबादी, महाशक्ति दुर्गा पूजा समिति शिवाजी चौक बूटी मोड़ आदि पूजा पंडालो के पट सोमवार को खुलेंगे. नवरात्र महाषष्ठी मंगलवार की शाम सत्य अमर लोक हरमू रोड, शक्ति स्रोत संघ गाड़ी खाना, बिहार क्लब दुर्गा पूजा समिति कचहरी रोड, संग्राम क्लब दुर्गा पूजा समिति कचहरी रोड सहित सभी पूजा पंडालो के पट आम भक्तों के लिए खोल दिए जाएंगे.

दर्शन को उमड़े श्रद्धालु, मांगी मां दुर्गा से मन्नत, आज शाम खुल जाएंगे लगभग सभी पूजा पंडालों के पट, ... और हर ओर छा जाएगा दुर्गोत्सव का उल्लास

बकरी बाजार में साकार हुआ मां का स्वरूप

- पर्दा हटते ही राजस्थानी कलाकृति से सुसज्जित महल में अन्य देवी-देवताओं के संग मां दुर्गा का मनोहारी स्वरूप साकार हो गया

भारतीय युवक संघ बकरी बाजार का पट नवरात्र चतुर्थी तिथि पर ही आम भक्तो के लिए खोल दिया गया. शाम छह बजे 40 धार्मिक और सामाजिक संगठनों के अध्यक्षों की उपस्थिति में समिति के दिवंगत संरक्षकों की पत्नियों ने दीप प्रज्वलित कर पंडाल का अनावरण किया. पर्दा हटते ही राजस्थानी कलाकृति से सुसज्जित महल में अन्य देवी-देवताओं के संग मां दुर्गा का मनोहारी स्वरूप साकार हो गया. साथ ही राजस्थानी नृत्य-गीत का रंगारंग कार्यक्रम पेश कर कलाकारों ने उद्घाटन समारोह को और भी भव्य बना दिया. मौके पर पूर्व डिप्टी मेयर संजीव विजयवर्गीय और अन्य गणमान्यों के साथ विविध संस्थाओं के पदाधिकारियों को सम्मानित भी किया गया. उमड़े दर्शनार्थियों ने मां के दर्शन के साथ चकाचक रोशनी से दमकते पूजा स्थल में कई तरह के झूले और खाने-पीने के स्टालो का भी लुत्फ उठाया. अध्यक्ष राहुल अग्रवाल ने बताया कि 12 अक्टूबर विजयदशमी तक भक्ति का मेला लगा रहेगा.

मां के दरबार के समक्ष नृत्य करतीं राजस्थानी कलाकार और दर्शनार्थी.

रांची रेलवे स्टेशन में योग मुद्रा में हो रहा मां का दर्शन

रांची रेलवे स्टेशन दुर्गा पूजा समिति के पूजा पंडाल का पट शाम छह बजे खुला. विधायक सीपी सिंह ने पंडाल का अनावरण किया. पट खुलते ही दर्शनार्थियो ने योग मुद्रा में मां का दर्शन कर आशीष मांगा. साथ ही कोयंबटूर के भगवान आदियोगी मंदिर की तर्ज पर 50 फीट ऊंची भगवान शिव की प्रतिमा उन्हें लुभाती रही. भक्तों को लेजर शो का मनमोहक नजारा भी देखने को मिला. अब यहां विजयदशमी तक दुर्गोत्सव का उल्लास रहेगा. कई तरह के झूले और खाने-पीने के स्टाल भक्तों को लुभाएंगे. अध्यक्ष मुनचुन राय ने बताया कि 13 अक्तूबर को विसर्जन शोभायात्रा के साथ स्थानीय तालाब में मां का विसर्जन किया जाएगा.

ब्रदर्स एकेडमी ने लॉन्च की गणित की द्विभाषी पुस्तक

संवाददाता । रांची

आईआईटी-जेईई कोचिंग में अग्रणी संस्थान ब्रदर्स एकेडमी ने आईआईटी-जेईई की तैयारी के लिए शुक्रवार को एक द्विभाषी गणित पुस्तक लॉन्च की, जो आईआईटी-जेईई मेन और एडवांस्ड तैयारी के लिए प्रसिद्ध गणितज्ञ संदीप तिवारी द्वारा लिखी गई है. आईआईटी-जेईई कोचिंग में 15 वर्षों से अधिक के अनुभव के साथ संदीप तिवारी ने 10 साल पहले ब्रदर्स अकादमी में गणित संकाय के रूप में शामिल होने से पहले कोटा और दिल्ली में पढ़ाया है. यह अग्रणी पुस्तक आईआईटी-जेईई की तैयारी में मील का पत्थर है. यह पुस्तक पूरी तरह से आईआईटी-जेईई मेन और एडवांस्ड पर केंद्रित है. प्रश्न अंग्रेजी में हैं, जबकि सिद्धांत और उत्तर हिंदी और अंग्रेजी दोनों में समझाए गए हैं. आईआईटी-जेईई मेन और एडवांस्ड के लिए अलग-अलग अभ्यास प्रदान किए जाते हैं, जिससे दोनों परीक्षाओं के उम्मीदवारों को लाभ मिलता है. संदीप तिवारी ने ब्रदर्स अकादमी के प्रति अपना आभार व्यक्त किया और निदेशक पारस अग्रवाल, प्रेम प्रसून और शुभेंदु शेखर के साथ ही सहकर्मियों सौरभ सिंघानिया (सीएसएस) और अमित जिंदल (पीएजे) के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया. लेखक ने कहा कि मैं इस पुस्तक के साथ आईआईटी-जेईई समुदाय में योगदान करने के लिए रोमांचित हूं. ब्रदर्स अकादमी का समर्थन और मेरे सहयोगियों का प्रोत्साहन अमूल्य रहा है. मुझे उम्मीद है कि यह पुस्तक उम्मीदवारों को अपने सपनों को हासिल करने के लिए सशक्त बनाएगी. यह पुस्तक अब अमेजन, फ्लिपकार्ट और रांची के प्रमुख बुकस्टोर्स पर उपलब्ध है.

मां भवानी दुर्गा पूजा समिति संभालेगी सुरक्षा का कमान

रांची। गाड़ीखाना सामुदायिक केंद्र में रविवार को मां भवानी दुर्गा पूजा समिति की बैठक हुई. इसमें दुर्गोत्सव के मौके पर सुरक्षा को लेकर अहम योगदान देने के निर्णय लिया गया. साथ ही दर्शनार्थियों को हरसंभव सेवा और सहयोग देने को लेकर विचार-विमर्श किया गया. आम सहमति बनी कि पूजनोत्सव के दौरान बड़ी संख्या में युवा पुलिस प्रशासन के साथ मिल कर विधि व्यवस्था संभालेंगे. सुगमता पूर्वक यातायात व्यवस्था बहाल रखने के साथ सुरक्षा को लेकर भी सजग रहेंगे. रांची महानगर के अध्यक्ष रौनक राजपूत ने बताया कि इसके लिए 1100 से अधिक युवाओं ने समिति की ओर से योगदान देने के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है. सभी को पंजीयन कार्ड दिया गया है. उन्होंने बताया कि सदस्यता कार्डधारी युवाओं की तैनाती सभी पूजा पंडालो में की जाएगी.

डोली पर मंदिर जाएंगी मां दुर्गा, 1880 से निभायी जा रही परंपरा

बड़कागढ़ में पत्तों से बनी मां की प्रतिमा का होगा दर्शन

संवाददाता । रांची

बड़कागढ़, जगन्नाथपुर में दर्शनार्थी इस बार भी पत्तों से बनी मां की प्रतिमा का दर्शन करेंगे. यहां पत्तों से निर्मित प्रतिमा की पूजा की जाती है. प्रतिमा गढ़ने में मानपत्र, बेलपत्र, अशोक, अनार, बरगद और पाकड़ के पत्तों का प्रयोग होता है. अशोक के पत्ते से मां की जीभ बनती है. शहीद विश्वनाथ शाहदेव राजघराने की ओर से वर्ष 1880 से इस परंपरा का निर्वह्न निर्बाध रूप से किया जा रहा है. इस बार भी चकाचौंध से हटकर सादगी पूर्व दुर्गोत्सव मनाया जा रहा है. सभी जाति और धर्म के लोग बढ़-चढ़ कर पूजा में हिस्सा लेते हैं. इससे गंगा-यमुनी संस्कृति जीवंत हो उठती है. परंपरानुसार अन्य देवी-देवताओं के साथ चिंतामणि की भी पूजा होती है. मां चिंतामणि शाहदेव परिवार की इष्ट देवी भी है. नवरात्र षष्ठी तिथि मंगलवार को बेलवरण के साथ ही देवी घर में पूजन-अनुष्ठान शुरू हो जायेगा, लेकिन सप्तमी को मां चिंतामणि और पत्रिका से बनी मां भवानी की प्रतिमा को डोली में विराजमान कर शोभायात्रा के रूप में श्रद्धालु मंदिर में स्थापित करेंगे. इसके बाद विजयदशमी तक यहां विधि-विधान से पूजा पूजन-अनुष्ठान चलेगा. इसमें ठाकुर सुधांशु नाथ शाहदेव मुख्य यजमान के रूप में हिस्सा लेंगे. राज पुरोहित सदन गोपाल शर्मा पूजन-अनुष्ठान संपन्न कराएंगे. विजयदशमी को पत्तों से बनी प्रतिमा का विसर्जन किया जाएगा.

पूजन-अनुष्ठान के कार्यक्रम : महाषष्ठी 08 अक्तूबर को शाम 07:00 बजे बेलवरन पूजा, महासप्तमी पूजा 09 अक्तूबर दिन के 10:00 बजे. मां भगवती चिंतामणि को ऐतिहासिक ठाकुर निवास बरकागढ़ से प्राचीन देवी घर जगन्नाथपुर चौक के लिए प्रस्थान. महाअष्टमी 10 अक्तूबर को दिन के 10:00 बजे हवन-पूजन, महानवमी पूजा दिन के 11:00 बजे. 11 अक्तूबर को संधि पूजा सुबह 06:52 बजे और महानवमी पूजा दिन के 11:00 बजे. रात्रि में निशा पूजा 08:00 बजे से. महादशमी पूजन दिन के 09:00 बजे से. इसके बाद हवन विसर्जन, मां भगवती चिंतामणि को वापस प्राचीन देवी घर से ठाकुर निवास लाया जाएगा.

अंग्रेजों ने तोप से उड़ा दिया था घर : ठाकुर सुधांशु नाथ शाहदेव ने बताया कि जब अंग्रेजों ने ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव के घर (चिरनागढ़ हटिया) को तोप से उड़ा दिया था, तब ठाकुर विश्वनाथ जी की धर्मपत्नी ठाकुरानी बानेश्वरी कुंवर ने अपने एक मात्र पुत्र ठाकुर कपिल नाथ शाहदेव (1 वर्ष आयु) को लेकर खोरा जंगल में छिप गयी थीं. उस समय अपने साथ मां की प्रतिमा और पांच नगाड़े भी लेकर गए थे. 1874 ई में ठाकुरानी अंग्रेजों के समक्ष आई और अपना रियासत वापस करने की मांग की. ठाकुर कपिल नाथ शाहदेव 12 साल के हो गए थे, अंग्रेजों ने रियासत वापस नहीं की, लेकिन ठाकुरानी और उनके पुत्र के रहने के लिए जगन्नाथपुर में एक खपरैल का मकान, मंदिर के पास बना दिया. तब से यह भगवती मां चिंतामणि की पूजा पूरे साल ऐतिहासिक ठाकुर निवास पर ही होती हैं और शरद, चैत्र नवरात्र में मां भगवती चिंतामणि की पूजा प्राचीन देवी घर में किया जाता हैं.

बलि के कारण दूसरी ओर बनाया गया देवी घर

ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव के उत्तराधिकारी ठाकुर सुधांशु नाथ शाहदेव(पिता स्व. ठाकुर नवीन नाथ शाहदेव ठाकुर बडकागढ एस्टेट) बताते हैं कि ऐतिहासिक ठाकुर निवास जगन्नाथपुर (जगन्नाथ महाप्रभु का क्षेत्र) में पुरुषोत्तम क्षेत्र होने के कारण बलि नहीं हो सकती हैं. इस कारण आनी मौजा में ऐतिहासिक प्राचीन देवी घर में मां भगवती की पूजा प्रारंभ की गयी, जहां मां की पूजा में बलि दी जाती हैं, इस कारण देवी घर का निर्माण 1880 में अमर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव की धर्मपत्नी ठकुरानी बानेश्वरी कुंवर ने प्राचीन देवी घर की स्थापना की.

दुर्गा पूजा पर सारे फल हुए महंगे, व्रतियों की बढ़ी दिक्कत

- हिमाचल, कश्मीर, चायना, अमरिका, अफरिका के सेब, अनार, अंगूर, केला बिक रहें राजधानी के बाजार में

रेहान अहमद । रांची

दुर्गा पूजा महोत्सव के दौरान पूजा अर्चना में फलों का भी विशेष महत्व होता है. इस लिए राजधानी के थोक व खुदरा फल विक्रेताओं ने एक से बढ़ कर एक फलों का समूह दुर्गा पूजा के अवसर पर एकत्रित किया है. मांग की वजह से फल महंगे भी बिक रहे हैं. मेन रोड डेली मार्केट के विक्रेता इरफान अख्तर व मो शमीम ने बताया कि पूजा के लिए फलों की मांग बढ़ जाती है. इस कारण फलों के भाव भी बढ़ गये हैं.

एक माह पूर्व फलों के भाव में गिरावट थी. लेकिन इस समय कुछ महंगे हुए हैं. वहीं हरमू थोक डेली मार्केट के व्यपारियों ने कहा कि दुर्गा पूजा पर अबतक सेब 22 गाड़ी, केला 18 गाड़ी, संतरा 16 गाड़ी पूरी मंडी में आए हैं. इस समय सेब 150 से 450 रुपए, केला 50 से 700 रुपए, संतरा 500 से 650 रुपए थोक बाजार में बिक रहे हैं. सारे माल कश्मीर, बंगाल और महाराष्ट्र से आ रहे हैं. नवरात्र के दौरान फलों के दाम बढ़ने से व्रतियों को दिक्कतें हो रही हैं. महंगाई के चलते आम लोग बड़ी मुश्किल से फलों की खरीदारी कर रहे हैं.

खुदरा फल	प्रति किलो दर	कहां के	एक माह पूर्व दर
अनार	200-360	हिमाचल-कश्मीर	180
सेब	100-300	चायना-कश्मीर	200
अंगूर	150-400	साउथ-अमेरिका	100-300
कीवी	45-50 पीस	अमेरिका	30-40
तरबूज	40-50	साउथ	30-40
नग	70-120	अफ्रीका, लोकल	60-100
पपीता	40-60	छत्तीसगढ़	40-50
संतरा	110-400	थाइलैंड, लोकल	100-300
मोसम्मी	60	हैदराबाद	50
ड्रेगन फ्रूट	120	बंगाल	100
हरा सेब	280	अमरिका	270
केला	60-100	भुसावल	50-100
अनानास	60-100	दिल्ली	50-90
अमरूद	60-140	छत्तीसगढ़	50-120
खरबूजा	160	यूपी मऊ	150
आलूबोखारा	400	मेरिका	350
ब्लू बेरी	400-500	साउथ	400-450
सिमरन	450	हिमाचल	400
सरीफा	120	छत्तीसगढ़	100
नारयल	35-40 पीस	साउथ	25-30
आंवला	80-100	लोकल	70-100
पानी फल	100-120	यूपी	80-100

नवरात्र में साग-सब्जियां भी महंगी

रांची । नवरात्र में साग सब्जी महंगी बिक रही है. आम लोगों के लिए घर चलाना मुश्किल हो गया है. पूरा बजट गड़बड़ा गया है. जैसे-तैसे घर में सब्जी बन रही है. कम से कम दो सौ रुपये में सुबह शाम की ही सब्जी मिल रही है. किसी भी सब्जी का दाम 50 रुपये से कम नही है.फिलहाल सब्जी चावल से भी ज्यादा महंगी हो गयी है. लहसुन 350 रुपये किलो से कम नही है. पुराना अदरख 220 किलो में बिक रहा है. वही नया अदरख एक सौ में मिल रहा है..शिमला, फरस बीन और फूल गोभी 120 रुपये किलो हो गया है.

राजधानी के डेली मार्केट, कोकर, मोरहाबादी और वेजिटेबल बाजार में लाल आलू , भिंडी, टोंटी, कदू 40 रुपये हैं. टमाटर और पालक साग एक सौ रुपये किलो, प्याज और बैगन 60 रुपये, झिंगी, नया सफेद आलू, गेंधारी साग, नेनुवा औ बंधा गोभी 50 रुपये हैं. सफेद आलू 40 रुपये किलो मिल रहा है. सब्जी विक्रेता परमेश्वर साहु ने बताया कि कदू, बैगन और खीरा रायपुर से आ रहे हैं, वहीं पुणे से शिमला मिर्च आ रहा है. बाकि अन्य सब्जियां बारिश की वजह से महंगी हो गयी हैं. अभी ऐसा ही दो महीना और चलेगा. सब्जी खरीदार नंदकुमार गुप्ता ने कहा कि सुबह शाम में दो सौ रुपये लग जाता है.

सब्जी	डेली मार्केट	कोकर	मोरहाबादी	वेजिटेबल मार्केट
भिंडी	40	60	60	50
खीरा	20	30	40	30
मिर्चा	100	100	150	150
मूली	50	80	80	50
सीम	80	80	140	80
धनिया	300	300	200	220

56 सेट में दक्षिणेश्वर काली मंदिर में होगा मां का दर्शन

रांची । सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति 56 सेट डोरंडा का पूजा पंडाल दक्षिणेश्वर काली मंदिर के प्रारूप के तौर पर बनाया गया है. रोबिन टेंट हाउस के निर्देशन में बंगाल के कारीगर साज-सज्जा के काम को फाइनल टच देने में लगे हैं. मंदिर के भव्य दरबार में मां अन्य देवी-देवताओं संग विराज रही हैं. शिल्पकार प्रतिमाओं का साज-श्रृंगार कर चुके हैं. मंगलवार की शाम सात बजे पंडाल का अनावरण वित्त मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव करेंगे. समिति के मुख्य संरक्षक आलोक कुमार दुबे मौजूद रहेंगे. अध्यक्ष गौतम कुमार दुबे ने बताया कि इस बार समिति अपनी 62वीं वर्षगांठ मना रही है. पंडाल में कलश स्थापित किया गया है. नित्य पूजा-पाठ और आरती की जा रही है.

विडंबना — 19 वर्षों के सेवाकाल के बाद भी विभाग की दोहरी नीति के कारण हो रहे कुंठित, अवसाद ग्रस्त

बीआरपी सीआरपी का न वर्तमान सुरक्षित और न भविष्य

संवाददाता । रांची

सितंबर 2005 एवं अक्टूबर 2005 में बीआरपी सीआरपी की नियुक्ति वर्ष के आधार पर हुई. अधिकतर बीआरपी-सीआरपी का सेवाकाल 19 वर्ष पूरा हो गया. लोहरदगा जिले में बीआरपी सीआरपी की 21 दिसंबर 2024 को 20 वर्ष पूर्ण हो जायेगा. इन 19-20 वर्षों में बीआरपी सीआरपी विभागीय कार्य के अतिरिक्त जनगणना, चुनाव कार्य , कोविड संक्रमण काल में कोरोन्टिन सेंटर ड्यूटी के अतिरिक्त अन्य विभाग के कार्य सम्पादन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते आ रहे है, किंतु सम्मानजनक मानदेय, आज भी वंचित हैं. उनका न तो वर्तमान सुरक्षित है और न ही भविष्य. काफी संघर्ष के बाद बीआरपी सीआरपी को संविदा नियमावली 2024 जुलाई 2024 में मिली, जिसमे पांच साल के बाद मानदेय बढ़ोतरी केवल सात से आठ हजार रुपए की गई, लेकिन उसे भी प्राप्त इसका कारण सर्टिफिकेट वेरिफिकेशन की लंबी प्रक्रिया है, जो अभी तक पूर्ण नही हुई है. मतलब मानदेय तो बढ़ा, किंतु प्राप्त नहीं हुआ. वे 2019 में जहां थे, वहीं अभी भी बने हुए हैं. वहीं दूसरी ओर परियोजना में बीआरपी सीआरपी के समकक्ष कार्यरत कर्मी को उच्च वेतन के साथ प्रोजेक्ट अलाउंस, मेडिकल एलाउंस एवं भविष्य निधि कटौती कर रही है, जबकि 20 वर्ष की सेवा के बावजूद बीआरपी सीआरपी को इस सामाजिक सुरक्षा से वंचित रखा जा रहा है. उसपर विभाग, सरकार एवं कर्मचारी भविष्य निधि संगठन भी मौन साधे हुए है.

बताया गया कि प्रोजेक्ट के सभी कार्यक्रम को धरातल स्तर पर बीआरपी सीआरपी कार्यान्वित करते हैं और प्रोजेक्ट एलाउंस प्रोजेक्ट के मैनेजमेंट हेड के स्टाफ को मिलता है. फील्ड ट्रेवलिंग बीआरपी सीआरपी करें और ट्रेवलिंग एलाउंस मैनेजमेंट हेड स्टाफ को. फील्ड में कार्य करते करते दुर्घटनाग्रस्त एवं बीमार बीआरपी सीआरपी पड़े, लेकिन मेडिकल एलाउंस मैनेजमेंट हेड के स्टाफ को मिलता है. अत्यंत अल्प मानदेय के कारण खस्ताहाल के साथ वर्तमान एवं भविष्य असुरक्षित है, लेकिन भविष्य निधि कटौती प्रोजेक्ट के मैनेजमेंट हेड कर्मी को मिले. अर्थात बीआरपी सीआरपी प्रोजेक्ट में 20 साल की सेवा देने के बावजूद सम्मानजनक मानदेय एवं बुनियादी सुविधा के लिए तरस रहे हैं. विभाग की दोहरी नीति से कुंठित हो रहे हैं. बीआरपी सीआरपी प्रोजेक्ट के मैनेजमेंट हेड के स्टाफ नहीं माने जाते हैं, इसलिए उन्हें कई बुनियादी सुविधाओं से वंचित रखा जा रहा है.

19 वर्ष पूर्ण होने पर बीआरपी सीआरपी की मन की व्यथा ...

लापुंग में दुर्गा के मां दुर्गा के चतुर्थ स्वरूप मां कुष्मांडा की हुई अराधना

महाआरती व प्रसाद लेने के लिए उमड़ी भीड़

संवाददाता। लापुंग

लापुंग प्रखंड के दुर्गा मंदिर एवं पंडाल में नौ दिनों तक चलने वाली शारदीय नवरात्र के चौथे दिन मां दुर्गा के चतुर्थ स्वरूप मां कुष्मांडा की अराधना, मंत्रोच्चार तथा महाआरती के दौरान रविवार श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी. आचार्य राजकुमार पाठक ने शारदीय नवरात्र में सात्विक तरीके से रहकर मां की पूजा करने वाले सिकंदर सिंह सहित अन्य यजमानों को पूरे विधि-विधान के साथ अनुष्ठान कराया. शारदीय नवरात्र को लेकर शनिवार को मां देवी दुर्गा के चतुर्थ स्वरूप मां कुष्मांडा की विधिवत पूजा अर्चना की गई. इस मौके पर शारदीय नवरात्र के पावन मौके पर देर शाम लगभग 7:00 बजे मां की भव्य महाआरती का आयोजन किया गया. आचार्य राजकुमार पाठक ने श्रद्धालुओं को पूजा अर्चना कराया. इस मौके पर अचार्य राजकुमार पाठक ने बताया कि गुरुवार 10 अक्टूबर को सुबह 6:40 बजे महासप्तमी के दौरान नवपत्रिका प्रवेश का अनुष्ठान किया जाएगा . वहीं 7:10 बजे पूजा आरंभ होगी. इसी समय चंडी पाठ आरंभ किया जाएगा. इसी दिन प्रातः 9:30 बजे भोग निवेदन एवं 10 बजे सुबह पुष्पांजलि आयोजित की जाएगी एवं संध्यारति रात्रि 8:00 संध्या भोग तथा पूजा समापन के उपरांत प्रसाद का वितरण किया जाएगा. वहीं 11 अक्टूबर को महाष्टमी की पूजा संधि बली 6:48 बजे होगी. 7:12 बजे के पूर्व संधि बलि की पूजा संपन्न हो जाएगी. महाष्टमी के बाद 7:12 बजे महानवमी की पूजा भी शुरू होगी. उन्होंने बताया कि 12 अक्टूबर को प्रातः 9:00 बजे विजयदशमी की पूजा होगी. इसके बाद 11:35 बजे के पूर्व पुष्पांजलि एवं कलश विसर्जन होगा. देवी का बेदी से अवतरण दोपहर 2:30 बजे होगी. देर शाम प्रतिमा का विसर्जन किया जाएगा. मुख्य पुजारी राजकुमार पाठक ने बताया कि अष्टमी का उपवास गुरूवार को होगा. वहीं पूजा शुक्रवार को अहले सुबह तीन बजे से छह बजे तक किया जाएगा.

दुर्गा पूजा पंडाल में दुर्गा पूजा आयोजन समिति के पदाधिकारी व तैयारी में जुटे श्रद्धालु.

बेड़ो, तुको, दिघिया, पाकलमेडी.खत्री खटंगा, घाघरा व ईटाचिल्दरी में बनाया जा रहा भव्य पंडाल

बेड़ो में दुर्गा पूजा की तैयारियां अंतिम चरण में

संवाददाता। बेड़ो

बेड़ो प्रखंड में दुर्गा पूजा की व्यापक तैयारियां चल रही है. बेड़ो के ऐतिहासिक महादानी मंदिर परिसर में मां दुर्गा का पंडाल का निर्माण सुधीर टेंट हाउस के मालिक सुधीर प्रसाद कर रहे हैं. काल्पनिक मंदिर की अनुकृति को अंतिम रूप दिया जा रहा है. वहीं बेडो.के साथ-साथ एवरग्रीन क्लब दुर्गा पूजा आयोजन समिति तुको, पाकलमेडी.दुर्गा पूजा आयोजन समिति, ईटाचिल्दरी दुर्गा पूजा समिति, घाघरा दुर्गा पूजा आयोजन समिति, खत्री खटंगा दुर्गा पूजा आयोजन समिति सहित दिघिया दुर्गा पूजा महिला समिति के तत्वाधान में अलग-अलग आयोजित दुर्गा पूजा की व्यापक तैयारियां चल रही है. बेलवरण के साथ पंडालों में दुर्गा पूजा की औपचारिक शुभारंभ किया जाएगा. मुख्य पुजारी सुबल चंद्र देवघरिया के हवाले से बेड़ो दुर्गा पूजा महासमिति के संरक्षक सौमित्र शर्मा एवं अध्यक्ष साधन कुमार राय ने बताया कि आठ अक्टूबर को दिन मंगलवार को बोधन का अनुष्ठान होगा जबकि बुधवार को देर शाम महाषष्ठी की पूजा बेलवरण के साथ की जाएगी इसी दिन मां दुर्गा का आमंत्रण एव अधिवास अनुष्ठान कराया जाएगा. वहीं गुरुवार को अहले सुबह में ही नव पत्रिका प्रवेश एवं नवपत्रिका की स्थापना की की जाएगी. इस बार मां दुर्गा डोली में बैठकर आएंगी. इसी दिन गुरुवार को श्रद्धालु महिलाएं अष्टमी का उपवास करेंगी जबकि महाअष्टमी की पूजा गुरुवार ही सुबह आठ बजे सुबह से शुक्रवार को देर रात तक किया जाएगा. संधि बलि की पूजा शुक्रवार को ही सुबह 6:24 बजे शुरू होगा. 6:40 बजे बलि दी जाएगी वहीं 7:12 बजे तक संधि बलि की पूजा समाप्त होगी. 12 अक्टूबर दिन शनिवार को महानवमी की पूजा सुबह 5:44 तक की जाएगी. इसी अवधि में नवमी की बली होगी. सुबह पांच बजे आरती और हवन का आयोजन किया जाएगा. शनिवार को ही महादशमी की तिथि पड़ रही है. इसी दिन सुबह 7:03 बजे से 9:28 बजे तक दशमी की पूजा आरंभ होगी.

बेड़ो में बना दुर्गा पूजा का भव्य पंडाल.

ब्रीफ खबरें

अवैध कब्जा बताकर साफ सफाई रोका गया

डकरा। डकरा के सेंट्रल कॉलोनी में बी टाइप स्थित सीसीएल के द्वारा दुर्गा पूजा को लेकर साफ सफाई का काम हो रहा है. वहीं जब बी टाइप के क्वार्टर संख्या 94- 95 लाइन में जब जेसीबी वहां साफ सफाई के लिए पहुंचा तो ललन प्रसाद सिंह के द्वारा अवैध कब्जा बता कर काम को रोक दिया गया. जिससे वहां रह रहे हैं छोटे-छोटे बच्चों को सांप,बीछ का हमेशा खतरा बना हुआ रहता है. क्योंकि वहां बड़ी बड़ी झाड़ियां उग आई है. इससे लेकर सिस्टा के सचिव रवींद्र बैठा ने प्रबंधन द्वारा इस पर उचित कार्रवाई करने की मांग की है .

जिप सदस्य ने किया सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास

इटकी। जिप सदस्य रीना देवी ने रविवार को प्रखंड के कुर्गी बस्ती में पीसीसी सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास विधिवत रूप से शिलापट से पर्दा उठा कर किया. पीसीसी सड़क का निर्माण एनएच से सरफराज मास्टर के घर होते हुए दीना मास्टर के घर तक किया जाएगा. मौके पर जिप सदस्य रीना देवी ने कहा कि इस सड़क के निर्माण से गांव वालों को आवागमन में सुविधा होगी. मौके पर सिरील लकड़ा, सुनीता कुजूर, मो इजहार, शमसाद, दिलीप, आतिश ठाकुर सहित अन्य मौजूद थे.

बुधवा उरांव का शहादत दिवस मनाने का निर्णय

खलारी। खलारी कोयलांचल क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले चामा में माले कार्यकर्ताओं ने तेजू उरांव के अध्यक्षता में बैठक किया. बैठक में आगामी 22 अक्टूबर को कामरेड बुधवा उरांव का शहादत दिवस मनाने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया. इसके अलावा राजनीति स्थिति और संगठन विस्तार को लेकर माले कार्यकर्ताओं ने चर्चा किया. मौके पर उपस्थित आईसीसीटीयू के राज्य सदस्य कामरेड किशोर खंडित ने बैठक के दौरान अपने संबोधन में कहा कि शाहिद बुधवा उरांव का शहादत दिवस को संकल्प दिवस के रूप में मनाया जाएगा.

कंटेनर के धक्के से बाइक सवार युवक की हुई मौत

हजारीबाग। मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत ओरिया ओवरब्रिज के पास रविवार को कंटेनर की टक्कर से बाइक सवार की मौत हो गई. मृतक की पहचान बाबूगांव कोर्रा निवासी मोइन अंसारी के रूप में हुई है. घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव की शिनाख्त के बाद परिजनों को सूचना दी गई. इसके बाद पुलिस शव लेकर मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंची. वहीं, मृतक के परिजन और अन्य लोग अस्पताल पहुंच कर हंगामा करने लगे. परिजनों का कहना था कि पुलिस ने उन्हें सूचना तो दी.

ट्रैक्टर ने बाइक सवार युवक को रौंदा, मौत

कुंदा (चतरा)। प्रतापपुर-कुंदा मार्ग पर अज्ञात ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई. घटना शनिवार की देर शाम की बताई जा रही है. मृतक की पहचान प्रतापपुर गांव निवासी अनुज ठाकुर के पुत्र नीतीश ठाकुर के रूप में हुई है. जानकारी के अनुसार, नीतीश प्रतापपुर से बाइक पर सवार होकर अपने संबंधी के घर बौधाडीह जा रहा था. इसी बीच बैरियाचक में विपरीत दिशा से आ रहे तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक में टक्कर मार दी. दुर्घटना में सड़क पर गिरने के कारण नीतीश को गंभीर चोट लगी और अत्यधिक रक्तस्राव हो गया.

पेट, आंत व लीवर के विशेषज्ञों के राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस गैस्ट्रोकॉन का समापन

गॉल ब्लेडर कैंसर, हेपेटाइटिस इंफेक्शन पर विशेषज्ञों ने साझा किए अपने अनुभव

संवाददाता। रांची

इंडियन सोसायटी ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी द्वारा डोरंडा के शौर्य सभागार में आयोजित दो दिवसीय नेशनल कॉन्फ्रेंस गैस्ट्रोकॉन-24 का समापन रविवार को हुआ. कॉन्फ्रेंस में झारखंड के साथ दूसरे राज्यों से पेट व लीवर के सैकड़ों विशेषज्ञ चिकित्सक शामिल हुए. सम्मेलन के अंतिम दिन भी 20 से ज्यादा विभिन्न बीमारियों से संबंधित विषय पर चर्चा की गई. रविवार को कॉन्फ्रेंस की शुरूआत गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. अमर प्रेम द्वारा गोल ब्लाडर कैंसर की जल्द पहचान और प्रबंधन विषय के साथ हुई. उन्होंने बताया कि पित्ताशय के कैंसर का पता लगाना मुश्किल है, क्योंकि इसके लक्षण शुरुआती चरणों में दिखाई नहीं देते. जब लक्षण दिखाई देते हैं, तो वे पित्त पथरी या पित्त नली में रुकावट जैसी अधिक सामान्य स्थितियों के समान हो जाते हैं. पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द, पीली त्वचा और आंखों का सफेद भाग पीला पड़ने लगता है. डॉ. अमर प्रेम ने बताया कि कैसे ऐसे रोगियों की पहचान शुरूआती स्तर पर की जा सके और इसका प्रबंधन कैसे किया जा सके. बिहार के डॉ. राजीव कुमार सिंह ने एंडोस्कोपी पर एआई के महत्व के बारे जानकारी दी.

चंडीगढ़ के डॉ. सरोज कांत सिन्हा ने अल्सरेटिव कोलाइटिस का 2025 और इससे आगे के इलाज विषय पर अपनी बात रखी. उन्होंने बताया कि अल्सरेटिव कोलाइटिस, बड़ी आंत (कोलन) और मलाशय की अंदरूनी परत में सूजन होने वाली एक बीमारी है, इसे इन्फ़्लेमेटरी बाउल डिजीज (आईबीडी) के नाम से भी जाना जाता है. अगर समय रहते इसका इलाज नहीं किया गया, तो यह घातक साबित हो सकता है. डॉ. सरोज सिन्हा के अनुसार, अल्सरेटिव कोलाइटिस के कई लक्षण हैं, पेट में दर्द और ऐंठन, आंत के ऊपर गुड़गुड़ाहट या छप-छप की आवाज, मल में रक्त और संभवतः मवाद होना, दस्त, बुखार, वजन घटना आदि शामिल हैं. कॉन्फ्रेंस के दौरान मुख्य रूप से नागपुर के डॉ. सौरभ मुकेवर, दिल्ली के डॉ. अनील अरोरा, डॉ. पियुष रंजन, कोलकाता के डॉ. संदीप पाल, अपोलो दिल्ली के डॉ. हितेंद्र गर्ग, कोलकाता के डॉ. संजय मंडल और डॉ. नीरव गोयल समेत अन्य शामिल थे.

नेशनल कॉन्फ्रेंस गैस्ट्रोकॉन-24 के समापन समारोह को संबोधित करते अतिथि

नए-नए एडवांस तकनीक से अवगत हुए चिकित्सक

ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ. मनोहर लाल और को-चेयरपर्सन डॉ. जयंत घोष ने बताया कि पेट, आंत व लीवर से संबंधित इस नेशनल कॉन्फ्रेंस में अपने-अपने क्षेत्र के विशेषज्ञ अलग-अलग राज्यों से शामिल होकर झारखंड समेत दूसरे जगह के डॉक्टरों को नए-नए तकनीक व अपने अनुभव से अवगत कराया. यहां हमने लाइव सर्जरी से अत्याधुनिक तकनीक सीखे. सम्मेलन में उपस्थित डॉक्टरों ने एकक्लासिया कार्डिया का ऑपरेशन, पैनक्रियाज से संबंधित बीमारी, पैनक्रिएटिक सिडोसिस्ट का ड्रेनेज, ईआरसीपी के द्वारा पित्त की नली में स्थित बड़े-बड़े स्टोन का स्पाई ग्लास के द्वारा ऑपरेशन की तकनीक से अवगत हुए. सम्मेलन के सफल आयोजन में ऑर्गनाइजिंग कमेटी के चेयरपर्सन डॉ. प्रणव मंडल, ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ. मनोहर लाल प्रसाद, को-चेयरपर्सन डॉ. जयंत कुमार घोष समेत अन्य की भागीदारी रही.

एंडोस्कोपी से पोयम तकनीक का इस्तेमाल कर खाने की नली की सर्जरी संभव : डॉ. विकास

मैक्स हॉस्पिटल दिल्ली के डॉ. विकास सिंघला ने पोयम यानी बिना चीरफाड़ के कैसे खाने की नली की सर्जरी कर उसे ठीक किया जा सकता है, इस विषय की प्रस्तुति दी. इसके बाद लाइव सर्जरी कर इसकी बारिकियों को भी सिखाया. उन्होंने बताया कि बिना चीरफाड़ के एंडोस्कोपी से पोयम (ओरल एंडोस्कोपिक मायटोमी) तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है. इस तकनीक में, मुंह के रास्ते जाकर आहार नली में छोटा कट लगाया जाता है.

क्रोनिक पैनक्रियाटिस से अग्नाशय की संरचना व कार्य-प्रणाली हो सकती है खराब : डॉ. संजीव झा

आईजीआईएमएस पटना के डॉ. संजीव कुमार झा ने बताया कि क्रोनिक पैनक्रियाटिस अग्नाशय की लंबे समय से चली आ रही सूजन है. जिसकी वजह से अग्नाशय की संरचना और कार्य-प्रणाली खराब हो जाती है. अल्कोहल का अधिक सेवन और सिगरेट धुम्रपान कोनिक पैनक्रियाटिस के दो प्रमुख कारण हैं. पेट में दर्द लगातार हो सकता है. कई दर्द पर सामान्य दवाईयां काम नहीं करती, इसके लिए अन्य सर्जिकल तरीकों को अपना पड़ता है.

मारपीट के आरोपी को पुलिस ने भेजा जेल

मांडर। पुलिस ने अघनु पाहन को रविवार को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया. अघनु के विरुद्ध अमरजीत सिंह ने प्राथमिकी दर्ज कराया था. प्राथमिकी के अनुसार इनके मित्र आनन्द एक्का को अघनु पाहन ने अवैध हथियार के बट-से मारकर जख्मी कर दिया है. इस मामले को लेकर अघनु पाहन को पुलिस ने गिरफ्तार किया और इसके पास से एक देशी कट्टा बरामद किया है. थाना प्रभारी राहुल ने बताया कि मांडर निवासी अमरजीत के आवेदन पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया. आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है. साथ ही इसकी निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल की गई एक देशी पिस्तौल को बरामद किया गया है. गिरफ्तार आरोपित के खिलाफ पूर्व में भी मांडर थाना में दो मामले दर्ज हैं.

विधायक ने विभिन्न पथ निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया

सिल्ली/मुरी। विधायक सुदेश कुमार महतो ने रविवार को सिल्ली प्रखंड के विभिन्न गांवों में लगभग 12 करोड़ रुपए लागत राशि के पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास किया. जिसमें 2 करोड़ 35 लाख रुपयों के लागत से गाझा मोड़ से हलमाद भाया भुली, जालुमबेड़ा 5. 8 किमी पथ निर्माण कार्य एक करोड़ 95 लाख रुपए की लागत से हाकेदाग से गेड़ेबीर तक 3.5 किमी पथ निर्माण 3 करोड़ रुपए की लागत से गोला मुरी पथ के लोदमु से लोसेरा भाया कांशी टोला, जाम टोला पांडे टोली तक 4.83 किमी पथ निर्माण 2 करोड़ 5 लाख रुपए की लागत से असुरकोड़ा से कुचु तक 3.3 किमी पथ निर्माण एवं 2 करोड़ रुपए की लागत से रांची पुरुलिया रोड के एसएस हाईस्कूल सिल्ली के समीप से नायक जोबला भाया छाता टांड़ 3.3 किमी पथ निर्माण कार्य शामिल है.

न्यूज अपडेट

सौतेली मां ने अबोध बच्ची को मारकर फेंका, गिरफ्तार

बुंडू। बुंडू थाना क्षेत्र के रेलाडीह गांव के टुंगरी टोला में सौतीली मां रीता देवी पति समल मुंडा उर्फ हाड़गा ने 4 वर्षीय मुन्नू कुमारी नामक बच्ची को बेरहमी से मारकर शव को झाड़ियों में फेंक दिया. बच्ची के शव के,चेहरा, खोपड़ी बुरी तरह से कुचला हुआ है. रविवार को ग्रामीणों ने बच्ची की क्षत विक्षत शव झाड़ियों में देखा तो उक्त महिला से पूछताछ की तो उसने अनभिगता प्रगट की. तब ग्रामीणों ने आरोपी महिला के पति जो पेशे से ड्राइवर है और बाहर रहता था . घटना की सूचना के साथ बुंडू पुलिस को इसकी सूचना दी. बुंडू पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स रांची भेज दी है, तथा आरोपी महिला को हिरासत में ली है. आरोपी महिला के साथ ग्रामीणों ने मारपीट भी की . घायल आरोपी महिला को बुंडू अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है .

ग्रामीणों ने श्रमदान कर दो किमी सड़क बनाया

बुढ़मू। प्रखंड के हेसलपिरी बिंगबेड़ा के ग्रामीणों ने सरकारी उपेक्षा से तंग आकर रविवार को 2 किमी सड़क का निर्माण श्रमदान से किया. जानकारी के अनुसार पतरातू-मेड़ी मुख्य से बिंगबेड़ा मुख्य पथ की स्थिति काफी जर्जर है. ग्रामीणों को आवागमन में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था. सड़क निर्माण को लेकर ग्रामीणों द्वारा सांसद, विधायक समेत विभागीय अधिकारियों के पास कई बार गुहार लगाई गई लेकिन सभी जगहों से उन्हें सिर्फ आश्वासन ही मिला. मौके पर दिलेश्वर महतो, कलेश्वर महतो, धनेश्वर महतो, मुनेश्वर महतो, पूनम देवी, सुशीला देवी समेत अन्य ग्रामीण मौजूद थे.

डकरा में विहिप व बजरंग दल ने किया पथ संचलन

डकरा। विहिप और दुर्गावाहिनी के संयुक्त तत्वावधान में नवरात्र के अवसर पर डकरा के शस्त्र पूजन एवं शक्ति पथ संचलन कार्यक्रम आयोजित किया गया. इस कार्यक्रम में खलारी प्रखंड संयोजिका सुनीता महतो के नेतृत्व में विभिन्न पंचायत से 500 की संख्या दुर्गावाहिनी सदस्यों ने भाग लिया. कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि विश्व हिन्दू परिषद रांची जिला मंत्री रोबिन कुमार एवं विशिष्ट अतिथि सरस्वती शिशु विद्या मंदिर डकरा के प्रधानचार्य गोपाल मिस्त्री विश्वकर्मा राष्ट्रीय स्वयंसेवक सेविका बबिता देवी, दीपशिखा पाण्डेय उपस्थित रहे. पथ संचलन शिशु विद्या मंदिर स्कूल से शुरू होकर डकरा के विभिन्न क्षेत्र में भ्रमण किया इस दौरान दुर्गा वाहिनी के कार्यकर्ता अपने हाथों में तलवार एवम लठ लिए जय श्री राम के नारे लगाए.

हटिया विधायक ने किया सड़क का शिलान्यास

रातू। हटिया विधायक नवीन जायसवाल ने रविवार को ग्रामीण कार्य विभाग से बनने वाली सड़क का शिलान्यास किया. उन्होंने कहा कि जितना काम मेरे द्वारा किया गया उतना किसी विधायक के द्वारा नहीं हुआ. आगे विधायक ने कहा कि विगत पांच वर्षों में मैंने जितना काम क्षेत्र के लिए किया उतना तो विपक्ष में रहकर भी कोई विधायक नहीं कर सकता है. यह सड़क एक करोड़ की लागत से लगभग 3.50 किमी बनेगी.इस अवसर पर रातू पश्चिमी पंचायत के मुखिया सुनिता देवी, पंसस कृष्णा ठाकुर, सुखदेव प्रसाद, जेम्स खलखो, रूपेश गोप, कृष्णा उरांव, अनिल ठाकुर,बिजय सिंह, पप्पू साहु आदि शामिल थे.

अग्निशमन विभाग ने पूजा पंडालों के लिए जारी किया निर्देश

बुंडू। अग्निशमन पदाधिकारी इंद्रदेव भगत के द्वारा अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत सभी दुर्गा पूजा समितियों के लिए अग्निशमन विभाग की ओर से दिशा-निर्देश जारी किया गया. पूजा के दौरान पंडाल के आसपास पानी, बालू,की व्यवस्था रखने के साथ पंडाल के आसपास पटाखे न फोड़ने के साथ व्यापक सुरक्षा का व्यवस्था रखने को भी कहा है. आपात स्थिति में बुंडू अग्निशमन कार्यालय के मोबाइल नंबर 93049 53409 या अग्निशमन पदाधिकारी के मोबाइल नंबर 6203707118 पर सूचना दें. इस दौरान अग्निशमन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि लापरवाही से आगजनी की घटना घटने पर पूजा समिति जिम्मेवार होगी. मौके पर अग्निशमन पदाधिकारी इंद्रदेव भगत और सहायक श्रीकुंवर सिंह, विनोद कुमार, संतोष यादव और विभिन्न पूजा समिति के सदस्य आदि मौजूद थे.

सोनाहातू में प्रतिभागियों को किया गया पुरस्कृत

सोनाहातू। टैलेंट हंट ग्रुप द्वारा सामान्य ज्ञान परीक्षा सोनाहातू 2024 का आयोजन रविवार को किया गया. परीक्षा संपन्न होने के बाद बीडीओ खगेश कुमार के द्वारा टॉप प्रतिभागियों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र दिया गया. इन प्रतिभागियों को पुरस्कार मिला कुणाल मुंडा(1-5), सुलेखा कुमारी(6- 8), सुबोध पुराण (9- 10),दितीय पुरस्कार पलक कुमारी(1- 5),प्रीति कुमारी (6- 8),प्रियांसी कुमारी (9- 10), तृतीय पुरस्कार हेतु - राहुल पुराण (1- 5), पायल जायसवाल (6- 8), बजरंग साहु और रोशनी कुमारी संयुक्त (9- 10) के नाम शामिल है.

पुरानी राय गोलीकांड में मामला दर्ज, जांच में जुटी पुलिस

खलारी। खलारी कोयलांचल क्षेत्र के पुरानी राय में शहीद निर्मल महतो चौक के पास शंकर महतो के घर पर हुई गोलीकांड की घटना में शंकर महतो के बयान पर खलारी थाना में कांड संख्या 90/2024 के तहत मामला दर्ज किया गया है. जिसमें मोबाइल नंबर से मिली धमकी को आधार मानकर मोबाइल मालिक समेत दो लोगों को आरोपी बनाया गया है. आवेदन में बताया गया है कि बीकेएस तिवारी ग्रुप के द्वारा मोबाइल फोन पर दी जा रही थी धमकी. बालू तस्करी को ग्रामीणों के द्वारा रोके जाने के गुस्से में गोलीबारी की घटना को अंजाम देने का अनुमान लगाया जा रहा है. खलारी थाना क्षेत्र के पुरानी राय में शंकर महतो के घर के दरवाजे पर की गई गोलीबारी की घटना को लेकर पुलिस सभी बिन्दुओं पर गंभीरतापूर्वक जांच कर रही है. उक्त बातें खलारी थाना प्रभारी इंस्पेक्टर बिजय कुमार सिंह ने कही.

हिन्दू नारी अबला नहीं सबला है : वीरेन्द्र विमल

रांची। हिन्दू नारी अबला नहीं सबला है. वह यदि श्रद्धा है, तो शक्तिस्वरूपा भी है. जैसे भगवती दुर्गा ने समस्त देवताओं की शक्ति आत्मसात् कर संपूर्ण दुर्जेय दैत्यों का संहार किया था, उसी प्रकार आज आवश्यकता है, हिन्दू नारी जाति, भाषा, प्रान्त, वर्ग, आदि भेदों में विभाजित हिन्दू शक्ति को एकत्र कर राष्ट्र, धर्म, संस्कृति एवं समाज की सुरक्षा हेतु कटिबद्ध हो. इसी कार्य हेतु विश्व हिन्दू परिषद द्वारा दुर्गावाहिनी और मातृशक्ति का गठन किया गया है. उक्त विचार विहिप के झारखंड-बिहार के क्षेत्र मंत्री वीरेन्द्र विमल ने शस्त्र पूजन कार्यक्रम में माता बहनों को संबोधित करते हुए व्यक्त किया.

त्यौहारों में लंबी दूरी की ट्रेनों में अतिरिक्त कोच लगें : चैंबर

संवाददाता। रांची

त्यौहारों में बढ़ती वेटिंग लिस्ट को देखते हुए झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स ने डीआरएम को पत्राचार कर रांची रेल मंडल से चलनेवाली लंबी दूरी की सभी प्रमुख ट्रेनों में अतिरिक्त कोच लगाने का आग्रह किया है. चैंबर के डीआरयूसीसी प्रतिनिधि संजय अखौरी ने कहा कि दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ पूजा के अवसर पर रांची से बड़ी संख्या में लोग उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल की ओर प्रस्थान करते हैं, किंतु लंबी दूरी की सभी प्रमुख ट्रेनों में वेटिंग लिस्ट में काफी वृद्धि देखी जा रही है. जिससे यात्री चिंतित हैं. त्यौहारों के समय यात्रियों के आवागमन की बढ़ती संख्या को देखते हुए आवश्यक है कि रांची रेल मंडल की परिचालित लंबी दूरी की सभी प्रमुख ट्रेनों में सभी श्रेणी के अतिरिक्त कोच लगाने की पहल की जाए. चैंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी ने कहा कि त्यौहार की छुट्टियों में दिल्ली, मुंबई, बंगलुरू, हैदराबाद जैसे प्रमुख शहरों में रह रहे विद्यार्थी एवं नौकरीपेशा लोग भी इस दौरान अपने घर वापस आते हैं. व्यापारी वर्ग भी व्यापारिक कार्यों से आवागमन करते हैं किंतु वेटिंग लिस्ट की अधिकता के कारण अनावश्यक परेशानी होती है. कंफर्म टिकट उपलब्ध नहीं मिलने के कारण अत्यधिक भीड़ की स्थिति में यात्री कोच में फर्श पर बैठकर या गेट के पास खड़े होकर लंबी दूरी की यात्रा करने को विवश होते हैं. छोटे-छोटे बच्चों को लेकर सफर करनेवाले परिवार की स्थिति इस परिस्थिति में अत्यंत ही कष्टदायक होती है. ऐसे में आवश्यक है कि वेटिंग लिस्ट की समीक्षा करते हुए लंबी दूरी की सभी प्रमुख ट्रेनों में सभी श्रेणी के कोच की संख्या में अतिरिक्त वृद्धि की जाय ताकि त्यौहारों में यात्री आरामदायक सफर कर सकें.

सेल आरडीसीआईएस ने मोबाइल मेडिकल यूनिट का किया उद्घाटन

संवाददाता। रांची

सेल आरडीसीआईएस ने सीएसआर से हेल्थकेयर पर जोर देते हुए 40 लाख रुपए में एक मोबाइल मेडिकल यूनिट खरीदा. इस मोबाइल मेडिकल यूनिट का संचालन आश्रय फ़ाउंडेशन एनजीओ द्वारा मेडिकल ऑफिसर प्रतापपुर चतरा के मार्गदर्शन में किया जाएगा. इस मोबाइल मेडिकल यूनिट का उद्घाटन आरडीसीआईएस के इस्पात भवन में किया गया. इस अवसर पर केंद्रीय सतर्कता आयोग से सतर्कता आयुक्त ए एस राजीव एवं सचिव पी डेनियल उपस्थित थे. वही सेल की ओर से अध्यक्ष अमरेंदु प्रकाश, निदेशक कार्मिक के के सिंह, सीवीओ एस.एन. गुप्ता, ईडी सतर्कता संजय शर्मा, ईडी सीईटी एस. के. वर्मा, ईडी आरडीसीआईएस एस. के. कर एवं कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे. मौके पर झारखंड सरकार के सिविल सर्जन चतरा डॉक्टर दिनेश कुमार ने भी भाग लिया. सतर्कता आयुक्त एवं सेल अध्यक्ष ने मिलकर एमएमयू की चाभी आश्रय फ़ाउंडेशन तथा सिविल सर्जन को सौपी और फिर झण्डा दिखा कर इस एमएमयू को प्रतापपुर चतरा के लिए रवाना किया. सेल आरडीसीआईएस की टीम ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्रतापपुर के मेडिकल ऑफिसर संजीव कुमार को इस एमएमयू को हैंडओवर किया. मेडिकल ऑफिसर ने बताया इस एमएमयू से उन्हे अपने टीम को गांव में जाकर कैंप लगाने में बहुत ही सहायता मिलेगी. प्रतापपुर में 1 लाख से ज्यादा जनसंख्या है और सेल के इस मदद से इस क्षेत्र के जनता लाभान्वित होगी.

तैयारी | मुड़मा जतरा मेले के सफल संचालन को लेकर हुई बैठक

ड्रोन से रखी जाएगी नजर ,सुरक्षा के होंगे व्यापक प्रबंध

संवाददाता। मांडर

एतिहासिक मुड़मा जतरा मैदान में रविवार को जिला प्रशासन और मेल संचालन समिति के साथ बैठक आयोजित किया गया. इस बैठक की अध्यक्षता धर्म गुरु बंधन तिग्गा ने किया. इस बैठक में स्थानीय विधायक शिल्पी नेहा तिर्की, ग्रामीण एसपी सुमित कुमार अग्रवाल, एसडीओ उतकर्ष कुमार, खलारी डीएसपी आर् एन सिंह शामिल हुए. बैठक में आने वाले 18 एवं 19 अक्टूबर को आयोजित ऐतिहासिक मुड़मा जतरा का सफल संचालन को लेकर विधि व्यवस्था से संबंधित चर्चा की गई. मेले में होने वाले

अनियंत्रित भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन ने विधि व्यवस्था की जानकारी देते हुए ग्रामीण एसपी ने बताया ट्रैफिक रूल्स के अलावा पूरे क्षेत्र में पुलिस बल की तैनाती की जाएगी. जगह-जगह पर टावर बनाकर पुलिस के जवान निगरानी करेंगे . आसामाजिक तत्वों पर ड्रोन के माध्यम से निगरानी रखी जाएगी ताकि किसी भी तरह की विधि व्यवस्था से संबंधित कोई समस्या उत्पन्न ना हो और मेले में आने वाले लोग निर्भीक होकर मेला का आनंद ले सके. विधायक ने कहा है कि राज्य में आदिवासियों के सबसे बड़े मुड़मा जतरा मेले का भव्य आयोजन इस बार 18 एवं 19 अक्टूबर को किया जायेगा. उन्होंने कहा कि उनका पूरा प्रयास है कि सरकारी स्तर से इस मेले को अधिक-से-अधिक सुविधा एवं सहायता प्राप्त हो और इसके लिये जल्द ही उनकी अध्यक्षता में आयोजन समिति का एक प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात करेगा. प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोरंजन कुमार ने बताया कि जगह-जगह पर पानी की समुचित व्यवस्था की जाएगी शौचालय का भी व्यवस्था किया जाएगा ताकि लोगों को समस्या ना हो. बैठक में मुख्य रूप से भाजपा युवा नेता शनि टोप्पो, मांडर अंचल अधिकारी चंचल कुमारी, थाना प्रभारी राहुल, समाजसेवी शकीर इस्लाही, मोहम्मद आबिद, जगराम उराव, महादेव उरांव, शिव उरांव के साथ-साथ संचालन समिति के सदस्य गण उपस्थित थे.

राशिफल
आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष किसी से विवाद हो सकता है. विवाद से बचें. भूमि व संपत्ति संबंधी कार्य में बाधा होंगे. पर पूर्व कर्म फलीभूत होंगे. क्रोध एवं उत्तेजना पर संयम रखें. इष्ट मित्रों से मुलाकात होगी. शुभ समाचार मिलेंगे. रोजगार में वृद्धि होगी.

वृष आय अच्छी होगी. कार्य होने से मन खुश होगा. सत्कार्य में रुचि बढ़ेगी. प्रियजनों का पूर्ण सहयोग मिलेगा. आर्थिक स्थिति मजबूत होगी. बेरोजगारी दूर होगी. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी.

मिथुन धन के आगमन से मन खुश होगा. मौसमी बीमारियों से बचें. प्रयास में आलस्य व विलंब नहीं करना चाहिए. स्वयं के सामर्थ्य से ही भाग्योन्नति के अवसर आएंगे. विरोधी परास्त होंगे. अप्रत्याशित खर्च होंगे. कर्ज लेना पड़ सकता है.

कर्क संतान के कार्य मे गति आएगी. धन प्राप्ति के योग हैं. यात्रा सफल रहेगी. लेनदारी वसूल होगी. आय में वृद्धि होगी. लेन-देन में सावधानी रखें. कोई बड़ा कार्य करने से पहले विचार विमर्श आवश्यक है. शिव मंदिर में जल और अन्न दान करें.

सिंह मानसिक तनाव हो सकता है. माता से बिना वजह का विवाद हो सकता है. व्यवसाय ठीक चलेगा. लाभ होगा. प्रियजनों से पूरी मदद मिलेगी. यात्रा कष्टप्रद हो सकती है. धैर्य एवं संयम बना रहेगा. निजीजनों में असंतोष का वातावरण रहेगा.

कन्या समाज में पूछ परख बढ़ेगी. अध्यात्म में रुचि रहेगी. भूमि-आवास की समस्याओं में वृद्धि होगी. व्यापार-व्यवसाय सामान्य चलेगा. कर्म के प्रति पूर्ण समर्पण व उत्साह रखें. किसी गरीब और लाचार को अन्न का दान करें.

तुला समय बहुत ही उत्तम है. धन आगमन से मन खुश होगा. सकारात्मक विचारों के कारण प्रगति के योग आएंगे. ईश्वर पर आस्था बढ़ेगी. चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. स्वास्थ्य कमजोर रहेगा.

वृश्चिक नये कार्य का लाभ मिलेगा. जीवनसाथी के स्वास्थ्य की ओर ध्यान दें. मांगलिक आयोजन होंगे. जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा. कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी. कोई बड़ा कार्य होने से मन मे प्रसन्नता रहेगी.

धनु भवन संबंधी बाधा दूर होगी. नौकरी में अधिकारियों का उचित सहयोग नहीं रहेगा. लेन-देन के विषय में विवाद हो सकता है. राजकीय क्षेत्र के व्यक्तियों से संबंध बढ़ेंगे जो आपको लाभ प्रदान करेंगे. पीली वस्तु का दान करें.

मकर यात्रा मनोरंजक रहेगी. उत्तम मनोबल से समस्याओं का हल निकलेगा. दिखावे एवं आडंबरों से दूर रहना चाहिए. दांपत्य जीवन शुभतापूर्ण रहेगा. लापरवाही की प्रवृत्ति का त्याग करें. आलस का त्याग करें.

कुंभ समय सामान्य है. किसी अपने से विवाद से क्लेश होगा. व्यवसाय सामान्य रहेगा. कार्य निर्णय बहुत ही शांति से विचार करके करना चाहिए. व्यापार में नए अनुबंध लाभकारी रहेंगे. व्यर्थ के कार्यों से तनाव होगा. जल और मिठाई का दान करें.

मीन किसी प्रसिद्ध व्यक्ति से मुलाकात होगी. धर्म कर्म में मन लगेगा. किसी पर अधिक विश्वास न करें. आर्थिक स्थिति मध्यम रहेगी. संतान पर नजर रखें. समाज में प्रसिद्धि के कारण सम्मान में बढ़ोतरी होगी. दुर्गा माता को लाल फूल अर्पण करें

पत्रकार योगेंद्र कुमार सिन्हा को पितृशोक

रामगढ़। रामगढ़ के वरिष्ठ पत्रकार योगेंद्र कुमार सिन्हा के पिता नरेंद्र प्रसाद सिन्हा का शनिवार को निधन हो गया. वे 86 वर्ष के थे और सीसीएल भुरकुंडा से सेवानिवृत्त हुए थे. शनिवार को भुरकुंडा स्थित आवास में ही उन्हें अचानक पेट दर्द उठा. उन्हें फौरन रांची लाया गया. सेवा सदन में इलाज के लिए लाया गया. हालत बिगड़ने पर गांधीनगर में डॉक्टर के निजी क्लिनिक ले जाते समय ही उनकी मृत्यु हो गयी. रविवार को गिद्दी के दामोदर घाट में उनका अंतिम संस्कार किया गया. पुत्र योगेंद्र कुमार सिन्हा ने मुखाग्नि दी. अंतिम विदाई के दौरान रामगढ़, भुरकुंडा, पतरातू सहित आसपास के कई पत्रकार शामिल हुए. उनके निधन पर रामगढ़ प्रेस क्लब के पदाधिकारियों सहित राज्य के कई पत्रकारों शोक संवेदना जतायी है.

नवाह्न परायण पाठ से राममय हुआ लातेहार

लातेहार। जिला मुख्यालय वासी इन दिनों भक्ति सागर में गोते लगा रहे हैं. पूरा शहर राममय हो गया है. शहर के बीचोबीच अंबाकोठी में आयोजित 51 वें श्रीराम चरित मानस नवाह्न परायण पाठ महायज्ञ परिसर मे श्रद्धालुओं भीड़ उमड़ रही है. यज्ञाचार्य पं. अनिल मिश्र के सानिध्य में पूजन कार्य संपन्न हो रहे है. वहीं गिरिडीह से आये मानस वाचस्पति अनिल जी भारद्वाल एवं उनकी मंडली के द्वारा परायण पाठ किया जा रहा है. महायज्ञ समिति के अध्यक्ष प्रमोद प्रसाद सिंह ने कहा कि महायज्ञ समिति को पूरे शहरवासियों को अभूतपूर्व सहयोग प्राप्त होता है. श्री सिंह ने कहा कि सप्तमी से नवमी तिथि तक यहां महायज्ञ परिसर की परिक्रमा करने वालों की संख्या अधिक रहती है. आयोजन की सफलता एवं स्थायी कोष के लिए महायज्ञ समिति के द्वारा आजीवन सदस्य बनाये जा रहे हैं. मौके पर अशोक कुमार महलका, भुनेश्वर प्रसाद साहू, डा विशाल शर्मा, संतोष कुमार अग्रवाल, प्रकाश मोहन अग्रवाल, चंद्रप्रकाश उपाध्याय, अनिल प्रसाद, संजय प्रसाद, मदन प्रसाद, सुरेश प्रसाद समेंत कई लोग मौजूद थे.

गढ़वा के चिनियां में कार्यकर्ता सम्मेलन सह मिलन समारोह में सैकड़ों लोगों ने भाजपा छोड़कर थामा झामुमो का दामन

दोमुंहा सांप है भाजपा, जनता करे गो-गो : मिथिलेश ठाकुर

संवाददाता। गढ़वा

झामुमो चिनियां प्रखंड इकाई के तत्वावधान में रविवार को कार्यकर्ता सम्मेलन सह मिलन समारोह का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता, पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने दीप जलाकर किया. मौके पर रवि प्रसाद गुप्ता के नेतृत्व में लगभग एक हजार से अधिक लोगों ने भाजपा एवं अन्य राजनीतिक दलों को छोड़कर झारखंड मुक्ति मोर्चा का दामन थाम लिया. मंत्री श्री ठाकुर ने सभी को माला एवं पार्टी का पट्टा पहनाकर पार्टी में शामिल किया.

पार्टी में शामिल लोगों के साथ मंत्री मिथिलेश ठाकुर.

मौके पर मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि भाजपा दो मुंहा सांप है. यह दोनों तरफ से डंसती है. उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार द्वारा चलायी जा रही मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना रोकने के लिए भाजपा के लोग कोर्ट में केस किये हैं. वहीं दूसरी ओर भाजपा गो-गो दीदी योजना चलाने की घोषणा कर राज्य की महिलाओं के साथ छल कर रही है.

उन्होंने कहा कि सभी लोग आगामी विधासभा चुनाव में भाजपा को गो-गो ही कर दें. मंत्री ने कहा कि उन्होंने तीन साल में जितना विकास कार्य किया है वह पिछले 30 वर्षों पर भी भारी है. उन्होंने कहा कि जनता ने जिन्हें 10 साल मौका दिया वे चेक स्लीप पर ही विधायक मद की सारी राशि खा गये. जिन पिता-पुत्र को जनता ने 30 साल मौका दिया आज वे परिवर्तन रथ चला हैं, ऐसे लोगों को जनता के बीच जाने में शर्म भी नहीं आती है. मंत्री ने कहा कि वोट ठगने वाले ऐसे लोगों और उनके दलालों से सावधान रहें. क्षेत्र का विकास करने वाले मिथिलेश ठाकुर को आगामी विधानसभा चुनाव में रिकार्ड 50 हजार से अधिक मतों से जीताकर विधानसभा भेंजे. उन्होंने कहा कि झूठ की फैक्ट्री अब चलने वाला नहीं है. मौके पर अखिल भारतीय आदिवासी महासभा के जिलाध्यक्ष चैतु सिंह खरवार, जिपस बनारसी सिंह, फरीद खां आदि ने विचार व्यक्त किया. कार्यक्रम में मुख्य रूप से बीस सूत्री जिला उपाध्यक्ष नितेश सिंह, झामुमो जिलाध्यक्ष तनवीर आलम, सचिव मनोज ठाकुर, प्रखंड अध्यक्ष अरविंद यादव, मो. फारूक, गंगेश्वर सिंह, मंगरू सिंह, सागर यादव, रामवृक्ष सिंह, बेलाल अंसारी, चंदू कोरवा, सुनैना देवी, बिकेंद्र कोरवा, सुगनी देवी, टुनी साव, रामनाथ तूरी, भुखन कोरवा, बंधु राम, नौशाद मंसूरी, पहलवान सिंह सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे.

हटिया विधानसभा स्तरीय चूल्हा प्रमुख सम्मेलन सह शपथ ग्रहण समारोह

सरकार ने राज्य की बुनियाद को कर दिया कमजोर: सुदेश

हटिया विधानसभा स्तरीय चूल्हा प्रमुख सम्मेलन सह शपथ ग्रहण में सुदेश महतो व अन्य.

- राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए गांवों को करना होगा सशक्त
- सांगठनिक ढांचे के मजबूत आधार हैं चूल्हा प्रमुख

प्रमुख संवाददाता। रांची

आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो ने कहा है कि सरकार ने अपने कार्यकाल में शिक्षा, स्वास्थ्य और कानून व्यवस्था को ठप कर दिया है. राज्य की बुनियाद को कमजोर कर दिया है. खनिज संपदाओं की लूट और राज्यभर में व्याप्त भ्रष्टाचार इस सरकार की उपलब्धि है. वे रविवार को हटिया विधानसभा स्तरीय चूल्हा प्रमुख सम्मेलन सह शपथ ग्रहण समारोह में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए गांवों को सशक्त करना आवश्यक है. गांव का परिचय केवल शहर की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नहीं होगा. आत्मनिर्भर महिला ही आत्मनिर्भर गांव का आधार हैं. हमने महिलाओं को चौखट और घूंघट से निकालकर उन्हें सामाजिक और राजनीतिक सम्मान दिलाने का काम किया है.

सरकार को बेदखल करने के लिए एकजुटता जरूरी

सरकार को बेदखल करने के लिए हम सभी को एकजुट होकर मेहनत करना है. लीडर पर जनता को विश्वास होना चाहिए. जनता के विश्वास के बिना लीडर की कोई मान्यता नहीं. पढ़ाई, दवाई, न्याय और कमाई हमारा मूल एजेंडा है. जनता के बीच रहकर सरकार की वादाखिलाफियों से उन्हें अवगत करवाने का काम करें. राज्य में आवश्यक नेतृत्व परिवर्तन में आपकी सक्रियता अहम है. कार्यक्रम में मुख्य केंद्रीय प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत, जिप अध्यक्ष निर्मला भगत, हटिया विधानसभा प्रभारी भरत कांशी, जिप सदस्य रातू दक्षिणी मनीषा देवी, डॉ सुधीर यादव, ज्ञान सिन्हा, जीतेंद्र सिंह, अशोक नाग, नागेश्वर महतो, विक्की लोहरा, लीला तिर्की, मन्नू पांडे, योगेंद्र उरांव, राकेश साहू, जितेंद्र कांशी, आजम अंसारी, चिंटू मिश्रा सहित काफी संख्या में लोग मौजूद थे.

'कांग्रेस है आरक्षण और संविधान विरोधी'

झामुमो की सरकार अंबेडकर के सपनों की कर रही हत्या : लाल सिंह आर्या

- बांग्लादेशी घुसपैठियों के साथ भी खड़ी है झामुमो सरकार
- राहुल गांधी हैं बड़ी झूठ की मशीन

जानकारी देते लाल सिंह आर्या व अन्य.

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा के अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्या ने कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले इंडी गठबंधन के नेता संविधान की किताब दिखाते हुए कहते थे कि भाजपा को 400 सीट दे दी तो वे संविधान बदल देंगे. आरक्षण खत्म कर देंगे. कांग्रेस और इंडी गठबंधन ही संविधान और आरक्षण की रक्षा करेगी. राहुल गांधी ने ऐसा कर कुछ प्रतिशत वोट हासिल कर लिया. वोट लेने के बाद जैसे ही वे अमेरिका गए, वहां उन्होंने कहा कि हम सत्ता में आ गए तो आरक्षण खत्म कर देंगे. कांग्रेस का यह दोहरा चरित्र है. वे रविवार को बीजेपी प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि राहुल गांधी बड़ी झूठ की मशीन है. उन्होंने अपने चरित्र से भी सिद्ध किया है.

झारखंड में जाति प्रमाण पत्र के लिए करना पड़ता है आंदोलन : झारखंड में जाति प्रमाण पत्र बनाने के लिए जिलों में आंदोलन करना पड़ता है, लेकिन झामुमो की सरकार प्रमाण पत्र नहीं बनती है. ताकत के बल पर, सरकार के संरक्षण और डरा धमकाकर अनुसूचित जाति के लोगों का धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है. उनकी जमीनों पर कब्जा किया जा रहा है. एससी आयोग का गठन भाजपा की सरकार ने कराया था, लेकिन झामुमो की सरकार ने अब तक आयोग में नियुक्ति नहीं की है. रांची के महापौर की सीट आरक्षित हो गई, लेकिन बेईमानी करके उसे आरक्षित सीट को बदलने का काम झामुमो की सरकार ने किया है.

नेहरू ने भी की थी आरक्षण खत्म करने की बात

केवल राहुल गांधी आरक्षण खत्म करने की बात नहीं करते हैं बल्कि 1961 में तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने देश के सभी मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर कहा था कि हम आरक्षण का पक्ष में नहीं हैं. आरक्षण से दोयम दर्जे को लोग पैदा होते हैं. पिछड़ा वर्ग के आरक्षण के लिए काका कालेलकर की कमेटी पंडित नेहरू ने बनाई थी. आरक्षण देने के लिए जब रिपोर्ट आई, तब उन्होंने उसको खारिज कर दिया. इंदिरा गांधी ने मंडल आयोग बनाया, लेकिन मंडल आयोग की सिफारिश को कचरे में डाल दिया. राहुल गांधी, राजीव गांधी, इंदिरा गांधी, पंडित नेहरू यानी पूरी की पूरी कांग्रेस आरक्षण की विरोधी है. संविधान की भी विरोधी है.

धर्म परिवर्तन कराने वालों के साथ खड़ी है झामुमो सरकार

झामुमो की सरकार धर्म परिवर्तन कराने वालों के साथ खड़ी है. दलितों का हक मारने वाले बांग्लादेशी घुसपैठियों के साथ भी खड़ी है. चौकीदार की बहाली में झामुमो की सरकार ने अनुसूचित जाति के आरक्षण को शून्य कर दिया है. यह समाज का एक अंग है. यह सरकार गरीब विरोधी भी है.

राष्ट्रीय जूनियर महिला हॉकी चैंपियनशिप का लीग चरण संपन्न, आज से नॉकआउट

संवाददाता। रांची

रांची में आयोजित 14वीं हॉकी इंडिया राष्ट्रीय जूनियर महिला हॉकी चैंपियनशिप 2024 में रविवार को लीग चरण संपन्न हुआ. सोमवार से प्रतियोगिता के नॉकआउट चरण खेले जाएंगे. रांची के मरांग गोमके जयपाल सिंह हॉकी स्टेडियम में आयोजित प्रतियोगिता के सातवें दिन दो मुकाबले खेले गए. इसमें दिल्ली और बंगाल ने अपने-अपने मैच जीते. दिन का पहला मैच दिल्ली और पुडुचेरी के बीच खेला गया, जिसमें दिल्ली ने पुडुचेरी को 2-1 से पराजित किया. इस मैच में दिल्ली की अंशिका को मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का चुना गया. वहीं दिन का दूसरा मैच बंगाल और बिहार के बीच खेला गया, जिसमें बंगाल ने बिहार को 9-1 से मात दी. इस मैच में बंगाल की सेलेस्तिना होरो को मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार मिला.

सोमवार को चार क्वार्टर फाइनल मैच खेले जाएंगे: मध्यप्रदेश बनाम उत्तरप्रदेश, हरियाणा बनाम पंजाब, छत्तीसगढ़ बनाम ओडिशा, झारखंड बनाम महाराष्ट्र.

पीडीजे ने मां चतुर्भुजी मंदिर में टेका मत्था

केतार। मां चतुर्भुजी मंदिर के प्रांगण में शारदीय नवरात्र के चतुर्थी तिथि को जिला प्रधान सत्र न्यायाधीश नलिन कुमार ने सीजीएम विपुल कुमार, रजिस्टार महेंद्र पंडित सहित अन्य सहयोगियों के साथ मंदिर में मां चतुर्भुजी का दर्शन की एवं पूजा अर्चना किया. मंदिर विकास समिति के लोगों ने सभी लोगों को मां चतुर्भुजी मंदिर का प्रतिमा एवं चुनरी देकर सम्मानित किया. इसके पश्चात उन्होंने बताया कि इस मंदिर में आकर एक नया अनुभूति प्राप्त हुआ है, यहां के प्रबंधन लोगों द्वारा जो मान सम्मान प्राप्त हुआ है उसे कभी नहीं भूल सकते. इस मंदिर के बारे में उन्होंने बताया कि बहुत पहले से सुनते थे लेकिन आज इस मंदिर में पूजा अर्चना करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है. मैं यहां आकर काफी गदगद हूं, और मैं जब तक गढ़वा में रहूंगा हमेशा आने का प्रयास करूंगा.

सीआरपीएफ के सर्च अभियान में बूढ़ा पहाड़ पर मिले हैंड ग्रेनेड

गढ़वा। बूढ़ा पहाड़ में एक असरे के बाद विस्फोटक बरामद हुआ है.इस विस्फोटक को बूढ़ा पहाड़ में तराई में मौजूद थलिया इलाके से बरामद किया गया है. विस्फोटक बरामद होने के बाद सीआरपीएफ की टीम इलाके में सर्च अभियान चला रही है. सीआरपीएफ 172 बटालियन की टीम बूढ़ा पहाड़ के थालिया के इलाके में एंटी नक्सल सर्च अभियान चला रही थी. इसी सर्च अभियान में थलिया गांव में एक पेड़ के पास सीआरपीएफ के जवानों ने संदिग्ध सामग्री को देखा था.इसके बाद में जब मौके पर सर्च अभियान चलाया गया तो वहां से विस्फोटक बरामद हुआ है. इसमें दो ग्रेनेड को दो पेड़ों के बीच लगाया गया था, जिसे आपस में जोड़ा गया था जबकि छह डेटोनेटर भी मौजूद थे. सीआरपीएफ के जवानों ने ग्रेनेड और डेटोनेटर को जब्त कर लिया है. इस संबंध में गढ़वा एसपी दीपक कुमार पांडेय ने बताया सीआरपीएफ के जवान सर्च अभियान पर निकले थे. इसी क्रम में रविवार को उन्हें थलिया गांव में विस्फोटक बरामद हुआ है. इसमें हैंड ग्रेनेड और डेटोनेटर शामिल है. विस्फोटक मिलने के बाद इलाके में सर्च अभियान जारी है और निगरानी रखी जा रही है.

अनुबंध व अराजपत्रित कर्मी मिले सीएम से, जताया आभार

विशेष संवाददाता। रांची

झारखंड राज्य एम.पी.डब्ल्यू. कर्मचारी संघ, झारखंड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ एवं संविदा/अनुबंध/एकमुश्त झारखंड कर्मचारी संघ के एक प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिले. प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा उनकी मांगों को पूरा करने को लेकर मुख्यमंत्री के समक्ष हर्ष जताया और मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया. प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने मुख्यमंत्री से कहा कि राज्य सरकार विभिन्न विभागों के कर्मियों सहित सभी वर्ग-समुदाय को निरंतर उनका हक अधिकार देने का कार्य कर रही है. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने संयुक्त रूप से कुछ अन्य महत्वपूर्ण मांगों और अपनी भावनाओं से अवगत कराया. इस अवसर पर झारखंड राज्य एम.पी.डब्ल्यू. कर्मचारी संघ के अध्यक्ष पवन कुमार, महासचिव मंगल हेंब्रम, महामंत्री सुनील कुमार शाह, सरफराज अहमद, सलीम अंसारी व सैकड़ों की संख्या में संघ के सदस्यगण उपस्थित थे.

राजनीति

पूर्व मंत्री नीरा यादव की नजरें हैट्रिक पर,महागठबंधन पटखनी देने की जुगत की तैयारी में जुटी

राजद का गढ़ कोडरमा बनी भाजपा की कमल भूमि

- कोडरमा विधानसभा में 4.06 लाख मतदाता
- अन्नपूर्णा देवी के ईद-गिर्द घूमती रही सत्ता की धुरी

संवाददाता। रांची

अभ्रक नगरी कोडरमा का राजनीतिक इतिहास बहुत सुंदर रहा है. कांग्रेस के एकाधिकार वाले अभ्रक नगरी कोडरमा में समय के साथ सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ने वाले राजद ने अपनी मजबूत पकड़ बनाई तो पिछले कुछ वर्षों से यहां भाजपा ने अपनी स्थिति मजबूत कर ली है. वर्ष 2014 और 2019 के विधानसभा चुनावों में कोडरमा से भाजपा की डॉ.नीरा यादव जीत हासिल कर रही है. वैसे शुरुआती चुनाव परिणामों को देखें तो कोडरमा में पहली बार 1952 में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के अवध बिहारी दीक्षित जीत हासिल कर विधायक बने थे तो 1957 में छोटानागपुर संथाल परगना जनता पार्टी के जीपी त्रिपाठी ने जीत हासिल की थी. 1962 में यहां से कांग्रेस के अवध बिहारी दीक्षित विधायक बने.इन तीन चुनावों के बाद इस सीट पर कभी संघर्ष सोशलिस्ट पार्टी के विश्वनाथ मोदी तो कभी कांग्रेस के राजेंद्र नाथ दां की सत्ता रही. कोडरमा विधानसभा क्षेत्र में कुल मतदाताओं की संख्या 5 लाख से अधिक है. इनमें यादव, मुस्लिम और पिछड़ा वर्ग के मतदाताओं का दबदबा है. जबकि कुर्मी-कोयरी मतदाताओं की भी अच्छी संख्या है. हालांकि, वर्ष 1990 में अचानक इस सीट पर बड़ा फेरबदल हुआ और कोडरमा से जनता दल के उम्मीदवार रमेश प्रस्ारद यादव विधायक चुने गए. इस जीत के बाद लगातार कई वर्षों तक सत्ता की धुरी रमेश प्रसाद यादव और बाद में यहां से विधायक बनीं उनकी पत्नी अन्नपूर्णा देवी के ईद गिर्द घुमती रही. रमेश प्रसाद यादव के निधन के बाद 1998 के उप चुनाव में सहानुभूति लहर के बीच राजद की अन्नपूर्णा देवी ने भाजपा के रमेश सिंह को हराया. इसके बाद वह लगातार तीन बार वर्ष 2000, 2005 व 2009 में विधायक चुनी गई. राजद के इस गढ़ में पहली बार वर्ष 2014 में भाजपा की उम्मीदवार डॉ. नीरा यादव ने मजबूत सेंध लगाई और दिग्गज महिला नेत्री व उस समय मंत्री रही अन्नपूर्णा को पराजित किया.

2019 में नीरा यादव को अमिताभ चौधरी से मिली चुनौती : ससे पहले 2019 के विधानसभा चुनाव में डॉ. नीरा को राजद के उम्मीदवार अमिताभ चौधरी से चुनौती मिली थी. इस बार चुनाव को लेकर अलग-अलग दावेदार हैं. लेकिन इन स्थितियों के बीच कोडरमा में बिजली-पानी की समस्या बड़ा मुद्दा है.

नीरा यादव ने 2014 में अन्नपूर्णा देवी को किया पराजित

जिप उपाध्यक्ष से अचानक भाजपा की उम्मीदवार बनी डॉ.नीरा ने सत्ता विरोधी लहर और जातीय समीकरण को तोड़ते हुए 13 हजार 525 मत के अंतर से जीत हासिल की थी. विधानसभा के इस चुनाव के बाद पक्ष और विपक्ष के बीच तकरार का दौर चलता रहा, लेकिन 2019 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले तेजी से बदले राजनीतिक समीकरण में अन्नपूर्णा देवी ने भाजपा का दामन थाम लिया. कोडरमा से भाजपा की सांसद निर्वाचित हुई. 2024 में अन्नपूर्णा एक बार फिर भाजपा से सांसद निर्वाचित होकर केंद्रीय मंत्री बन चुकी हैं.

माता शबरी का प्राण प्रतिष्ठा एवं मंदिर का होगा उद्घाटन

मझिआंव। प्रखंड क्षेत्र के रामपुर पंचायत अंतर्गत बिड़ंडा गांव के भुइयों टोला में माता शबरी का प्राण प्रतिष्ठा एवं मंदिर का उद्घाटन किया जाएगा. इस संबंध में जानकारी देते हुए अनुसूचित जनजाति मोर्चा के मंडल अध्यक्ष शिवकुमार सिंह ने बताया कि माता शबरी के प्राण प्रतिष्ठा एवं मंदिर के उद्घाटन के लिए भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया है. इस भव्य रूप से आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप तौर पर पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सह स्थानीय विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी के कर कमलों द्वारा कार्यक्रम संपन्न कराया जाएगा. साथ ही उत्तर प्रदेश के वृंदावन से आए कलाकारों के द्वारा भव्य संगीत एवं नृत्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा.साथ ही उन्होंने प्रखंड क्षेत्र के तमाम लोगों से अपील करते हुए कहा है कि सोमवार को सुबह के 10 बजे अधिक से अधिक संख्या में आकर इस कार्यक्रम कि शोभा बढ़ावें एवं माता शबरी के आशीर्वाद का भागीदार बने.

संजय बाखला बने सिमडेगा के जिला परिवहन पदाधिकारी

रांची। संजय कुमार बखला को सिमडेगा का जिला परिवहन पदाधिकारी बनाया गया है. सुधीर प्रकाश को जिला परिवहन पदाधिकारी, लोहरदगा के पद पर पदस्थापित किया गया है. गिरिजा शंकर महतो को जिला परिवहन पदाधिकारी, सरायकेला-खरसावां की जिम्मेवारी सौंपी गई है. मिथिलेश कुमार चौधरी को जिला परिवहन पदाधिकारी साहिबगंज के पद पर पदस्थापित किया गया है. परिवहन विभाग ने इसका आदेश जारी कर दिया.

गहराते युद्ध के खतरे

पश्चिम एशिया में एक बड़े युद्ध के बादल फिर गहराने लगे हैं, जब ईरान ने इज़रायल पर बहुत बड़ा हमला बोल दिया है. बताया गया है कि ईरान ने आधे घंटे के भीतर एक के बाद एक करीब 200 बैलेस्टिक मिसाइलें इज़रायल पर बरसाईं. हमलावर देश का यह दावा है कि 90 फीसदी मिसाइलें निशानों पर सटीक गिरी हैं. अप्रैल में ईरान द्वारा इज़रायल पर किये गये हमले की तरह यह भी एक बड़ा आक्रमण बताया जाता है. इज़रायल ने जल्दी ही इसका बदला लेने की धमकी देते हुए कहा है कि वह ईरान का हाल गाज़ा की तरह कर देगा. उसने इसे ईरान की एक बड़ी गलती बतलाते हुए कहा है कि उसकी सेना बड़ा जवाब देने के लिए तैयार है. इज़रायल के रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने चेतावनी भरे लहजे में कहा है कि 'ईरान ने कोई सबक नहीं सीखा है. वह भूल गया है कि जो इज़रायल पर हमला करता है, उसे भारी कीमत चुकानी पड़ती है.'उधर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपने प्रशासन की एक उच्चस्तरीय बैठक बुलाई है. बाइडेन की नेतन्याहू से बात होगी. हालांकि ईरान ने अमेरिका को चेतावनी दी है कि वह दखलंदाजी न करे. युद्ध और माहौल की उग्रता को देखते हुए प्रतीत हो रहा है कि पूरे इलाके की शांति के लिए बड़ा खतरा सामने है. विश्व बिरादरी को इस क्षेत्र में शांति बहाली के लिए तत्काल कदम उठाने होंगे, वरना युद्ध बड़ा रूप ले सकता है. ईरान ऐसे वक्त में लड़ाई में कूदा है, जब इज़रायल पहले से ही लेबनान के साथ युद्ध में उलझा हुआ है. अन्य पड़ोसी मुल्क खासकर, मिस्र, इराक आदि लड़ाई में उतर आते हैं तो स्थिति विकट हो जायेगी. अब तक इन मिसाइलों से बड़ी हानि की सूचना नहीं है, पर बताया जाता है कि इससे वेस्ट बैंक में एक फिलीस्तीनी की मौत हो गयी है. सम्भवतः ईरान के हमले का आशय चेतावनी देना मात्र हो सकता है. अन्य देशों की आलोचना से बचने के लिए उसने नागरिकों पर ये हमले नहीं किये होंगे. फिर भी कहा नहीं जा सकता कि वहां नागरिक कितने सुरक्षित हैं. हो सकता है कि ईरान के अगले निशाने इज़रायल के रिहायशी क्षेत्र हों या यह भी हो सकता है कि अभी नुकसान की जानकारी सामने न आई हो. ईरान की इस्लामिक रिव्यॉल्यूशनरी गार्ड ऑफ कॉर्प्स (आईआरजीसी) की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि ये हमले हमास के चीफ़ इस्माइल हानिया, हिजबुल्लाह चीफ़ हसन नसरल्लाह और आईआरजीसी के कमांडर अब्बास निलफोरोशान की मौत का बदला लेने के लिए किये गये हैं. उसके अनुसार इज़रायल के तीन सैन्य ठिकानों पर भी हमले किये गये हैं. हालांकि इसकी अभी पुष्टि नहीं हुई है. याद हो कि इसी साल अप्रैल में ईरान ने इज़रायल पर एक बड़ा हमला किया था. उसके बाद जिसे शांति समझा जा रहा था दरअसल वह ईरान द्वारा इस हमले की तैयारी का दौर था. पिछले कुछ समय के अंतराल के बाद इज़रायल मौजूदा दौर में अपने पड़ोसी मुल्कों से इतने बड़े हमले झेल रहा है और वह रक्षात्मक मोड में दिखाई दे रहा है. गाज़ा में उसके द्वारा किये गये भीषण हमलों में जो तबाही हुई थी, उसके कारण अनेक देशों में उसके खिलाफ़ माहौल बना है.

> अप्रैल में ईरान द्वारा इज़रायल पर किये गये हमले की तरह यह भी एक बड़ा आक्रमण बताया जाता है. इज़रायल ने जल्दी ही इसका बदला लेने की धमकी देते हुए कहा है कि वह ईरान का हाल गाज़ा की तरह कर देगा.

सुभाषित

हेतुः समस्तजगतां त्रिगुणापि दोषैर्न ज्ञायसे हरिहरादिभिरप्यपारा।
सर्वाश्रयाखिलमिदं जगदंशभूतमव्याकृता हि परमा प्रकृतिस्त्वमाद्या॥

आप सम्पूर्ण जगत की उत्पत्ति में कारण हैं. आपमें तीनों गुण मौजूद हैं तो भी दोषों के साथ आपका संसर्ग नहीं जान पड़ता. भगवान् विष्णु और महादेवजी आदि देवता भी आपका पार नहीं पाते. आप ही सबका आश्रय हैं. यह समस्त जगत् आपका अंशभूत है, क्योंकि आप सबकी आदिभूत अव्याकृता परा प्रकृति हैं.

प. एशिया : जंग कितना करेगी तंग

जंग की आहट के बीच इजरायल–ईरान के बढ़ते तनाव का भारत की अर्थव्यवस्था पर व्यापक असर होगा, आयात–निर्यात से लेकर शेयर बाजार पर भी इसका असर दिखने लगा है. हालांकि जंग के हालात बने, तो इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ेगा, लेकिन भारत पर तो इसका सीधा असर दिखने लगा है. दुर्भाग्यवश, 7 अक्टूबर को ही पश्चिमी एशिया की जंग का एक साल पूरा हो रहा है.

• देश-काल

बृजेंद्र दुबे

ईरान लगातार इजरायल पर मिसाइलों से हमले कर रहा है. जवाब में इजरायल भी एकसाथ कई मोर्चों पर लड़ाई लड़ रहा है. इससे पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ता जा रहा है. भारत ने दोनों पक्षों से बातचीत और कूटनीति के जरिए समस्या का समाधान करने की अपील की है. पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने भारत समेत दुनिया भर के व्यापारियों को परेशानी में डाल दिया है. पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव लाल सागर में जहाजों की आवाजाही को प्रभावित कर सकता है. यूरोप, अमेरिका, अफ्रीका और पश्चिम एशिया से होने वाले व्यापार के लिए भारत लाल सागर पर निर्भर है. भारत के लिए माल लाने और ले जाने वाले जहाज स्वेज नहर होते हुए लाल सागर से ही आते-जाते हैं. लाल सागर में जहाजों पर होने वाले हमलों के लिए हूती के लड़ाके जिम्मेदार हैं. हूतियों को ईरान का समर्थन हासिल है. क्रिसिल की एक रिपोर्ट के मुताबिक 2023 में इस रूट से 400 अरब डॉलर का व्यापार हुआ था. आयात-निर्यात से जुड़े व्यापारियों को इस बात का भय सता रहा है कि अगर इजरायल-ईरान तनाव और बढ़ा, तो उसका असर लाल सागर में जहाजों की आवाजाही पर पड़ेगा. पश्चिम एशिया में तनाव का असर दिखने भी लगा है. अगस्त में निर्यात में नौ फीसदी की गिरावट देखी गई है. अगस्त में भारत के पेट्रोलियम निर्यात में 38 फीसदी की गिरावट देखी गई. इसकी वजह यह थी कि मुनाफा कम हो रहा था और शिपिंग की लागत बढ़ रही थी. इस वजह से निर्यातकों ने वैकल्पिक स्रोतों की तलाश की. खाड़ी सहयोग संगठन के देशों सऊदी अरब, यूएई, कुवैत और कतर के साथ भारत का व्यापार बढ़ा भी है. एक रिपोर्ट के मुताबिक इन देशों के साथ इस साल जनवरी से जुलाई के बीच व्यापार 17.8 फीसदी बढ़ा है. ये देश पश्चिम एशिया विवाद में तटस्थ बने हुए हैं. इसी अवधि में ईरान के साथ भी व्यापार में 15.2 फीसदी की तेजी देखी गई है. अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की रिपोर्ट के मुताबिक साल के पहले दो महीनों में स्वेज नहर से होने वाले व्यापार में 50 फीसदी तक की गिरावट आई है. वहीं पिछले साल की तुलना में केप ऑफ गुड होप के रास्ते होने वाले व्यापार में 74 फीसदी का उछाल आया है. इसके पीछे की वजह स्वेज नहर और लाल सागर के जरिए होने वाले व्यापार में आया व्यवधान है. इसका असर भारतीय कंपनियों के मुनाफे पर पड़ रहा है. खासकर वे कंपनियां कम कीमत के इंजीनियरिंग उत्पाद, कपड़ों आदि के निर्यात से जुड़ी हैं.

पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव भारत के महत्वाकांक्षी भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) की प्रगति को खतरे में डाल सकता है. इस परियोजना की घोषणा भारत ने बीते साल दिल्ली में आयोजित जी20 बैठक में की थी. इस परियोजना की कल्पना एक ऐसे आर्थिक कॉरिडोर के रूप में की गई है, जिसका उद्देश्य एशिया, पश्चिम एशिया और यूरोप के बीच समुद्र, रेल और सड़क यातायात की कनेक्टिविटी बढ़ा कर व्यापार के लिए एक नया रास्ता तैयार करना है. यह कॉरिडोर भारत, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, जॉर्डन, इसराइल और ग्रीस से जाएगा. इस परियोजना को चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) का जवाब माना जा रहा है. खाड़ी के देशों में लाखों भारतीय काम करते हैं. ये भारतीय बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा भारत भेजते हैं. खाड़ी के देशों की मुद्रा भारतीय रुपए की तुलना में बेहद मजबूत है. इसका फायदा कामगारों को होता है.

इजरायल-ईरान तनाव का बड़ा असर तेल की कीमतों पर पड़ रहा है. ईरान के मिसाइल हमले करने की आशंका के बीच ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में करीब तीन फीसदी का इजाफा हुआ था. ब्रेंट क्रूड में पांच फीसदी से अधिक का उछाल दर्ज किया गया. यह तनाव केवल ईरान और इजरायल तक ही सीमित नहीं रहेगा. इसका असर इराक, सऊदी अरब, कतर और यूएई तक हो सकता है. ये ऐसे देश हैं, जहां से भारत सबसे अधिक तेल का आयात करता है. तनाव बढ़ने पर सप्लाई और डिमांड में अंतर आएगा, इससे तेल के दाम बढ़ेगा, इसका असर आम लोगों की जेब पर पडेग़ा. भारत के बांबे स्टॉक एक्सचेंज के बीएसई ने अभी हाल में ही रिकॉर्ड बनाया था. बीएसई के सूचकांक ने 86 हजार का आंकड़ा छू लिया था. लेकिन पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और युद्ध के फैलने के बाद से बीएसई के सूचकांक में गिरावट देखी गई.

पश्चिम एशिया में ताजा तनाव से ईरान से कच्चा तेल आयात फिर से शुरू करने की योजना पटरी से उतर गई है. सरकार ने पश्चिम एशिया के ताजा तनाव को देखते हुए ईरान से तेल आयात करने की योजना को टाल दिया है. भारत उन देशों से तेल खरीदने से बचता रहा है, जिन पर अमेरिका में पाबंदी लगाई है. भारत और पश्चिम एशिया के देशों तेल के अलावा भी बहुत से ऐसी चीजें हैं, जिनका आयात-निर्यात होता है. भारत छोटी-बड़ी मशीनरी से लेकर दवाओं तक निर्यात पश्चिम एशिया के देशों को करता है. वहीं पश्चिम एशिया के देश भारत को तेल, प्राकृतिक गैस और उर्वरक निर्यात करते हैं. भारत और पश्चिम एशिया के देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार करीब 195 अरब डॉलर का है. इनके अलावा पश्चिम एशिया के निवेशकों ने बुनियादी ढांचा विकास और तकनीकी स्टार्टअप में निवेश किया हुआ है. पश्चिम एशिया की अस्थिरता इन सबको प्रभावित कर सकती है. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

• बोधि-वृक्ष | डॉ. मयंक मुरारी

सृष्टि में विराजमान शक्ति

ध्यान, मंत्र, व्रत, संकल्प, आराधना के माध्यम से हम आंतरिक जीवन को बाहर के ब्रह्मांडीय जीवन ऊर्जा के साथ संतुलन कायम करते हैं. इस नव दिन-रात के दौरान तीन दिन तक शरीर और प्राणवायु की शुद्धिकरण और सशक्तिकरण का कार्य करते हैं. यह स्थूल शरीर के पवित्रीकरण का कालखंड होता है. प्रकृति के स्थूल रूपों में परिवर्तन के साथ सौंदर्य और शक्ति का विकास होता है. प्रकृति खुद को सशक्त बनाती है. इसी प्रकार स्थूल शरीर भी हरे संक्रांति में बदलाव के लक्षण दिखते हैं. वैज्ञानिक भी बताते है कि करीब तीन महीने में सारे रक्तकोष नये हो जाते हैं. रक्त के जीवित अणुओं में जीवन और मृत्यु का चक्र कहीं अधिक गति से चलता रहता है. अंतःशरीर के ह्रास और वृद्धि में संतुलन के लिए संक्रमण के इन दिनों का उपयोग किया जाता है. जन्म से लेकर मृत्यु तक हरेक त्रैमासिक परिवर्तन शरीर के सारे ढांचे को पुनः नया बनाने में मनुष्य को एक अवसर प्रदान करता है. प्रकृति के इस आशीर्वाद को सकारात्मक दिशा देने का नवरात्र एक माध्यम बनता है. नवरात्र बाहर बिखरी ऊर्जा को स्वयं में आत्मसात करने का काल है. आंतरिक ऊर्जा से बड़ी कोई शक्ति नहीं होती है, इस कारण इन नव दिन-रात की अवधि में स्वयं को पहचाने का अवसर मिलता है. नव दिन का पहला तीन दिवस आत्मबोध और तीन दिन शक्ति संकलन तथा संचरण का होता है. सप्तमी से शक्ति जागरण के साथ खुद के लिए अर्थ प्राप्ति का समय होता है. नवरात्र की प्रत्येक रात्रि हमारे अंदर की सुप्त ऊर्जाओं और क्षमताओं की विभिन्न पहलुओं को प्रकट करती है. उन सुप्त ऊर्जाओं के प्रकटीकरण को नवशक्ति का नाम दिया गया है. शक्ति का नवरूप हमारे अंदर और इस सृष्टि में विराजमान आंतरिक ऊर्जा के नौ विलक्षण स्वरूप है. दुर्गा हमारी दुर्गति को दूर करने वाली शक्ति का नाम है. अंबा हमारी अंतकरण की रस से निकलने वाली अग्नि है. अंब का अर्थ भी होता है जल से निकलने वाली विद्युतीय शक्ति. पहले तीन दिवस ज्ञानबोध का काल है. प्रथम शैलपुत्री है जो तप और कर्म का प्रतिनिधित्व करती है. इस सृष्टि और हमारे अंदर की संकल्प शक्ति का नाम ब्रह्मचारिणी है जो विशिष्ट ध्येय की प्राप्ति के लिए तपस्वी का स्वरूप धारण करती है. जीवन में विशिष्ट ध्येय के लिए चंद्रमा के समान शांति जरूरी है. देवी चंद्रघटा का स्वरूप यह ज्ञानबोध कराती है.

जीवन की सुरक्षा और स्वतंत्रता का अतिक्रमण

• बदलाव

डॉ. रिपुदमन गुलाटी

डिजिटल युग के आगमन ने अभूतपूर्व तकनीकी प्रगति का युग शुरू किया है, जिससे हमारे रहने, काम करने और बातचीत करने के तरीके बदल गए हैं. जबकि ये नवाचार कई लाभ लाए हैं. इन्होंने गोपनीयता, नागरिक स्वतंत्रता और व्यक्तिगत स्वतंत्रताओं के क्षरण के बारे में भी गंभीर चिंताएं उठाई हैं, लेकिन निगरानी का बढ़ता सिलसिला हमारी आधुनिक दुनिया का एक अभिन्न अंग बन गया है. निगरानी, जो कभी केवल कानून प्रवर्तन और राष्ट्रीय सुरक्षा तक सीमित थी, ने अब ऑनलाइन व्यवहार की ट्रैकिंग करने से लेकर भौतिक आंदोलनों की निगरानी तक कई प्रकार की गतिविधियों को शामिल करने के लिए विस्तार किया है. सरकारें, कार्पोरेट और यहां तक कि व्यक्ति अब हमारे जीवन के बारे में बड़ी मात्रा में डेटा एकत्र कर सकता है, जिससे हमारे गोपनीयता के अधिकार की सीमा और दुर्व्यवहार की संभावना के बारे में प्रश्न उठते हैं.

निगरानी कैमरे अब सार्वजनिक स्थानों, सड़कों और स्टोरों से लेकर सरकारी भवनों तक में आम हो गए हैं. निःसंदेह, ये कैमरे अपराध को रोक सकते हैं और जांच में सहायता कर सकते हैं, लेकिन सार्वजनिक रूप से व्यक्तियों की निगरानी किस हद तक की जानी चाहिए, इसके बारे में भी प्रश्न उठाते हैं. चेहरे की पहचान प्रौद्योगिकी हाल के वर्षों में तेजी से विकसित हुई है, जिससे अधिकारियों को वास्तविक समय में व्यक्तियों की पहचान करने में सक्षम बनाया गया है. जबकि यह तकनीक कानून प्रवर्तन उद्देश्यों के लिए उपयोगी हो सकती है, इसने इसके दुरुपयोग की आशंका को भी बढ़ाया है. अध्ययन से पता चला है कि चेहरे की पहचान के एल्गोरिदम कुछ जनसांख्यिकी के खिलाफ पक्षपाती हो सकते हैं, विशेष रूप से रंग के लोगों के खिलाफ. यह पूर्वाग्रह भेदभावपूर्ण परिणामों में ले जा सकता है, जैसे गलत गिरफ्तारी या निरोध. सार्वजनिक स्थानों में चेहरे की पहचान प्रौद्योगिकी का व्यापक उपयोग बड़े पैमाने पर निगरानी और गोपनीयता के क्षरण के बारे में चिंताएं उठाता है.

कुछ आलोचकों का तर्क है कि निगरानी कैमरों का प्रसार एक 'पैनोप्टिकन प्रभाव' पैदा करता है, जहां व्यक्ति लगातार देखा जाना और निगरानी महसूस करते हैं, जिससे अभिव्यक्ति और व्यक्ति की स्वतंत्रता पर एक गहरा प्रभाव पड़ता है. निगरानी फुटेज का भंडारण और प्रतिधारण डेटा गोपनीयता और व्यक्तिगत जानकारी के दुरुपयोग की संभावना के बारे में चिंताएं उठाता है. पैनोप्टिकन प्रभाव एक सामाजिक सिद्धांत है, जो यह बताता है कि जब लोग लगातार निगरानी में महसूस करते हैं, तो वे अपने व्यवहार को बदलने और अधिक अनुपालन करने की अधिक संभावना रखते हैं. यह शब्द जेरमी बेंथम द्वारा डिजाइन किए गए एक काल्पनिक जेल से लिया गया है, जहां एक केंद्रीय गार्ड टॉवर से सभी कैदियों को देख सकता था, जबकि कैदियों को यह नहीं पता था कि वे देखे जा रहे हैं या नहीं. इस सिद्धांत के अनुसार, जब लोग सोचते हैं कि वे निगरानी में हैं, तो वे अपने व्यवहार को समाज की अपेक्षाओं के अनुरूप बनाने के लिए दबाव महसूस करते हैं. यह प्रभाव सत्ता के एक नये रूप में देखा जा सकता है, क्योंकि यह लोगों को नियंत्रित करने और उनके व्यवहार को बदलने के लिए उपयोग किया जा सकता है.

निगरानी के लाभ निर्विवाद हैं. इसने अपराध, आतंकवाद और सार्वजनिक स्वास्थ्य के खतरों का मुकाबला करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. निगरानी प्रणालियों ने अपराधियों की पहचान करने, हमलों को रोकने और बीमारियों के प्रसार को ट्रैक करने में मदद की है. इसके अलावा, उन्होंने ट्रैफिक प्रवाह में सुधार, संसाधन आवंटन का अनुकूलन और सार्वजनिक सुरक्षा बढ़ाने में योगदान दिया है. हालांकि, निगरानी के संभावित नुकसान भी उतने ही घातक हैं. व्यक्तिगत डेटा का बड़े पैमाने पर संग्रह रखना, मुक्त भाषण, संगति और असंतोष पर एक गहरा प्रभाव डाल सकता है. यह एक निगरानी समाज भी बना सकता है जहां व्यक्ति लगातार निगरानी महसूस करते हैं और अपनी अभिव्यक्ति की क्षमता में प्रतिबंधित महसूस करते हैं. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> **अध्ययन से पता चला है कि चेहरे की पहचान के एल्गोरिदम कुछ जनसांख्यिकी के खिलाफ पक्षपाती हो सकते हैं, विशेष रूप से रंग के लोगों के खिलाफ. यह पूर्वाग्रह भेदभावपूर्ण परिणामों में ले जा सकता है, जैसे गलत गिरफ्तारी या निरोध. सार्वजनिक स्थानों में चेहरे की पहचान प्रौद्योगिकी का व्यापक उपयोग बड़े पैमाने पर निगरानी और गोपनीयता के क्षरण के बारे में चिंताएं उठाता है.**

राजनीति से मुक्त रहें विज्ञान पुरस्कार

• सियासत

दिनेश सी. शर्मा

एक साहसिक और विरला कदम उठाते हुए, 175 वैज्ञानिकों और शिक्षाविदों ने देश में विज्ञान के क्षेत्र में दिए जाने वाले सम्मान राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार के राजनीतिकरण पर निराशा व्यक्त की है. इस पुरस्कार की स्थापना पिछले साल केंद्र सरकार ने की थी. कुछ सप्ताह पहले, प्रथम पारितोषिक समारोह में राष्ट्रपति द्वारा विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए जाने के तुरंत बाद चयन प्रक्रिया में राजनीतिक हस्तक्षेप की सुगबुगाहट शुरू हो गई थी. हुआ यह कि चयन समिति द्वारा भेजे गए तीन वैज्ञानिकों के नाम पुरस्कार विजेताओं की अंतिम सूची से गायब थे. जबकि समिति के कुछ सदस्यों ने अनौपचारिक रूप से उन्हें यह खबर बता दी थी. लेकिन बाद में उनको करारा झटका लगा. आशंका जताई गई कि उक्त विचाराधीन वैज्ञानिकों को उनके राजनीतिक विचारों और महत्वपूर्ण मुद्दों पर उनके रुख के कारण राष्ट्रीय सम्मान से वंचित किया गया.

एतराज का पहला संकेत शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार प्राप्त 26 विजेताओं ने जताया था, जब उन्होंने प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार (पीएसए) और राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार समिति के प्रमुख अजय सूद को पत्र लिखकर जानना चाहा कि क्या पैनल की सिफारिशें ज्यों की त्यों स्वीकार की गईं या फिर सरकार ने संशोधन किया है और उन्होंने पीएसए से अंतिम निर्णय पर पहुंचने में अपनाए गए मानदंडों का खुलासा करने का अनुरोध किया. यह मामला सार्वजनिक होने के बाद, सरकार ने चयन प्रक्रिया में ही बदलाव कर दिया, जिसके चलते 175 वैज्ञानिकों ने विरोध पत्र जारी किया. वैज्ञानिकों ने 24 सितंबर को पीएसए को लिखे पत्र में कहा- 'सरकार ने चयन मानदंडों में किया गया बदलाव अपने पोर्टल पर दर्शाया है और पुरस्कार समारोह से महज चंद दिन पहले अपलोड किए गए नए प्रारूप में एक नई लाइन जोड़ी गई है कि अब आपकी अध्यक्षता वाली चयन समिति अपनी सिफारिशें विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री को सौंपेगी'.

चयन प्रक्रिया में किया गया यह बदलाव राजनेताओं द्वारा चयन समिति का निर्णय खारिज करने या बदलने का मार्ग प्रशस्त करता है, जबकि यह समिति व्यावहारिक रूप से भारतीय वैज्ञानिक समुदाय का प्रतिनिधित्व करती है. समिति में वैज्ञानिक अकादमियों के अध्यक्षों के अलावा वैज्ञानिक विभागों के सचिव भी सदस्य हैं. वैज्ञानिक समुदाय को इसका आभास पहले ही हो गया था. सर्वप्रथम तो गृह मंत्रालय द्वारा समूचे वैज्ञानिक विभागों की बागडोर अपने हाथ में लेना और दर्जनों पुरस्कारों को समाप्त करना बेतुका था, जिसमें 1950 के दशक में वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद द्वारा स्थापित प्रतिष्ठित शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार और अन्य स्वायत्त विज्ञान अकादमियों द्वारा दिए जाने वाले पुरस्कार शामिल थे. श्रेष्ठ वैज्ञानिक कार्य को मान्यता देने को स्थापित किए गए पुरस्कारों और निष्पक्ष तरीकों को समाप्त करना तथा उनकी जगह एक नया सरकारी पुरस्कार शुरू करना, जिसमें कोई नकद राशि नहीं है, एक कठोर झटका है. तिस पर, नई पुरस्कार प्रक्रिया विश्वसनीयता के संकट का सामना कर रही है. अंतिम निर्णय एक राजनीतिक पदाधिकारी पर छोड़ने का मतलब है कि पुरस्कार विजेताओं के चयन में गैर-शैक्षणिक विचारों की भूमिका रहेगी.

पुरस्कारों से इतर, यह प्रसंग भारत में अकादमिक स्वतंत्रता और विज्ञान क्षेत्र के परिचालन के बारे में अहम सवाल उठाता है. प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों ने पत्र लिखकर पुरस्कार प्रकरण को 'भारतीय विज्ञान के लिए एक अस्वस्थ घटना' ठहराकर सही किया है. वैज्ञानिकों को चिंता है कि यह होने पर मंत्रियों द्वारा 'अबाध वीटो' का उपयोग करते हुए विशेषज्ञ समितियों की सिफारिशों को दरकिनार करने वाला चलन कायम हो जाएगा. पत्र में यह आशंका भी जताई गई है कि सरकार को न सुहाने वाले शिक्षाविदों को न केवल पुरस्कारों से बल्कि वैज्ञानिक अनुदान, भर्ती, पदोन्नति आदि से भी महरूम रखा जा सकता है. यह वैज्ञानिक कार्य पद्धति के बुनियादी सिद्धांतों के विरुद्ध है और वैज्ञानिक अनुसंधान के विकास के लिए अच्छा संकेत नहीं है. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> **वैज्ञानिकों ने 24 सितंबर को पीएसए को लिखे पत्र में कहा–'सरकार ने चयन मानदंडों में किया गया बदलाव अपने पोर्टल पर दर्शाया है और पुरस्कार समारोह से महज चंद दिन पहले अपलोड किए गए नए प्रारूप में एक नई लाइन जोड़ी गई है कि अब आपकी अध्यक्षता वाली चयन समिति अपनी सिफारिशें विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री को सौंपेगी'.**

मीडिया में अन्यत्र

विविधता को विभाजनकारी राजनीति से बचाना जरूरी

वर्ष 2024 के लोक सभा चुनावों के दौरान राजनीतिक बढ़त हासिल करने की हताश कोशिश में दोनों प्रमुख राजनीतिक ताकतों सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और विपक्षी कांग्रेसनीत 'इंडिया' गठबंधन ने विभाजनकारी राजनीतिक भाषणों के जरिये देश की विविधता को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया. सर्वोच्च न्यायालय ने उस समय इस ओर सबका ध्यान आकृष्ट किया, जब उसने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू को फटकार लगाई. यह फटकार नायडू के इस आरोप के लिए लगाई गई कि प्रदेश की पिछली वाईएसआर कांग्रेस पार्टी की सरकार के कार्यकाल में तिरुपति के लड्डुओं में पशुओं की चर्बी का इस्तेमाल किया गया.सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि नायडू को 'ईश्वर को राजनीति से दूर रखना चाहिए', खासकर ऐसे समय में जब मामले की जांच चल रही है और परीक्षण की जो रिपोर्ट सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं, वे प्रथम दृष्टया ऐसा संकेत नहीं देती हैं कि लड्डुओं में पशुओं की चर्बी है. परंतु लाखों हिंदुओं की गहरी धार्मिक आस्थाओं से जुड़े एक मुद्दे पर देश की सबसे बड़ी अदालत का पर्यवेक्षण जल्दी शांत नहीं होगा.इस विवाद ने विश्व हिंदू परिषद की उस पुरानी मांग के लिए आग में घी का काम किया है जिसके तहत वह चाहती है कि मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त किया जाए. अब उसने इसके लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान छेड़ने की बात कही है. संयोग से यह विवाद उस समय सामने आया है जब हरियाणा तथा जम्मू-कश्मीर में विधान सभा चुनाव हो रहे हैं और महाराष्ट्र और झारखंड में जल्द चुनाव होने हैं.राजनेताओं के लिए सांप्रदायिक तनाव बढ़ाना और नफरती भाषणों तथा धार्मिक और जातिवादी बातें करना एकदम आम हो चुका है. भारतीय निर्वाचन आयोग की आदर्श आचार संहिता के पहले बिंदु में कहा गया है, 'किसी राजनीतिक दल या प्रत्याशी को ऐसी किसी गतिविधि में शामिल नहीं होना चाहिए कि जो विभिन्न जातियों, समुदायों, धार्मिक या भाषाई समूहों के बीच तनाव पैदा करे, आपसी नफरत को बढ़ावा दे या पहले से मौजूद तनावों को और बढ़ाए.' इस बिंदु में यह भी कहा गया है, 'वोट हासिल करने के लिए जातियों या संप्रदायों से किसी तरह की अपील नहीं की जानी चाहिए और मस्जिद, चर्च, मंदिर या अन्य उपासना स्थलों को चुनावी प्रचार का केंद्र नहीं बनाया जाना चाहिए.'जनप्रतिनिधित्व अधिनियम (आरपीए), 1951 की धारा 123 (3) में कहा गया है कि धर्म, जाति, नस्ल, समुदाय या भाषा के आधार पर वोट मांगना भ्रष्ट चुनावी आचरण में आता है. **(बिजनेस स्टैंडर्ड)**

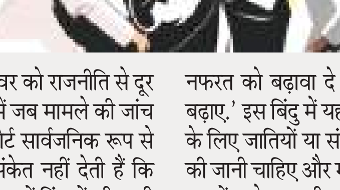

शब्द चर्चा | डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

शृंग/शुंग

हिमाद्रि तुंग शृंग से प्रबुद्ध शुद्ध भारती, स्वयंप्रभा समुज्ज्वला स्वतंत्रता पुकारती. महाकवि जयशंकर प्रसाद की यह कविता तो आपने अवश्य ही पढ़ी होगी और आपके मन में भी यह सवाल उठा होगा कि शृंग का मतलब क्या है. शृंग तत्सम शब्द है. मतलब संस्कृत के शब्द को मूल रूप में ही हिंदी में प्रयोग किया जाता है और उसका उदाहरण प्रसाद जी की यह कविता है. शृंग बहुअर्थी शब्द है, लेकिन इस कविता में इसका प्रयोग पर्वत के ऊपरी भाग, शिखर या चोटी के अर्थ में किया गया है. यानी हिमालय की ऊंची चोटी से प्रबुद्ध और शुद्ध सरस्वती के रूप में अपने आप प्रकाशित होनेवाली उज्ज्वला स्वतंत्रता पुकार रही है. शृंग का मतलब पशुओं आदि की सींग भी है तो कंगूरा भी. इसका मतलब प्राचीन काल में बजाये जानेवाला एक बाजा भी है तो कमल या पद्म भी. जीवक नाम अष्टवर्गीय औषधि भी शृंग ही कहलाती है. सोंठ और अदरक को भी शृंग कहते हैं. शृंग के अन्य अर्थ इस प्रकार हैं-प्रभुत्व, प्रधानता, काम की उत्तेजना, निशान, चिह्न, स्तन, एक प्राचीन ऋषि का नाम, पानी का फव्वारा या पिचकारी, ऊंचाई, चांद के समान ऊपरी हिस्से वाला चंद्रचूड़, किसी वस्तु का अग्रभाग, नोक, अभिमान, आत्मश्लाघा, वाण का नुकीला दंड, एक प्रकार का सेना का व्यूह, हाथी का दांत, उत्कर्ष, अभ्युदय. आपने प्राचीन भारत के एक सम्राट का नाम सुना होगा, पुष्यमित्र शुंग. यह भी सुना होगा कि शुंग राजवंश ने मौर्य शासन काल के बाद मगध पर शासन किया था. इतिहास के अनुसार शुंगराजवंशी सूर्य के उपासक थे. इनका कुलनाम शुंग कैसे पड़ा, इस बात की जानकारी तो नहीं मिल पायी है, लेकिन शुंग अनेकार्थक तत्सम शब्द है. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार शुंग का मतलब है वट वृक्ष, बरगद, पाकड़, अमड़े का वृक्ष, वृक्ष आदि का नया पत्ता, फूलों की पंखुड़ियों के नीचे की कटोरी.

नेता चिम्मन लाल ने देखा ऐसा सपना

• तीर-तुक्का

एस. के. पाण्डेय

चिम्मनलालजी बड़बड़ा रहे थे- नहीं, नहीं, मुझे माफ़ कर दो, मुझे माफ़ कर दो. उनकी पत्नी ने दौड़कर उन्हें जगाया और बोली सुबह-सुबह किससे माफ़ी मांग रहे हो. चिम्मनलालजी हड़बड़ा कर उठे और बोले एक बहुत ही खराब स्वप्न देख रहा था. उन्होंने स्वप्न सुनाना शुरू किया-आज मेरे स्वप्न में भारत में ओ हो गया था. जो पिछले साठ वर्षों में नहीं हुआ और न ही आगे होने की सम्भावना हैं. क्योंकि हम लोग ऐसा कभी नहीं होने देंगे. मैंने देखा, भारत में चारों ओर खुशहाली ही खुशहाली दिख रही थी. कोई भी ऐसा घर नहीं था जहां रोज चूल्हा न जलता हो. हर जगह अमीरी. गरीबी का नामोनिसान मिट गया था. पिछड़ा और अगड़ा वर्ग की विचारधारा ही समाप्त हो गई थी. देश में हर जगह पानी और बिजली की उचित व्यवस्था हो गई थी. हर नागरिक की रोटी, कपड़ा और मकान की सारी जरूरतें पूरी हो गईं थी. हर जगह पक्की रोड थी. झुग्गी-झोपड़ी महलों का रूप ले चुकी थीं. गांव और शहर की जैसे भिन्नता ही समाप्त हो गई थी. बड़े-बड़े अपराधी जो पहले खुलेआम घूमते थे. सब सलाखों के पीछे थे. जिसमें कई नामीगिरामी नेता भी थे. गुंडे-मवाली ऐसे गायब हो गए थे जैसे कुहरे में धूप. हम भागे-भागे फिर रहे थे. नेता हो या अभिनेता किसी को कोई छूट नहीं. आम और नाम में कोई भेद नहीं. सबके साथ एक सलूक. समान अपराध का समान दंड और समान काम का समान वेतन पूरे भारत में लागू था. आम आदमी की परिभाषा ही समाप्त हो गई थी. कहीं कोई भ्रष्टाचार नहीं था. कहीं कोई घोटाला नहीं था. कोई घूस का नाम तक नहीं लेता था. क्योंकि ऐसे लोगों के लिए आजीवन कठोर कारावास की व्यवस्था हो गई थी. लोग अब काम की बात करने लगे थे. काम यानी कर्तव्य ही धर्म है. लोग ऐसा सोचने और समझने लगे थे. सारे दफ्तर समय पर खुलने लगे थे. सारे काम समय पर निपटाए जाने लगे थे. 'शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा' की अभूतपूर्व व्यवस्था हो गई थी. कोई रोग से यानी इलाज के अभाव में नहीं मरता था. पास में पैसा न हो तो भी दवा की व्यवस्था थी. दवा और इलाज के नाम पर किसी के रोंगटें खड़े नहीं होते थे. कोई अशिक्षित नहीं था. ऐसी व्यवस्था थी, साथ ही गुरुओं ने अपनी गुरुता फिर से समझनी शुरू कर दी थी. अदालतों में वर्षों से पेंडिग मुकदमों का निपटारा हो गया था. न्याय के लिए गुहार का जोर नहीं, बल्कि अधिकार का जोर था. समझ में नहीं आ रहा था कि हमारे देश और समाज में अचानक इतना बड़ा परिवर्तन कैसे हो गया था. सभी खुश. किसी के पास दुख का नामोनिशान नहीं था. क्या कहूं प्रिये, मेरे दिल की धड़कन बढ़ गयी. सोचने लगा-अब क्या होगा. राजनीति का पूरा आधार टूट कर बिखर गया.

नवरात्र विशेष

महिमा शक्ति पूजा की

डॉ. कमल कुमार बोस

हिंदी साहित्य में शक्ति की महिमा के अनेक प्रसंग उद्धरित हुए हैं. राम की शक्ति पूजा निराला की अप्रतिम रचना है . ''तमसो मा ज्योतिर्गमय'' की भावना को पोषित करने वाली कविता है. अंधकार से प्रकाश की ओर जाने का मार्ग प्रशस्त करती है यह कविता. राम और रावण के संघर्ष के माध्यम से दो विरोधी शक्तियों की टकराहट को अभिव्यक्ति मिली है. यह टकराहट युगीन सच है आसुरी और देवी शक्तियों के बीच का द्वंद्व. इस कविता में पौराणिकता एवं आधुनिकता के स्वर घुल मिल गए हैं.

शक्ति के प्रति श्रद्धा भाव आस्था-भाव रख कर ही गृहस्थी की गाड़ी चलती है. भारतीय संस्कृति की प्राणधारा शक्ति के प्रति गहरी आस्था को पुष्ट करती है, कभी यह शक्ति प्रकृति के रूप में आदर्श होती है, कभी सृष्टि के संचालन रहस्य में शक्ति के रूप में पूजित होती है, तो कभी इष्ट देवी देवताओं के पूजन- अर्चन के रूप में प्रकाशित होती है. अनंत महिमामई शक्तिशाली विविध रंग रूप वाली प्रकृति से जुड़े पर्व त्यौहार हमारे जातीय जीवन के प्राण हैं-युग जीवन ने परिवर्तन के अनेक चरण पार किए. सभ्यता एवं राजनीति के क्षेत्र में अनेक पथ परिवर्तन हुए पर भक्ति की शक्ति की अनुभूति कभी कम न हुई, आस्था का यह प्रवाह कभी न रुका. विभिन्न पूजाओं के माध्यम से देवी शक्ति की आराधना में निश्चित रूप से पशुता आड़े नहीं होती, घृणा की कटुता नहीं होती, बल्कि यह तो हमारी आध्यात्मिक चेतना से हमारे मन-प्राण को अनप्राणितकरती है. हमारे पुरुष वैभव को, हमारी समस्त चेतना और साधना को पवित्र बनाती है. शक्ति पूजा हमारे तन मन की शक्ति को भी अगणित बनाती है. हमारी आस्था को गहन बनाती है, हमारी जिजीविषा को तीव्र बनाती है, विजय भूख मन में जगाती है, विजय का शंखनाद कर सके, इस योग्य हमें बनाती है. हमारे लिए शक्ति पूजा नहीं, आशा एवं नई जागृति का संचार कर नवजीवन का महामंत्र देती है. हमारी मान्यता है कि दुर्गा केवल शक्ति की प्रतीक नहीं मातृ शक्ति की प्रतीक हैं, नारी शक्ति की प्रतीक हैं - यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते तत्र-रमयन्ते देवता. नवरात्र का अनुष्ठान मातृशक्ति के स्मरण का अनुष्ठान है, हमारी चित्त शुद्धि का अनुष्ठान है. हमें संस्कारित करता है यह आयोजन.

हर युग का सच है रामत्व और रावणत्व के बीच का युद्ध

हिंदी साहित्य में शक्ति की महिमा के अनेक प्रसंग उद्धरित हुए हैं. राम की शक्ति पूजा निराला की अप्रतिम रचना है - "तमसो मा ज्योतिर्गमय" की भावना को पोषित करने वाली कविता है- अंधकार से प्रकाश की ओर जाने का मार्ग प्रशस्त करती है यह कविता- राम और रावण के संघर्ष के माध्यम से दो विरोधी शक्तियों की टकराहट को अभिव्यक्ति मिली है. यह टकराहट युगीन सच है आसुरी और देवी शक्तियों के बीच का द्वंद्व. इस कविता में पौराणिकता एवं आधुनिकता के स्वर घुल मिल गए हैं. कविता की शुरुआत 'रवि हुआ अस्त' से हुई है - कवि यह कहना चाहता है कि सूर्यवंशी राम किसी वंश परंपरा की ताकत से जीत नहीं सकेंगे. यह भी स्पष्ट है कि पूर्वजों की अर्जित ताकत भी इस युद्ध में राम की मदद नहीं करने वाली है. राम रावण का यह युद्ध साधारण नहीं असाधारण है, रामत्व और रावणत्व के बीच का युद्ध है - युद्ध की यह तस्वीर हर युग की तकदीर है. 'अन्याय जिधर है उधर शक्ति' यह सच चिन्तनीय है एवं निंदनीय भी. अन्यायी, अत्याचारी शक्ति एवं क्षमा का सदा दुरूपयोग करते हैं. तब आसुरी वृत्ति के आतंक का उन्मूलन करने हेतु दैवी शक्ति के रूप में राम अवतरित होते हैं. रावण से अधिक भयावह है उसकी शक्ति प्रवृत्ति. हर युग में अच्छाई, सच्चाई एवं मानवता के विरुद्ध शक्तियां खड़ी हो जाती हैं. महाकवि निराला के अभिशप्त जीवन को भी विरोधी शक्तियों का सामना करना ही पड़ा. राम की सीता की तरह कविवर निराला की सृजनात्मकता का भी अपहरण हुआ था जिससे मुक्ति पाने के लिए निराला को राम की तरह संघर्ष करना पड़ा था. राम ने आत्मान्वेषण की क्रिया के द्वारा योग के माध्यम से मन को उन्नत किया है. शक्ति की मौलिक कल्पना में मानव कल्याण की बड़ी भावना निहित है. शक्ति का मौलिक एवं संपूर्ण स्वरूप प्रकृति में व्याप्त है. दुर्गा रूप में सम्पूर्ण प्रकृति की शक्ति है - क्षिति, जल, पावक, गगन समीर सभी पर विजय प्राप्त कर राम शक्ति शाली साथ ही मर्यादा पुरुषोत्तम के रूप में प्रणम्य हैं.

होगी जय, होगी जय, हे पुरुषोत्तम...

राम का यह स्वरूप रूढ़ियों की वर्जना, लोक कल्याण की दृढ़ कामना एवं लोक न्याय की मजबूत स्थापना से निर्मित है. इस कथात्मक कविता में कथा एक ओर आधुनिकता से युक्त है, साथ ही अर्थ की अनेक जमीनों को छूती है. युगीन चेतना एवं आत्म संघर्ष का बहुत ही प्रभावशाली चित्र मनोवैज्ञनिक धरातल पर प्रस्तुत किया गया है. यह कविता एक ऐसा दर्पण है जिसमें हर युग के राम और रावण का भीषण युद्ध दिखाया गया है. राम जैसा व्यक्तित्व भी अपनी असमर्थता को स्वीकार कर रावण की अपरिमित शक्ति की सराहना करता है. बुरे दिन जामवंत द्वारा दी गई नसीहत अति मूल्यवान है-"दृढ़ आराधना का उत्तर दो आराधना से". यह सलाह राम के मन का स्पर्श करती है. अपनी साधना में मनोयोग से तल्लीन हो जाते हैं राम - पर दुर्भाग्य उनका साथ नहीं छोड़ता. साधना के अंतिम चरण में शक्ति पुनः उनके साथ घाट पर आती है, पूजा का अंतिम फूल उठा लिया राम ने, राम की चिन्तनीय दशा से आक्रांत हो जाते हैं .पर चिंतन और विवेक का साथ डगमगाते राम को संभाल देता है. अपनी एक आंख देवी पर चढाने को तत्पर राम जैसे ही बाण उठाते हैं, देवी आविर्भूत होती हैं, राम का हाथ पकड़ लेती हैं. विजय का वरदान देकर अंतर्ध्यान हो जाती हैं. "होगी जय, होगी जय, हे पुरुषोत्तम नवीन कह महाशक्ति राम के बदन में हुई लीन".

मुक्ति के लिए शक्ति की अनिवार्यता

विजय की यह प्रत्याशा हर व्यक्ति को संघर्षशील बनाती है, उसमें आत्मविश्वास बढाती है. यह कविता निराला की जीवन गाथा है. साथ ही उनकी आशावादिता एवं सफलता की द्योतक भी हैं. निराला ने राम को मानवी धरतल पर उतार कर उनके माध्यम से अपने युग को प्रस्तुत किया है. राम की सारी गतिविधियां एवं कार्य व्यापार हमारी तरह है. कविता का मुख्य विषय है सीता की मुक्ति और मुक्ति के लिए शक्ति की अनिवार्यता, शक्ति के बिना शिव भी शव है. राम भी करते हैं शक्ति की आराधना ताकि हो पूरी उनकी विजय की कामना. राम को अन्तर्द्वन्द्वों से युक्त दिखाया गया है और उन्हें अलौकिकता से लौकिक धरातल पर स्थापित किया गया है. जय और भय की आशंका को दूर करते हुए शक्ति की मौलिक कल्पना कर शक्ति को अर्जित करने के लिए पृष्ठभूमि तैयारी की गई है. आधुनिक भाव बोध से राम जुड़ते दिखाई पड़ते हैं.

हर भव बंधन कट जाएगा

वीना श्रीवास्तव

रौद्र रूप मां तेरा हमको, दुष्टों से बचाता है
सौम्य रूप तुम्हारा माता हरपल ही दुलराता है.
ब्रह्मा के वरदान के कारण महिषासुर उद्दंड हुआ
तीनों लोक की रक्षा हेतु तेरा आविर्भाव हुआ.
कृष्णा ने जो तुमको अपना सुदर्शन चक्र भेंट किया
भोलेनाथ ने भी तो तुमको अपना त्रिशूल भेंट किया.
सबने अपनी उर्जा देकर तेरा रूप साकार किया
दुष्टों के संघार की खातिर तेरा रूप आकार हुआ.
बाधाओं को दूर करे और समृद्धि तुमको दे जाए
छोटा - सा इक मंत्र हमारे बिगड़े काम बना जाए.
'ॐ दुं दुर्गाए नम:' का जाप हमेशा मन में करने से
हर भव बंधन कट जाएगा इनका सुमिरन करने से.

आस पूरी करो माता

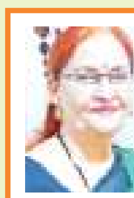

डॉ सुरिन्दर कौर नीलम

मां के नवरात आए, खुशियां सौगात लाए,
आह्वान करके मां को, घर पे बुलाइए.
उतर पहाड़ आई, शेर पे सवार आई,
चंदन के आसन पे, मैया को बिठाइए.
करके श्रृंगार पूरा, नथ, बिंदी लाल चूड़ा,
कंठ मोतियन माला, चुनरी चढ़ाइए.
कलश में गंगाजल, नैन प्रेम से सजल,
स्वागत में आरती का, थाल भी सजाइए.
शुभ - लाभ हाथ लिए, सरस्वती साथ लिए,
लक्ष्मी, जगन्नाथ लिए, जगदंबे आइए.
ममता की मूरत है, मनोहारी सूरत है,
शंख, चक्र, ढाल से मां, जोत बिखराइए.
महागौरी शक्ति मैया, अंबे जगदंबे मैया,
चरणों में विनती है, कृपा बरसाइए.
आस पूरी करो माता, तू ही जग की विधाता,
बेटियों पे आई है जो, विपदा हटाइए.

जो देना है, दे देना मां

नंदा पाण्डेय

हे,अगम्य अगोचर माँ !
तू तो सर्वज्ञ है
जो देना है, दे देना मां
जो लेना है, ले लेना!
हे मां !
तुम मुझे इतनी शक्ति देना
कि जिंदगी की सारी व्यथाओं को
हंसते हुए सह सकूं
व्यथा पाने से, उसे झेलने से
नहीं इनकार मुझे
बस,
देना व्यथा अपनी झोली से
न किसी से रंज होकर
मेरा मन कष्ट पाए
इतना ध्यान रखना मां.
जो देना है, दे देना मां!
जो लेना है, ले लेना.
कैसे पुकारें तुम्हें हम मैया
कि सुन ले तू मेरी पुकार
तू सत है मां ! मैं तम हूं
जानती हूं
सब विधि अयोग्य हूं मैं
फिर भी जिद है
तुम्हारी दृष्टि पाने की.
नहीं मांगती तुमसे कुछ भी
अपनी झोली के चंद फूल
बरसा देना पथ में
जो मुरझाये नहीं कभी
करते रहे शाश्वत सुगंधित
मुझे और मेरी राहों को.
जो देना है दे देना मां!
जो लेना है ले लेना मां!

अब लौट आओ न मां

सत्या शर्मा 'कीर्ति'

इस धरा - गगन के प्राण वायु
हो रहे क्षण- क्षण कलुषित मां
भर दो इसे स्नेह अमृत से
मुझमें ही बन ममता रूप
लौट आओ न शिवानी मां.
चारों ओर बिखरे महिषासुर
तार - तार करने अस्मत को
शुम्भ - निशुम्भ बढ़ते प्रतिपल
मुझमे ही बन काल रूप
लौट आओ न काली मां.
अशिक्षा और अज्ञान का
है फैला यूं साम्राज्य यहां
मिटा सकूं जग की अविद्या
मुझमें ही बन विद्या रूप
लौट आओ न शारदा मां.
लोभ - लालच का दैत्य बड़ा
करता घोर अनाचार यहां
दरिद्रता अग्नि से धरा बचाने
मुझमे ही बन श्री लक्ष्मी रूप
लौट आओ न लक्ष्मी मां.
पापियों का जुल्म बहुत
फैला है तेरे इस जगत में
दुष्टों के छल - बल को हरने
बन चंडी रूप मुझमें ही
आ लौट आओ न दुर्गा मां.
बच्चों का उद्धार करने
सृष्टि का विस्तार करने
भक्ति का संचार करने
अब लौट आओ न मेरी मां

मईया हमारी विनती सुन ले

हरिवंश प्रभात

मईया हमारी विनती सुनले यहां पर आकर
हम थक गए हैं कबसे, तुमको बुला बुलाकर.
माथे मुकुट विराजे, खप्पर त्रिशूल धारी,
लक्ष्मी भवानी दुर्गा, तुमने है रूप धारी,
दुनिया तमाम चलती, तुमसे ही दम ये पाकर.
फैली हुई उदासी, दुष्टों का बोलबाला,
चारो तरफ अंधेरा, फैला दो तुम उजाला,
ममता का दीप मईया, घर घर में तुम जलाकर.
जयकार हो रही है, गुणगान हो रहा है,
अक्षत व धूप दीप से, ध्यान हो रहा है,
पूजा की थाल रखे, चरणों में हम सज़ाकर.
विद्या का दान देना, वाणी सुधार देना,
कभी भटक न जाएं, सुन्दर विचार देना,
पूजा तेरी करेंगे मूर्ति तेरी बनाकर.

विजय पर्व में आओ मां

पद्मा मिश्रा

मन के आंगन सजा रंगोली, भाव पुष्प, ले करूं अर्चना
मां ममता का आंचल दे दो, नेह- स्वरो में करूं वंदना,
अपनी पावन करुणा, लेकर विजय पर्व में आओ मां !
घोर तिमिर छाया है जग में, मन प्राणों में घिरा अंधेरा,
सुख का सूरज कहीं खो गया, आज प्रतीक्षित सहज सबेरा,
बुद्धिरुपिणी, विमल शारदे ज्ञान ज्योति ले आओ मां,
विजय पर्व में आओ मां!!
अब सपनों के मुक्त गगन में, रंगों का वैभव बिखरा दो,
आलोकित हो जीवन का पथ, संकल्पों के दीप जला दो,
आशीषो के हों गान- गुंजरित, मातृमूर्ति, बन आओ मां
विजय पर्व में आओ मां!

दुर्गा-वंदना

निरंजन प्रसाद श्रीवास्तव

हे मां दुर्गे महिष मर्दिनी!
रूपं-रूपं-प्रतिरूपं विभु अणु
संधिनी-संवित्-आह्लादिनी
उतरो तुम सबके जीवन में
बनकर एक पुलक, एक आलोक
भर दो अनाजों में स्वाद
और फलों में मधु,
भर दो बनपाखियों के कंठ में मधुर गान
उतरो सबके जीवन में
बनकर प्रसन्न और आशीष.
जिससे एक शुभ मुहूर्त बन जाए प्रात:
सूर्य बन जाए दीप्त-वर्ण शब्द,
शब्द जिसमें जीवन की धड़कन हो
शब्द जो उगाए
टहनियों से पत्तियां, फूल और फल
मां हमें दो पकहर फसलें, मधुमय दानें,
स्फटिक-सा निर्मल जल की धार
और घर-घर का सांकल बजाती
कपाट खुलवाती
सार्थक-सहज-स्वस्थ
अपनी निजी भाषा.
उतरो तुम सबके जीवन में
बनकर एक उज्ज्वल उद्धार
मैं अकिंचन
लिखूंगा तुम्हारी महिमा के
श्लोक, छंद और गान
और करूंगा प्रतीक्षा
अपनी धरती पर
तुम्हारे पुनरागमन का.

कृपा करो हे मां जगदंबे

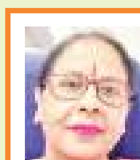

'मीनू' मीना सिन्हा

प्रसव की पीड़ा है जिंदगी
दिन कटते नहीं कटते रैन
पद-पंकज में ध्यान लगाए
दरस-तरस हुए मेरे नैन.
भूल गई थी तुझको कब मैं?
जिसको अब मैं याद करूं
कैसा जीवन पाया मैंने
नहीं अंत है नहीं शुरू.
दीप जला कर बैठ गई मैं
सांसों की जलती है बाती
अब तो सुध लो, मेरी माते!
जीवन-मृत्यु है आती-जाती.
छूटे जब इस तन से प्राण
रहना मेरे साथ ही अम्बे
मनभावन छवि हो नैनों में
कृपा करो हे मां जगदम्बे.

माता आई द्वार

रूणा रश्मि दीप्त

आई माता द्वार, करें सब पूजन वंदन.
ले उड़हुल का हार, करें मां का अभिनंदन.
खड्ग, चक्र, तलवार, अस्त्र हाथों में साजे
ममता लिए अपार, अंब की मूर्ति विराजे.
बिंदी सुर्ख अनूप, चुनरिया लाल सुहाए
माँ का अद्भुत रूप, देखकर मन हर्षाए.
धूप-दीप के साथ, भोग भी लेकर आते
जोड़े दोनों हाथ, भक्त दर्शन सुख पाते.
झुका हुआ है शीश, सभी का माँ के दर पर
देंगी मां आशीष, हाथ धरकर इस सर पर.
तजकर निज अभिमान, भक्त इस दर पर आते
मिलता है वरदान, शांति, सुख-वैभव पाते.
रूप धरे विकराल, दुष्ट दल को संहारे
समझे सबका हाल, भक्त का जीवन तारे.
रहती सिंह सवार, कष्ट इस जग के हरती
करें भक्तजन प्यार, झोलियां उनकी भरती.

नौ दुर्गा

गीता चौबे गूंज

नवरात्रि की आ गयी बेला
भक्तों के भावों का रेला
नौ दिन उत्सव खूब मनाएं
हृदय में भक्ति भाव जगाएं.
प्रथम दिन शैलपुत्री आयीं
सुता हिमालय की कहलायीं
वृषभारुढ़ा नाम पड़ा है
कर में कमल त्रिशूल धरा है.
एक हाथ में माला रखतीं
दूजे लिए कमंडल चलतीं
ब्रह्मचारिणी रूप यही है
ब्रह्माणी अनुरूप सही है.
चंद्र सरिस घंटा माथे पर
जहां चमकता रहता शशिधर
नाम चंद्रघंटा माता का
रहा चंद्रमा से है नाता.
चौथे दिन कुष्मांडा आतीं
अष्टभुजी माता कहलातीं
पंकज वाम हस्त में साजे
दाहिने अमृत-कलश विराजे.
पांचवा रूप स्कन्दमात है
तन-मन अर्पित किया साथ है
होतीं मां की चार भुजाएं.
रूप चतुर्भुज वो कहलाएं.
षष्ठी रूप माँ कात्यायनी हैं
अभय मुद्रा वरदायिनी हैं
लिया जन्म ऋषि कात्यायन घर
झरती स्वर्णिम किरणें झर-झर.
कालरात्रि है सप्तम रुपा
असुरविनाशक रूप अनूपा
स्याह रंग कुंतल बिखरा है
गर्दभ वाहन भी निखरा है.
अष्ट रूप गौरी को भज लें
शुभ्र वस्त्र, आभूषण उजले
श्वेत वृषभ है वाहन इनका
रूप परम पावन है जिनका.
सिद्धिदात्री नवम दिन आतीं
अष्टसिद्धि तब ही कहलातीं
करतीं माता सिंह सवारी
भक्ति की शक्ति है अति न्यारी.

नवरात्रि त्योहार

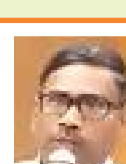

सदानंद सिंह यादव

आय गइलैय नवरात्रि त्योहार
चलौ मईया क मनाए
हमरी मईया महारानी छैय
तीनों लोक के रानी
संतान छैय सकल संसार,
चलौ सब शीश झुकाए
आय गईलैय नवरात्रि त्योहार
चलौ मईया के मनाए
सगरो पंडाल छैय लागल,
विधि सं पूजा हो रहल
सज गईलैय मईया के दरबार
चलौ दरशन कर आए
आय गईलैय नवरात्रि त्योहार
चलौ मईया के मनाए
रात- दिन नवदुर्गा मनाए
माई सं असरा गोहराए
लिए कपूर बाती के थार
चलौ आरती कर आए
आय गईलैय नवरात्रि त्योहार
चलौ मईया के मनाए
मईया पुरैथिन असरा
भरि देथिन सबके अंचरा
मईया के महिमा अपरंपार
चलौ खोईछा भरि आए
आय गैलैय नवरात्रि...
दशमी जे तिथि आई
चल दीए मईया के विदाई
फेरू अईह मईया अगला बार
हम एही मनाए
आय गईलैय नवरात्रि त्योहार
चलौ मईया के मनाए.

हे कालरात्रि, हे खड्गधारिणी

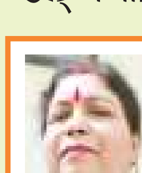

रेणु झा रेणुका

आया नवरात्रि का त्योहार,
नौ रुप मां के पूजूं हर बार,
हे दुख हरनी कल्याणी,
हे भक्तजन प्रति पालीनि,
हम सब करें तुम्हें प्रणाम!
हे कल्याणी करो कल्याण.
हे कालरात्रि, हे खड्गधारिणी,
नारी धरा पर कर रही त्राहिमाम,
फूल, कलियां सभी बेबस,
उठा खड्ग कर दु:शासन को तमाम.
हे भयहरणी, भवतारिणी,
माता पिता सहते नित अपमान,
बड़ी संकट में इनके प्राण,
संतानों को दो बुद्धि ज्ञान.
हे आदि अनादि, अविनाशी,
दानव से दानवता हर लो,
मानव में मानवता भर दो,
अपनी निरंकार ज्योत से,
भर दो कपूतों में सद्बुद्धि ज्ञान,
हे दुख हरनी, मंगल करनी तुम्हें प्रणाम.
हे त्रिपुर सुंदरी, शक्तिरूपा,
वर दे मां, हर घर खुशियां झूमे,
भरे अन्न से खेत खलिहान,
हे दसविद्या, नौ दुर्गा,
दया करो मां, हम सब तेरी संतान.

एशो मां दुर्गा

बिंदु प्रसाद रिद्धिमा

संकेतक शरद ऋतु का आगमन
वर्षा ऋतु का हुआ समापन
ओस की बूंदों से मैं गीला
स्वर्णिम किरणों से लेता हिचकोला
दूर क्षितिज तलक हरीतिमा जब छायी
बादल सी चादर में धरा समायी
हरियाली फसलें जब लहलहाती
शुभ्र स्वेत कांस फूल तब बलखाती
ताल तलैया संग मैं धरा पर जहां तहां
ढाक बजाओ संदेश पहुंचाता यहां वहां
दसों दिशाएं कुसुमित पल्लवित
अड़हुल जवा कमल से चहुंओर सुगंधित
मध्मय मंद हवाओं से भी झुक जाते
छोटी आयु पर पुरवा पहचान दर्शाते
तुम्हारे आने से वातावरण आनंदित
आयी मां दुर्गा भवानी
शुभ मंगलमय जग में सब हर्षित.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

पहला टी20 मैच: एकतरफा मुकाबले में भारत ने बांग्लादेश के छक्के छुड़ाए, 7 विकेट से हराया

एजेंसी। ग्वालियर

वरुण चक्रवर्ती ने 4 ओवर में 31 रन देकर 3 विकेट लिए

ग्वालियर में भारत और बांग्लादेश के बीच तीन मैचों के टी20 सीरीज का पहला मैच रविवार को खेला गया. इसमें भारत ने बांग्लादेश को आसानी से हरा दिया. पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश की टीम 19.5 ओवर में 127 रन बनाकर ऑलआउट हो गयी. इसके जवाब में टीम इंडिया ने धमाकेदार बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश को 9.1 ओवर शेष रहते सात विकेट से हराया. भारत ने 11.5 ओवर में 132 रन बनाकर मैच को जीत लिया. बांग्लादेश के 127 रन के जवाब में टीम इंडिया की ओर से संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा ने धमाकेदार अंदाज में बैटिंग की शुरुआत की. संजू ने 19 बॉल पर 29 रन बनाकर आउट हुए. वहीं अभिषेक शर्मा 16 रन बनाकर रनआउट हो गए. फिर कप्तान सूर्यकुमार यादव ने धुआंधार पारी खेली. तीन छक्के और दो चौके की मदद से 14 बॉल में 29 रन बनाए. उन्हें मुस्तफिजिर ने आउट किया. फिर नीतीश कुमार रेड्डी और हार्दिक पांड्या ने बल्लेबाजी संभाली. हार्दिक पांड्या 39 और नीतीश 16 रन बनाकर नाबाद रहे.इससे पूर्व बांग्लादेश ने भारत के खिलाफ टी20 मैच में पहले खेलते हुए 127 रन बना लिए हैं. बांग्लादेश के बल्लेबाज शुरू से ही संघर्ष करते दिखे और टीम की ओर से सबसे अधिक रन मेहदी हसन मिराज ने बनाए, जिनके बल्ले से 35 रन निकले. टीम इंडिया की ओर से मयंक यादव और नितीश कुमार रेड्डी ने इस मैच में डेब्यू किया. गेंदबाजी में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट वरुण चक्रवर्ती और अर्शदीप सिंह ने लिए, उन दोनों ने मेहमान टीम के 3-3 बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा. इस मैच में भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया, जो सही भी साबित हुआ. बांग्लादेश को अर्शदीप सिंह ने शुरुआत में ही लिटन दास और फिर परवेज हुसैन को आउट करके 2 शुरुआती झटके दिए. आलम यह था कि बांग्लादेश की आधी टीम 57 रन के स्कोर तक पवेलियन लौट चुकी थी. कप्तान नजमुल शांतो काफी देर तक क्रीज पर टिके रहे, लेकिन वॉशिंग्टन सुंदर ने उन्हें अपनी ही गेंद पर कैच आउट कर दिया. महमूदउल्लाह का अनुभव और जेकर अली का टैलेंट भी भारतीय गेंदबाजी के आगे धरा रह गया. इस बीच वापसी कर रहे मेहदी हसन ने एक छोर संभाले रखा. उनकी तस्कीन अहमद (12 रन) के साथ 23 रन की छोटी लेकिन महत्वपूर्ण पार्टनरशिप के बल पर बांग्लादेश टीम ने 100 रन का आंकड़ा पार किया. मेहदी हसन 35 रन बनाकर अंत तक नाबाद रहे. इस तरह बांग्लादेश की पूरी टीम 127 रनों पर ऑलआउट हो गई.

वरुण चक्रवर्ती की शानदार वापसी

वरुण चक्रवर्ती ने साल 2021 के बाद भारत की टी20 टीम में वापसी की है. वापसी पर अपने पहले ही मैच में उन्होंने 4 ओवरों में 31 रन देकर 3 विकेट लिए. उन्होंने ताहिद हृदय (12 रन), जेकर अली को केवल 8 रन बनाने दिए और तीसरे विकेट के रूप में उन्होंने रिशाद हुसैन को 11 के स्कोर पर हार्दिक पांड्या के हाथों कैच आउट करवाया. उनके अलावा अर्शदीप सिंह ने भी गेंदबाजी से कहर बरपाया, जिन्होंने 3 .5 ओवरों में मात्र 14 रन देकर 3 विकेट चटकाए. हार्दिक पांड्या, मयंक यादव और वॉशिंग्टन सुंदर ने भी एक-एक विकेट लिया.

टी20 विमेंस वर्ल्ड कप-2024 : टीम इंडिया की धमाकेदार वापसी

भारत ने पाक को 6 विकेट से हराया

एजेंसी। दुबई

टी20 विमेंस वर्ल्ड कप 2024 में टीम इंडिया ने रविवार को दुबई में धमाकेदार वापसी की. पहला मैच हारने के बाद टीम इंडिया ने दूसरे मैच में पाकिस्तान को 6 विकेट से हराकर सेमीफाइनल की अपनी उम्मीदों को जीवित रखा है. मैच में भारत ने पाकिस्तान को पहले 105 रन पर रोक दिया. इसके बाद टीम इंडिया ने चार विकेट गंवाकर सात गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया. हरमनप्रीत कौर एंड कंपनी को पहले मैच में न्यूजीलैंड ने 58 रन से मात दी थी. भारतीय टीम को लीग स्टेज में अभी दो मैच और खेलने हैं. टीम इंडिया बुधवार (9 अक्टूबर) को श्रीलंका से भिड़ेगी, वहीं 13 अक्टूबर को उसका सामना ऑस्ट्रेलिया से होगा. शेफाली 35 गेंदों पर 32 रन बनाए.

पाकिस्तान की ओर से रखे गए 106 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने 18.5 ओवर में 4 विकेट के नुकसान108 रन बनाए. ओपनर स्मृति मंधाना 18 के स्कोर पर आउट हुईं. मंधाना को 7 रन पर सादिया इकबाल ने तुबा हसन के हाथों कैच कराया. इसके बाद शेफाली वर्मा और जेमिमा रॉड्रिग्स ने पारी को संभाला. भारत ने 10 ओवर में एक विकेट पर 50 रन बना लिए थे. शेफाली 35 गेंदों पर 32 रन बनाकर आउट हुईं. जेमिमा रॉड्रिग्स 23 गेंदों पर 28 रन बनाकर पवेलियन लौटीं. विकेटकीपर ऋचा घोष पहली ही गेंद पर विकेटकीपर को कैच थमाकर पवेलियन लौट गईं. कप्तान हरमनप्रीत कौर 29 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुईं.

नौ अक्टूबर को श्रीलंका से भिड़ेगी टीम इंडिया

पाकिस्तान की टीम 105 रन पर हुई ढेर

इससे पहले दुबई में खेले गए मैच में भारत ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए पाकिस्तान को 8 विकेट पर 105 रन पर रोक दिया. भारत के लिए श्रेयंका पाटिल और अरुंधति रेड्डी ने किफायती गेंदबाजी की. अरुंधति ने 4 ओवर में 19 रन पर तीन विकेट लेकर टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया. श्रेयंका ने चार ओवर में 12 रन देकर दो विकेट चटकाए. जबकि रेणुका सिंह, दीप्ति शर्मा और सोभना आशा को एक-एक सफलता मिली. पाकिस्तान के लिए अनुभवी निदा डार ने सबसे ज्यादा 28 रन का योगदान दिया. पूर्व कप्तान ने 34 गेंद की अपनी पारी में एक चौका चौका जड़ा. सलामी बल्लेबाज मुनीबा अली ने 26 गेंद में दो चौके की मदद से 17 जबकि निचले क्रम में सैयदा अरूब शाह ने 17 गेंद में नाबाद 14 रन बनाए .रेणुका ने पहले ओवर में ही गुल को पवेलियन भेजा

रेणुका ने पहले ओवर में ही गुल फिरोजा को खाता खोले बगैर बोल्ड किया. मुनीबा ने हालांकि इस गेंदबाज के दूसरे ओवर में दो चौके के साथ रन गति को तेज किया. दूसरे छोर से सिदरा अमीन (आठ) दीप्ति के खिलाफ स्वीप शॉट पर चौका लगाने के बाद इस तरह के दूसरे प्रयास में बोल्ड हो गई. पावर प्ले में पाकिस्तान ने दो विकेट पर 29 रन बना लिए थे. अरुंधति की गेंद पर शॉर्ट फाइन लेग पर आशा ने मुनीबा का बेहद आसान कैच टपका दिया लेकिन इसी ओवर में शेफाली ने ओमाइमा सोहैल (3) के कैच को लपकने में कोई गलती नहीं की. पाकिस्तान के बल्लेबाज बड़ा शॉट खेलने की कोशिश कर रहे थे लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने शिकंजा कस रखा था. मुनीबा श्रेयंका के खिलाफ क्रीज से बाहर निकली लेकिन गेंद और बल्ले का संपर्क नहीं हुआ और विकेटकीपर ऋचा घोष ने गिल्लियां बिखेरने में देर नहीं लगाई. श्रेयंका का यह ओवर मेडन रहा जिससे 10 ओवर के बाद पाकिस्तान का स्कोर चार विकेट पर 41 रन था. निदा ने रेणुका के खिलाफ 11वें ओवर की आखिरी गेंद पर चौका लगाकर 38 गेंद के सूखे को खत्म किया. पाकिस्तान ने अगले ओवर में अपना अर्धशतक पूरा किया लेकिन अरुंधति ने 13वें ओवर में आलिया रियाज (चार) को एलबीडब्ल्यू आउट कर आधी टीम को पवेलियन भेज दिया. इसी ओवर में आशा ने मैच का अपना दूसरा कैच टपकाकर निदा को जीवनदान दिया. पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना ने अगले ओवर में आशा के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाकर लगातार दो चौके जड़े लेकिन तीसरे प्रयास में गेंद ने उनके बल्ले का ऊपरी किनारा लिया और विकेट के पीछे ऋचा ने शानदार कैच लपक कर उनकी आठ गेंद में 13 रन की आक्रामक पारी को खत्म किया.

श्रेयंका ने तुबा हसन को खाता खोले बगैर पवेलियन का रास्ता दिखाया. सैयदा ने इस बीच दीप्ति के खिलाफ चौका लगाया. अरुंधति ने 20वें ओवर में निदा को बोल्ड किया लेकिन नाशरा संधू ने आखिरी दो गेंदों पर एक चौके की मदद से नाबाद छह रन बनाकर टीम के स्कोर को 100 के पार पहुंचाया.

भारतीय महिला टीम ने एशिया रग्बी सेवंस ट्रॉफी में जीता रजत पदक

एजेंसी। काठमांडू

भारतीय महिला टीम के चौथी बार एशिया रग्बी सेवंस ट्रॉफी में उपविजेता रहने पर रग्बी इंडिया के अध्यक्ष राहुल बोस ने कहा कि हालांकि टीम इस परिणाम से निराश है, लेकिन उनका रजत पदक राष्ट्रीय टीम के लिए एक सराहनीय परिणाम रहेगा. भारतीय महिला टीम फाइनल में फिलीपींस से मामूली अंतर से हार गई. शिखा यादव की अगुवाई में, भारतीय रग्बी महिला टीम ने शानदार खेल दिखाया लेकिन 7-5 के स्कोर के साथ फाइनल में मामूली अंतर से हार गई. भारतीय रग्बी फुटबॉल संघ के अध्यक्ष राहुल बोस ने कहा, जबकि टीम इस तरह के करीबी मुकाबले के बाद, इस संस्करण में स्वर्ण नहीं जीत पाने से निराश है, लेकिन जिस तरह से उन्होंने शानदार, बिना किसी रोक-टोक के सेवंस रग्बी खेला, उससे वे अपना सिर ऊंचा रख सकते हैं. रजत पदक हमारी राष्ट्रीय महिला टीम के लिए एक सराहनीय परिणाम है. जबकि रग्बी इंडिया लगातार रजत को स्वर्ण में बदलने और एशिया की शीर्ष टीमों में अपना नाम दर्ज कराने का प्रयास करेगी, लगातार चार रजत पदक जीतना पारिस्थितिकी तंत्र की स्थिरता और क्षमता का प्रमाण है. टीम का फाइनल तक का सफर काफी आसान रहा, क्योंकि उन्होंने सेमीफाइनल में गुआम को 24-7 के बड़े अंतर से हराया और श्रीलंका को 29-10 और इंडोनेशिया को 17-10 से हराकर अपनी स्थिति मजबूत करते हुए तालिका में शीर्ष पर क्वालीफाई किया.

हमने चयन में निरंतरता बनाए रखी है: शान मसूद

मुल्तान। पाकिस्तान के टेस्ट कप्तान शान मसूद ने कहा कि उन्होंने सोमवार से मुल्तान में इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाले पहले टेस्ट के लिए प्लेइंग 11 की घोषणा करने में चयन में निरंतरता बनाए रखी है. तीन मैचों की श्रृंखला के पहले टेस्ट के लिए शाहीन शाह अफरीदी, नसीम शाह और आमिर जमाल की तेज गेंदबाजी तिकड़ी पाकिस्तान की टीम में वापस आ गई है. पाकिस्तान ने अपनी धरती पर आखिरी टेस्ट जीत फरवरी 2021 में रावलपिंडी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दर्ज की थी. तब से पाकिस्तान ने लगातार छह मैच हारे हैं और चार ड्रॉ खेले हैं - 1952 में टेस्ट दर्जा हासिल करने के बाद से यह उनका सबसे लंबा जीत रहित दौर है.

डब्ल्यूटीटी चाइना स्मैश: चीनी पैडलर्स ने पुरुष और महिला युगल ट्रॉफी जीती

एजेंसी। बीजिंग (चीन)

चीन के वांग चुकिन और लियांग जिंगकुन ने यहां विश्व टेबल टेनिस (डब्ल्यूटीटी) चाइना स्मैश में पुरुष युगल खिताब जीतने के लिए टीम के साथी लिन शिडोंग और लिन गाओयुआन के खिलाफ पांच गेमों में जीत हासिल की. इस बीच, चेन ज़िंगटोंग और कियान तियानयी ने सभी चीनी महिलाओं के युगल फाइनल में चार गेमों में सन यिंगशा और वांग यिदी को हराया. चौथी वरीयता प्राप्त जोड़ी वांग/लियांग ने 8-11, 4-11, 11-6, 11-8, 11-9 के स्कोर के साथ जीत हासिल करने के लिए संघर्ष किया. लियांग ने जीत के बाद कहा, हमने युगल खिताब के लिए लंबे समय तक इंतजार किया और दो गेम से पिछड़ने के बाद भी हार नहीं मानी. मैच के बाद 24 वर्षीय वांग ने कहा, यह डब्ल्यूटीटी इवेंट में लियांग के साथ जोड़ी बनाकर मेरी पहली डबल्स ट्रॉफी है. हमने स्थिति को बदलने के लिए कौशल और रणनीति पर ध्यान केंद्रित किया." शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, महिला डबल्स फाइनल में चेन/कियान ने सन/वांग को 12-10, 12-10, 3-11, 11-7 से हराकर अपनी जीत पक्की की. सिंगल सेमीफाइनल बेस्ट-ऑफ-सेवन प्रारूप में खेले गए और चीन ने पहले ही पुरुष और महिला दोनों सिंगल्स खिताब पर कब्ज़ा सुनिश्चित कर लिया है.

चोट के कारण लुओंगो की ऑस्ट्रेलियाई वापसी रुकी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के मिडफील्डर मैसिमो लुओंगो की अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से वापसी फिलहाल रुक गई है, क्योंकि उन्हें टखने की चोट के कारण चीन और जापान के खिलाफ फीफा 2026 वर्ल्ड कप क्वालिफायर मैचों से बाहर कर दिया गया है, पिछले हफ्ते, प्रीमियर लीग के इप्सविच टाउन एफसी के लिए खेलने वाले लुओंगो ने अंतरराष्ट्रीय रिटायरमेंट से वापसी की थी और 26 सदस्यीय ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल हुए थे, लेकिन अब चोट के कारण वह बाहर हो गए हैं, इसके साथ ही एक और मिडफील्डर, कॉनर मेटकाल्फ को भी पैर की चोट के कारण टीम से बाहर कर दिया गया है, वह रविवार को बुंदेसलीगा के सेंट पाउली क्लब की मैन्ज के खिलाफ 3-0 की हार में नहीं खेले थे.

सुल्तान ऑफ जोहोर कप के लिए 18 सदस्यीय जूनियर टीम की घोषणा

एजेंसी। बेंगलुरु

हॉकी इंडिया ने रविवार को 18 सदस्यीय जूनियर पुरुष टीम की घोषणा की, जो मलेशिया में सुल्तान ऑफ जोहोर कप के 12वें संस्करण में भाग लेने के लिए तैयार है. नवनियुक्त मुख्य कोच पीआर श्रीजेश मलेशिया में टीम की कमान संभालेंगे, जबकि आमिर अली कप्तान होंगे और रोहित उनके डिप्टी होंगे. भारत अपने अभियान की शुरुआत 19 अक्टूबर को जापान के खिलाफ करेगा, उसके बाद 20 अक्टूबर को ग्रेट ब्रिटेन से भिड़ेगा. एक दिन के आराम के बाद, भारत 22 अक्टूबर को मेजबान मलेशिया से भिड़ेगा और उसके बाद 23 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया से मुकाबला होगा. आखिरी ग्रुप स्टेज मैच में, 25 अक्टूबर को, भारत न्यूजीलैंड से भिड़ेगा और 26 अक्टूबर को होने वाले फाइनल में पहुंचने के लिए पूल में शीर्ष दो टीमों में शामिल होने की उम्मीद करेगा.

टीम गोलकीपर : बिक्रमजीत सिंह, अली खान, डिफेंडर : अमीर अली (कप्तान), तलेम प्रियोबार्ता, शारदानंद तिवारी, सुखविंदर, अनमोल एक्का, रोहित (उपकप्तान) मिडफील्डर : अंकित पाल, मनमीत सिंह, रोसन कुजूर, मुकेश टोप्पो, चंदन यादव फॉरवर्ड : गुरजोत सिंह, सौरभ आनंद कुशवाह, दिलराज सिंह, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद कोनैन दाद.

मुल्तान टेस्ट मैच के लिए पाकिस्तान टीम का ऐलान

- पाकिस्तान की प्लेइंग इलेवन में आमिर की हुई वापसी
- इंग्लैंड के साथ आज से मुल्तान में शुरू हो रहा पहला टेस्ट

एजेंसी। कराची

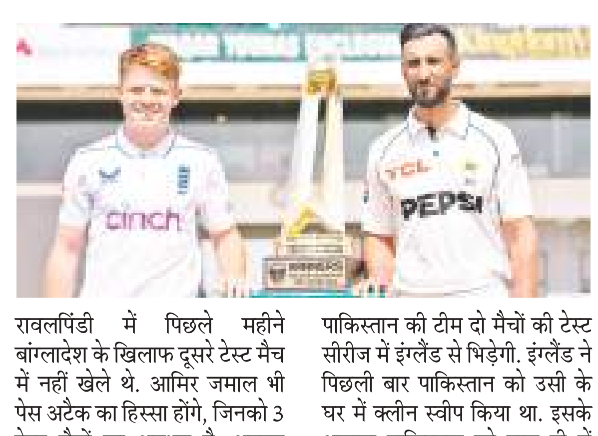

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड यानी पीसीबी ने मुल्तान में इंग्लैंड के खिलाफ खेले जाने वाले पहले टेस्ट मैच के लिए प्लेइंग इलेवन का ऐलान कर दिया है. पाकिस्तान की प्लेइंग इलेवन का ऐलान रविवार को हुआ है, जबकि एक दिन पहले शनिवार को इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने अपनी फाइनल इलेवन की घोषणा कर दी थी. ये मुकाबला सोमवार से खेला जाएगा. पाकिस्तान की प्लेइंग इलेवन में शाहीन शाह अफरीदी और नसीम शाह की वापसी हो गई है, जो रावलपिंडी में पिछले महीने बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में नहीं खेले थे. आमिर जमाल भी पेस अटैक का हिस्सा होंगे, जिनको 3 टेस्ट मैचों का अनुभव है. अबरार अहमद एकमात्र स्पिनर हैं, जिन्होंने 2022 मेंइंग्लैंड के दौरे पर दमदार प्रदर्शन किया था.

पिछले कुछ साल से क्रिकेट के हर एक फॉर्मेट में संघर्ष कर रही पाकिस्तान की टीम दो मैचों की टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड से भिड़ेगी. इंग्लैंड ने पिछली बार पाकिस्तान को उसी के घर में क्लीन स्वीप किया था. इसके अलावा पाकिस्तान को हाल ही में बांग्लादेश ने भी क्लीन स्वीप किया है. ऐसे में पाकिस्तान की टीम पर दोहरा दबाव होगा. पाकिस्तान ने अपने घर पर पिछला टेस्ट फरवरी 2021 में जीता था, जो साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेला गया था. इसके बाद से पाकिस्तान ने 6 मुकाबले गंवाए हैं और चार मुकाबले ड्रॉ पर खत्म हुए हैं. 1952 के बाद पहली बार जीत के लिए पाकिस्तान की टीम तरसी है.

पाकिस्तान की प्लेइंग इलेवन : शान मसूद (कप्तान), सऊद शकील (उप-कप्तान), सैम अयूब, अब्दुल्ला शफीक, बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), सलमान अली आगा, आमिर जमाल, शाहीन अफरीदी, नसीम शाह और अबरार अहमद.

इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन : जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप (कप्तान), जो रूट, हैरी ब्रूक, जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), क्रिस वोक्स, गस एटकिंसन, ब्रायडन कार्स, जैक लीच और शोएब बशीर.

दिल की बात | इंटरनेशनल मास्टर्स लीग (आईएमएल) की घोषणा से मची हलचल

सचिन को फिर से मैदान पर देखने के लिए बेहद उत्साहित : गावस्कर

एजेंसी। नयी दिल्ली

क्रिकेट जगत में इंटरनेशनल मास्टर्स लीग (आईएमएल) की घोषणा से हलचल मच गई है. यह एक फ्रेंचाइजी-आधारित T20 टूर्नामेंट है, जो इस साल से शुरू होगा. यह छह टीमों वाली लीग दो क्रिकेट आइकॉन, सुनील गावस्कर और सचिन तेंदुलकर की सोच का परिणाम है. आईएमएल हर साल होने वाला टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट होगा, जिसमें शुरुआत में छह क्रिकेट खेलने वाले देशों- भारत, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, वेस्ट इंडीज, इंग्लैंड और श्रीलंका के क्रिकेट सितारे खेलेंगे. तेंदुलकर की वापसी से करोड़ों प्रशंसकों के बीच एक बार फिर रोमांच लौटने वाला है, जो मास्टर ब्लास्टर की बल्लेबाजी का जादू देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. सुनील गावस्कर को लीग का कमिश्नर नियुक्त किया गया है. आईएएनएस से विशेष बातचीत में गावस्कर ने लीग को लेकर अपने विचार साझा किए. इंटरव्यू अंशः

Q आईएएनएस : इंटरनेशनल मास्टर्स लीग पूर्व क्रिकेटरों में नया जोश लाएगी. आप इस उत्साह को कैसे देखते हैं?

गावस्कर : हां, आईएमएल निश्चित रूप से पूर्व खिलाड़ियों में फिर से ऊर्जा भर देगी क्योंकि उन्हें एक बार फिर से अपने देश के लिए खेलने का मौका मिलेगा, भले ही यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नहीं, लेकिन एक ऐसे टूर्नामेंट में होगा जो अंतरराष्ट्रीय जैसा ही खेला जाएगा.

Q आईएएनएस : सचिन तेंदुलकर फिर से मैदान में उतरेंगे और इस खबर से प्रशंसक पहले ही उत्साहित हैं. इस मेगा शो के लिए लीग की क्या योजनाएं हैं?

गावस्कर : सचिन हमेशा युवा और ताजगी से भरे रहते हैं. वह सिर्फ भारतीय नहीं, बल्कि हर क्रिकेट प्रेमी के दिल में बसते हैं. इसलिए उनके फिर से मैदान में उतरने को लेकर बहुत उत्साह और बेसब्री है. वह हर खेल को पूरी लगन से खेलते हैं, तो हम उम्मीद कर सकते हैं कि आगे कुछ रोमांचक पल देखने को मिलेंगे.

Q आईएएनएसः केवल तीन ही स्थल क्यों चुने गए हैं? क्या इसे अन्य प्रमुख स्थानों तक बढ़ाने की योजना है?

गावस्कर : पहले सीजन के लिए केवल तीन स्थल होंगे, लेकिन जैसे-जैसे सीजन आगे बढ़ेंगे, और भी स्थानों पर आईएमएल का आयोजन हो सकेगा.

Q आईएएनएस : आप लीग के कमिश्नर हैं, इस भूमिका को आप कैसे देखते हैं? कितनी चुनौतीपूर्ण होगी यह भूमिका?

गावस्कर : बतौर कमिश्नर, मेरी भूमिका यह सुनिश्चित करना है कि लीग बिना किसी दिक्कत के सुचारू रूप से चले. खिलाड़ियों को पता है कि उनसे क्या उम्मीद की जाती है और वे पर्याप्त अनुभवी हैं, इसलिए टीमों के बीच किसी समस्या के पैदा होने की संभावना कम है. इस लीग के विस्तार की संभावनाएं बहुत बड़ी हैं.

मेदवेदेव ने शंघाई में अर्नाल्डी को हराया बारिश के कारण युगल मैच रद्द

एजेंसी। शंघाई

दानिल मेदवेदेव ने रविवार को एटीपी शंघाई मास्टर्स 1000 इवेंट में मातयो अर्नाल्डी को 5-7, 6-4, 6-4 से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई. मेदवेदेव शंघाई में अगले दौर में 10वीं वरीयता प्राप्त स्टेफानोस सितसिपास या एलेक्जेंडर मुलर से भिड़ेंगे, जहां वह मई 2023 में रोम में जीत के बाद अपने पहले टूर-स्तरीय खिताब की तलाश में हैं. 28 वर्षीय रूसी खिलाड़ी चीन में एटीपी फाइनल्स क्वालीफिकेशन की दिशा में और कदम बढ़ाना चाहते हैं. वह वर्तमान में एटीपी लाइव रेस टू ट्यूरिन में चौथे स्थान पर हैं और लगातार छठे साल प्रतिष्ठित सीज़न के फाइनल में अपनी जगह पक्की करने की मजबूत स्थिति में हैं. मेदवेदेव ने मैच के शुरुआती गेम में अर्नाल्डी की सर्विस तोड़ी, लेकिन शुरुआती दौर में वह अपनी लय बरकरार नहीं रख पाए. इटालियन खिलाड़ी ने 1-3 से आठ में से छह गेम जीतकर पहला सेट अपने नाम किया. हालांकि, मेदवेदेव ने कुछ बेहतर सर्विस और निर्णायक सेट के नौवें गेम में एक निर्णायक, क्लिनिकल रिटर्न गेम की मदद से जीत हासिल करने का तरीका ढूंढ लिया. बारिश के कारण मेदवेदेव और अर्नाल्डी किझोंग फॉरेस्ट स्पोर्ट्स सिटी एरिना के अंदर छत के नीचे प्रतिस्पर्धा कर रहे थे.

ब्रीफ खबरें

ऑटो लिफ्टर गैंग को पटना पुलिस ने दबोचा

पटना । पटना में ऑटो लिफ्टर गैंग सक्रिय है. एक 50 वर्षीय वृद्ध को ऑटो लिफ्टर गैंग ने अपना शिकार बनाया और उनके सामानों को लेकर रफूचक्कर हो गया. आनन फानन में पीड़ित व्यक्ति ने थाने में पूरे मामले की लिखित शिकायत दर्ज करवाई. जिसपर पटना पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे के फुटेज और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य के आधार पर महज चंद घंटे में ऑटो लिफ्टर गैंग के एक सदस्य गिरफ्तार कर लिया. साथ ही शातिर ऑटो लिफ्टर गैंग के पास से सामान बरामद किया है.

लेवी नहीं देने पर हुई युवक हत्या

नवादा । नवादा पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है. जहां नवादा की एसपी अभिनव धीमान के देखरेख में हत्याकांड के तीसरे आरोपित को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस ने गोविन्दपुर राजन हत्याकांड के तीसरे आरोपित को गिरफ्तार कर लिया. पुलिस ने देर रात तकनीकी सर्विलांस की मदद से आरोपित को रोह थाना क्षेत्र में छापामारी कर गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तार आरोपित दिलीप राजवंशी रोह थाना क्षेत्र के सिउर गांव के सरयु राजवंशी का बेटा बताया जाता है. वह राजन हत्याकांड के नामजद आरोपितों में है. इससे पूर्व पुलिस ने इस मामले के दो मुख्य आरोपितों को घटना के 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया था.

लापता मासूम बच्ची का नाले में मिला शव

पटना । राजधानी पटना में एक मासूम का शव मिला. बच्ची की उम्र मात्र 4 साल है. वहीं नाले में बच्ची का शव देख सभी लोग दंग रह गए. बता दें कि मृत बच्ची के माता-पिता के उसके गायब होने की सूचना दी थी. वहीं अब शव मिलने से परिजनों में कोहराम मच गया है. दरअसल, मामला पटना के रामकृष्ण नगर इलाके के शेखपुरा पिपरा के पास का है. जहां आसपास के स्थानीय लोगों ने नाला में 4 वर्षीय बच्ची का शव देख दंग रह गए. मृत मासूम बच्ची के परिजनों ने पुलिस को लापता होने की सूचना दी थी. वहीं इस बीच बच्ची की खोजबीन पुलिस और परिजनों की जारी थी.

सबसे बड़ी सोशल फेलोशिप देनेवाली अमेरिका की एजेंसी है अशोका फेलोशिप

बिहार की बेटी जाह्नवी बनी अशोका यंग चेंजमेकर

संवाददाता । पटना

दुनिया की सबसे बड़ी सोशल फेलोशिप देनेवाली अमेरिका की एजेंसी अशोका फेलोशिप ने कटरा प्रखंड के अम्मा गांव निवासी समाजसेवी डॉ संतोष कुमार व अर्चना की पुत्री व वैश्विक लैंगिक समानता कार्यकर्ता 18 वर्षीया डॉ जाह्नवी को अशोका यंग चेंजमेकर के रूप में चुना है. अशोका ईनोवेटर फॉर द पब्लिक के रिजनल लीडर डॉ श्रुति नायर द्वारा जाह्नवी को ईमेल से यह सूचना प्राप्त हुई है.

पूरे भारत से 900 आवेदनों का कई स्तर पर जांच के बाद कुल 11 आवेदकों का चयन किया गया है. बिहार से जाह्नवी अकेली है.

- अशोका ईनोवेटर फॉर द पब्लिक की रिजनल लीडर डॉ श्रुति नायर द्वारा जाह्नवी को ईमेल से यह सूचना प्राप्त हुई है

पूरे प्रक्रिया के दौरान 3 राउंड ऑनलाइन इंटरव्यू लिए गए, जिसमें बंगलादेश की टीम द्वारा भी जाह्नवी का इंटरव्यू लिया गया. फिर फाइनल राउंड में अशोका के ग्लोबल ज्यूरी के समक्ष सभी फाइनलिस्टों के साथ जाह्नवी को बेंगलुरु स्थित अशोका कार्यालय में 10 व 11 अगस्त 2024 को बुलाया गया, जहां कई राउंड इंटरव्यू हुआ. जाह्नवी का पूरा परिवार रिजल्ट की प्रतीक्षा कर रहा था. अब जब रिजल्ट आया तो पूरा परिवार खुशी से झूम उठा.

बता दें कि बिल ड्रेटन द्वारा स्थापित अशोका फेलोशिप 1980 में स्थापित हुई थी. जबसे 93 देशों के लगभग 4000 लोगों का नेटवर्क अभी तक बन चुका है. इसमें नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी, बांग्लादेश के कार्यवाहक प्रधानमंत्री मो यूनुस, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, जेरू बिलिमोरिया आदि भी शामिल हैं. साल 2020 से कम उम्र के कार्यकर्ताओं के लिए अशोका यंग चेंजमेकर की शुरुआत को-फाउंडर यशवीर सिंह द्वारा की गयी थी. लैंगिक समानता व सामाजिक मानसिकता व व्यवहार परिवर्तन के लिए जाह्नवी द्वारा काफी कम उम्र से किए जा रहे प्रयासों को देखते हुए यह चयन किया गया है.

सोन नदी में डूबे सात बच्चे, पांच शव बरामद

संवाददाता । रोहतास

बिहार में एक दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के सात बच्चे सोन नदी में डूब गए. यह घटना रोहतास जिले में तुम्बा में घटी, जब बच्चे नदी में नहा रहे थे. स्थानीय ग्रामीणों की मदद से पांच बच्चों के शव नदी से निकाल लिए गए हैं, लेकिन दो बच्चे अभी भी लापता हैं, जिनकी तलाश जारी है. जानकारी के मुताबिक, सभी बच्चे तुम्बा निवासी केदार गोंड के परिवार से थे. घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन हरकत में आ गया. एसडीआरएफ टीम को भी सूचित कर दिया गया है. फिलहाल स्थानीय गोताखोर लापता बच्चों की तलाश में जुटे हुए हैं. यह दिल दहलाने वाली घटना के बारे में ग्रामीणों ने बताया कि डूबने वाले बच्चों में तीन लड़कियां और चार लड़के शामिल हैं. घटना स्थल पर हजारों लोग आ गए हैं और पूरे इलाके में कोहराम मच गया है. सोन नदी में डूबने वाले सभी बच्चे एक ही परिवार के सदस्य बताए जा रहे हैं. घटना को लेकर ग्रामीणों ने बताया कि आठ बच्चे सोन नदी में नहा रहे थे, तभी अचानक एक बच्चा डूबने लगा. उसको बचाने के लिए सभी बच्चे गहरे पानी में चले गए. फिलहाल ग्रामीणों की मदद से खोजबीन जारी है.

पहले पीएम मोदी की अध्यक्षता वाली मीटिंग से बनाई थी दूरी

अमित शाह की बैठक में नहीं जाएंगे सीएम नीतीश कुमार

संवाददाता । पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक बार फिर से केंद्र सरकार की बैठक में शामिल नहीं होंगे. गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में सोमवार को दिल्ली में होने वाली बैठक में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शामिल नहीं होंगे. सोमवार को दिल्ली के विज्ञान भवन में वामपंथी उग्रवाद प्रभावित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ गृह मंत्री समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करेंगे. बैठक में आंध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, तेलंगाना, ओडिशा, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री को शामिल होना है. लेकिन इस मीटिंग में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शामिल नहीं होंगे. सूत्रों के अनुसार सीएम नीतीश की जगह बैठक में बिहार के प्रतिनिधित्व डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी करेंगे. बैठक में वामपंथी उग्रवाद प्रभावित राज्यों को विकास सहायता प्रदान करने में निकटता से शामिल पांच केंद्रीय मंत्रालयों के मंत्री भी बैठक में शामिल होंगे. उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और केंद्र, राज्यों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के वरिष्ठ अधिकारी भी विचार-विमर्श में भाग लेंगे. ऐसे में बैठक में तमाम प्रभावित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के भी शामिल होने की बात कही गई. लेकिन अब सीएम नीतीश ने इस बैठक से दूरी बना ली है.

नीति आयोग की बैठक से रहे दूर : इसके पहले नीतीश कुमार जुलाई 2024 में नीति आयोग की बैठक में भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शामिल नहीं हुए थे. नीति आयोग की बैठक की अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की थी. इतना ही नहीं लगातार तीसरा मौका था जब सीएम नीतीश ने नीति आयोग की बैठक से दूरी बनाई. नीति आयोग की सातवीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक अगस्त 2022 में हुई थी. उस बैठक की अध्यक्षता पीएम मोदी ने की थी. लेकिन बैठक में नीतीश कुमार शामिल नहीं हुए. वहीं नीति आयोग की आठवीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक मई 2023 में हुई. उस बैठक में भी सीएम शामिल नहीं हुए.

जिनके पास दस्तावेज नहीं, उन्हें मिला समय

सीएम नीतीश ने वंशावली को लेकर दिए पांच नए आदेश

पटना । बिहार में जमीन सर्वे का काम तेजी से जारी है. सरकार की ओर से सर्वे को लेकर आए दिन नये-नये अपडेट जारी किए जाते हैं. रैयतदारों के मन में जमीन सर्वे को लेकर कई प्रकार के सवाल हैं. ऐसे में सरकार द्वारा उन सवालों का जवाब देने की हरसंभव प्रयास किया जा रहा है. इसी बीच सीएम नीतीश ने बड़ा आदेश दिया है. उन्होंने जमीन के वंशावली को लेकर पांच नए आदेश दिए हैं जिसकी जानकारी हर रैयतदारों को होनी चाहिए. बता दें कि, सरकार अपने ओर से सर्वे की प्रक्रिया को आसान कर दी है. साथ ही जिनके पास दस्तावेज नहीं है उनको तीन महीने का समय भी दिया गया है. वहीं अब राजस्व और भूमि सुधार विभाग ने जमीन के दस्तावेज ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड करा दिए हैं. साथ ही वंशावली बनाने की प्रक्रिया को भी बेहद आसान कर दिया है. सरकार के नए आदेश के जरिए अब आप खुद वंशावली बनाकर सर्वे शिविर में जमा कर सकते हैं.

दरअसल, सरकार ने जमीन के वंशावली बनाने को लेकर 5 नए आदेश जारी किए हैं. पहला राजस्व और भूमि सुधार विभाग ने अमीनों को ग्रामवार खतियानी वंशावली तैयार करने का आदेश दिया है. वहीं नए आदेश के मुताबिक जमीन मालिकों को शपथ पत्र बनवाने के लिए अनुमंडल कार्यालय जाने की जरूरत नहीं होगी. वहीं सरकार ने यह भी कहा है कि जमीन वंशावली के लिए प्रपत्र3(1) को सादे कागज पर भी तैयार किया जा सकता है.

हथियार और शराब के साथ 6 तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता । पटना

नदी थाना क्षेत्र में गुप्त सूचना के आधार पर पटना पुलिस ने रविवार की अहले सुबह कच्ची दरगाह के आलमपुर स्थित एक घर में छापेमारी कर हथियार व शराब के साथ 6 युवक को गिरफ्तार कर लिया. पुलिस ने छापेमारी के दौरान एक 315 बोर का राइफल के साथ विदेशी शराब नाइट क्वीन ब्रांड की 92 बोतल शराब बरामद की है.

इस संबंध में जानकारी देते हुए एसडीपीओ 1 निखिल कुमार ने बताया कि रविवार की अहले सुबह गुप्त सूचना मिली थाना क्षेत्र के आलमपुर गांव निवासी वीरेंद्र नायक के पुत्र चंदन कुमार अपने कई साथियों के साथ मिलकर अवैध रूप से शराब का कारोबार कर रहा है. जानकारी मिलते ही पुलिस टीम का गठन कर नदी थाना अध्यक्ष राजू कुमार के नेतृत्व में चंदन कुमार के घर पर छापेमारी की गई. पुलिस को देखते ही कारोबारी शशि भूषण राय के पुत्र सत्य प्रकाश उर्फ सत्या भागने लगा. भागने के क्रम में वह छत पर से कूद गया. जिससे उसके पैर फ्रैक्चर हो गए. आनन-फानन में उसे पुलिस द्वारा फतुहा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया. जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे पटना एनएमसीएच के लिए रेफर कर दिया गया. जबकि उसके अन्य साथी आलमपुर गांव निवासी अर्जुन राय के तीन पुत्र विपिन कुमार, अमन कुमार और रवि कुमार एवं वीरेंद्र राय और उसका पुत्र चंदन कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया है. चंदन कुमार के घर से 315 बोर का एक अवैध राइफल, कार्टून से नाइट क्वीन ब्रांड की 750 एमएल की 92 बोतल बरामद की गई.

जीतनराम के जन्मदिन पर लगा बधाइयों का तांता

पटना । केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्री और हम पार्टी के संरक्षक जीतन राम मांझी ने रविवार को अपना 80वां जन्मदिन मनाया. मांझी का जन्म गया जिले के खिजरसराय क्षेत्र अंतर्गत महकार गांव में 6 अक्टूबर 1944 में हुआ था. आज मांझी के जन्मदिन पर पीएम नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ सहित कई केंद्रीय मंत्री ने उन्हें बधाई दी है. पीएम मोदी ने ट्विट कर मांझी को जन्मदिन का बधाई देते हुए कहा कि, केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं.

मोदी सरकार ने किया रेलवे का बंटाधार : लालू

पटना । राजद सुप्रीमो लालू यादव ने रविवार को केंद्र की मोदी सरकार पर रेलवे का बंटाधार करने का आरोप लगाया. उन्होंने पिछले 10 वर्षों के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासनकाल में रेलवे द्वारा आम लोगों का शोषण करने और रेलवे को घाटे में ले जाने का आरोप लगाया. लालू यादव ने सोशल मीडिया पर किए एक पोस्ट के माध्यम से अपने कथित आरोपों में कई किस्म के गंभीर आरोप लगाए हैं. पूर्व रेल मंत्री लालू यादव ने बताया है कि कैसे पीएम मोदी के 10 वर्षों के शासन में देश में रेलवे की सेवाएं आम लोगों के लिए दुष्कर हो गई हैं. लालू ने कहा, 10 बरसों में मोदी की एनडीए सरकार ने रेल का किराया भाड़ा बढ़ा दिया. प्लेटफॉर्म टिकट का दाम बढ़ा दिया. स्टेशन बेच दिए, जनरल बोगियां घटा दी. बुजुर्गों को मिलने वाला लाभ खत्म कर दिया. सेफ्टी-सिक्योरिटी घटाने पर रोज हादसे हो रहे है. फिर भी कहते है रेलवे घाटे में है. अब ये कही रेल की पटरियां ना बेच दें. दरअसल, लालू यादव वर्ष 2004 से 2009 के बीच रेल मंत्री थे. उनके रेल मंत्री रहने के दौरान रेलवे में जहां एक ओर किफायती किराए वाली गरीब रथ जैसी वातानुकूलित ट्रेनें चली वहीं उस दौरान रेल किराया भी नहीं बढ़ाया गया था. इतना ही नहीं रेलवे के लाभ अर्जित करने का भी तब रिकॉर्ड बना था.

कारोबार

यूट्यूब ने सभी चैनलों को बहाल किया

नयी दिल्ली । गूगल के स्वामित्व वाले यूट्यूब ने बताया कि उसने सभी चैनल और अधिकांश वीडियो को फिर से बहाल कर दिया है, जिन्हें तकनीकी गड़बड़ी या बग के कारण हटाया गया था. एक बग के कारण कुछ चैनलों को गलत तरीके से स्पैम के रूप में चिह्नित करने और उन्हें हटा देने के बाद, यूट्यूब ने इस समस्या को ठीक करने पर काम करना शुरू कर दिया. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर रविवार को यूट्यूब ने लिखा, सभी चैनल और अधिकांश वीडियो जिन्हें गलत तरीके से हटा दिया गया था.

एसबीआई में 10 हजार कर्मियों की होगी भर्ती

नयी दिल्ली । एसबीआई चालू वित्त वर्ष में 10,000 नए कर्मचारियों को भर्ती करने की योजना बना रहा है. बैंक यह नई भर्ती आम बैंकिंग जरूरतों और तकनीकी क्षमता को बढ़ावा देने के लिए करेगा. बैंक ने बिना किसी समस्या के ग्राहक सेवा प्रदान करने के साथ-साथ अपने डिजिटल चैनल को मजबूत करने के लिए टेक्नोलॉजी में महत्वपूर्ण निवेश किया है. एसबीआई के चेयरमैन सी एस शेट्टी ने बताया कि हम अपने वर्कफोर्स को टेक्नोलॉजी पक्ष के साथ-साथ सामान्य बैंकिंग पक्ष पर भी मजबूत कर रहे हैं.

कल खुलेगा कंस्ट्रक्शन कंपनी का आईपीओ

नयी दिल्ली । मेनबोर्ड कंपनी गारुडा कंस्ट्रक्शन एंड इंजीनियरिंग का आईपीओ खुलने जा रहा है. आईपीओ को लेकर ग्रे मार्केट पॉजिटिव नजर आ रहा है. गारुडा कंस्ट्रक्शन आईपीओ पर रिटेल निवेशक आठ अक्टूबर से दांव लगा पाएंगे. निवेशकों के लिए यह आईपीओ 11 अक्टूबर तक खुला रहेगा. आईपीओ का साइज 264.10 करोड़ का है. कंपनी आईपीओ के जरिए 1.83 करोड़ फ्रेश शेयर और 95 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल के तहत जारी करेगी. आईपीओ का प्राइस बैंड 92 से 95 रुपये है. कंपनी ने रिटेल निवेशकों के लिए 157 शेयरों का एक लॉट बनाया है, जिस वजह से निवेशकों को कम से कम 14,915 रुपये का दांव लगाना होगा.

एक और बड़ा कदम उठाने जा रहे अनिल अंबानी

रिलायंस ग्रुप के 17600 करोड़ रुपये का प्लान

एजेंसी । मुंबई

बिजनेसमैन अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस ग्रुप ने फ्यूचर ग्रोथ के लिए 17,600 करोड़ जुटाने की घोषणा की है. कंपनी इक्विटी शेयरों के जरिए 4,500 करोड़ रुपये, वर्डे पार्टनर्स से एफसीसीबी के जरिये 7,100 करोड़ रुपये और क्यूआईपी के जरिये 6,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बनाई है.

रिलायंस ग्रुप के अधिकारियों का कहना है कि रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और रिलायंस पावर लिमिटेड 17,600 करोड़ रुपये की धनराशि जुटाने और शुद्ध कर्ज की स्थिति के साथ अपनी वृद्धि रणनीतियों को क्रियान्वित करने के लिए तैयार हैं.

7100 करोड़ रुपये जुटाने की घोषणा : दोनों कंपनियों ने इक्विटी शेयरों के तरजीही निर्गम के जरिये पिछले दो सप्ताह में 4,500 करोड़ रुपये और प्रसिद्ध वैश्विक निवेश कंपनी वर्डे पार्टनर्स से इक्विटी से जुड़े दीर्घकालिक एफसीसीबी के जरिये 7,100 करोड़ रुपये जुटाने की घोषणा की है. इनकी परिपक्वता अवधि 10 वर्ष है और ब्याज दर पांच प्रतिशत है. पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के माध्यम से अतिरिक्त 6,000 करोड़ रुपये जुटाए जाएंगे. इसमें रिलायंस पावर और रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर का लक्ष्य 3,000-3,000 करोड़ रुपये जुटाने का है.

नेटवर्थ होगा 25 हजार करोड़ पार

कंपनी के अधिकारियों ने कहा कि समाधान होने के साथ ही शेयरधारकों की मंजूरी महीने के अंत तक मिलने की उम्मीद है. समूह के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इक्विटी या इक्विटी से जुड़े दीर्घकालिक बॉन्ड के माध्यम से पूंजी जुटाने की रिलायंस समूह की रणनीति समूह की कंपनियों को उनकी विस्तार योजनाओं के लिए आवश्यक वृद्धि पूंजी प्रदान करेगी. सिर्फ 70:30 ऋण से इक्विटी अनुपात के बावजूद इक्विटी या इक्विटी संबद्ध बॉन्ड के जरिये 17,000 करोड़ रुपये जुटाने से समूह की कंपनियों के पास अगले कुछ साल को अपनी कारोबारी योजनाओं के लिए 50,000 करोड़ रुपये के निवेश की गुंजाइश होगी. इस वित्तपोषण के बाद दोनों कंपनियों का नेटवर्थ करीब 25,000 करोड़ रुपये हो जाएगा.

अमेरिका के बाद यूरोप में भी छाने को तैयार अमूल

एजेंसी । नयी दिल्ली

अमेरिका की सफलता के बाद अब अमूल ने यूरोप की ओर रुख करने की प्लानिंग कर ली है. अमूल और गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन संघ लिमिटेड (जीसीएमएमएफ) के मैनेजिंग डायरेक्टर जयेन मेहता ने कहा है कि अमूल द्वारा हाल ही में अमेरिका में पेश किया गया दूध बेहद सफल रहा है और अब वह यूरोपीय बाजार में उतरने को तैयार है. उन्होंने कहा कि ऐसा होता है तो यह इस ब्रांड के लिए ऐतिहासिक क्षण होगा. यहां निजी व्यवसाय प्रबंधन संस्थान एक्सएलआरआई द्वारा आयोजित अमूल मॉडल: लाखों के जीवन में बदलाव विषय पर 11वें डॉ. वर्गीज कुरियन स्मृति व्याख्यान में मेहता ने कहा कि भारत अब दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक है और आगामी वर्षों में दुनिया के कुल दूध उत्पादन का एक-तिहाई भारत में होगा.

मेहता ने कहा कि डेयरी सिर्फ एक कारोबार नहीं है, यह ग्रामीण भारत की लाइफ लाइन है. अमेरिका में अमूल द्वारा हाल ही में पेश किए गए दूध के बारे में बात करते हुए मेहता ने कहा कि यह बेहद सफल रहा है, और अब वे पहली बार यूरोपीय बाजार में उतरने के लिए तैयार हैं. उन्होंने कहा कि प्रासंगिक बने रहने के लिए अमूल प्रोटीन युक्त, ऑर्गेनिक और रसायन मुक्त उत्पादों की पेशकश करने पर ध्यान केंद्रित करती है. उन्होंने अमूल के फाउंडर डॉ. कुरियन द्वारा विकसित परिवेश की सराहना की.

आज से मंथन पर बैठेगी आरबीआई

नयी दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की सोमवार से मॉनेटरी पॉलिसी की बैठक शुरू होने जा रही है. सितंबर के महीने में अमेरिकी फेड ने ब्याज दरों में 0.50 फीसदी की कटौती की थी. ऐसे सबसे बड़ा सवाल खड़ा हो गया है कि एमपीसी की तीन दिनों तक चलने वाली मीटिंग के बाद आरबीआई पॉलिसी रेट में कटौती करेगी? या फिर लगातार 10वीं बार ब्याज दरों को फ्रीज रखेगी. वैसे लगातार दो महीने से देश में महंगाई का आंकड़ा 4 फीसदी से नीचे देखने को मिल रहा है. वहीं दूसरी ओर आरबीआई कई बार इस ओर इशारा कर रहा है कि पॉलिसी रेट में बदलाव देश की परिस्थितियों को देखकर किया जाएगा.

प्रदूषण कम करने के लिए अडाणी शुरू करेगा बड़ा प्रोजेक्ट

एजेंसी । अहमदाबाद

गौतम अडाणी के अडानी ग्रुप ने देश से पॉल्यूशन को कम करने के लिए देश में सबसे बड़ा प्रोग्राम शुरू किया है. रिपोर्ट के अनुसार अडाणी ग्रुप ने नेट जीरो पॉल्यूशन का टारगेट हासिल करने के लिए अहमदाबाद के कुछ हिस्सों में घरों में सप्लाई की जाने वाली पाइप नेचुरल गैस में ग्रीन हाइड्रोजन मिक्स करने का काम शुरू किया है. लिंक्डइन पर पोस्ट में कंपनी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि फ्रांस की ऊर्जा क्षेत्र की दिग्गज टोटलएनर्जीज के साथ ग्रुप की शहर गैस डिस्ट्रीब्यूशन यूनिट अडाणी टोटल गैस लिमिटेड ने अहमदाबाद के शांतिग्राम में पाइप वाली नेचुरल गैस सप्लाई में 2.2-2.3 फीसदी ग्रीन हाइड्रोजन का मिश्रण करना शुरू कर दिया है.

पीएनजी में मिक्स किया ग्रीन हाइड्रोजन : स्वच्छ मार्गों के माध्यम से उत्पादित हाइड्रोजन को प्राकृतिक गैस पाइपलाइन में डाला जाता है. कंपनी ने इलेक्ट्रोलाइसिस प्रोसेस के माध्यम से पानी को हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में विभाजित करने के लिए विंड या सोलर एनर्जी जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करके हरित हाइड्रोजन का उत्पादन शुरू किया है.

ग्रुप का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट

पोस्ट में कहा गया है कि यह परियोजना 4,000 घरेलू और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को निर्बाध हाइड्रोजन-मिश्रित प्राकृतिक गैस प्रदान करेगी. वर्तमान में, पब्लिक सेक्टर की बिजली उत्पादक एनटीपीसी गुजरात के सूरत जिले के कवास में घरों को ग्रीन हाइड्रोजन मिश्रित प्राकृतिक गैस की सप्लाई करती है. गेल (इंडिया) लिमिटेड भी मध्य प्रदेश के इंदौर में ग्रे हाइड्रोजन के साथ सीएनजी की सप्लाई के लिए एक छोटे पायलट प्रोजेक्ट पर काम कर रही है. एटीजीएल की परियोजना अवतक की सबसे बड़ी है.

बेहतरी का इंतजार आरबीआई के ब्याज दर पर फैसले से बाजार को मिलेगी दिशा

कैसा होगा अगले हफ्ते मार्केट का मूड, गिरेगा या चढ़ेगा

एजेंसी । नयी दिल्ली

शेयर बाजार के लिए बीता हफ्ता काफी नुकसान वाला रहा. वहीं, एनालिस्ट्स के मुताबिक, सात अक्टूबर से शुरू होने वाले हफ्ते में शेयर बाजारों की दिशा आरबीआई के ब्याज दर पर फैसले, पश्चिम एशिया के तनाव और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की गतिविधियों से तय होगी. इसके अलावा आईटी सेक्टर की दिग्गज कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के तिमाही नतीजे, घरेलू मैक्रो इकोनॉमिक डेटा और ब्रेंट क्रूड ऑयल के दाम भी बाजार को दिशा देंगे. पिछले हफ्ते पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने और विदेशी फंड की निकासी से शेयर बाजार में भारी गिरावट आई थी. स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड के सीनियर टेक्निकल एनालिस्ट प्रवेश गौड़ ने कहा, घरेलू मोर्चे पर सभी की निगाह आरबीआई एमपीसी की बैठक पर रहेगी. एमपीसी की बैठक 7 अक्टूबर को शुरू होगी. 3 दिन की बैठक के नतीजों की घोषणा बुधवार यानी 9 अक्टूबर को की जाएगी.'

आने शुरू हो जाएंगे तिमाही नतीजे : गौड़ ने कहा कि कंपनियों के दूसरी तिमाही के नतीजों का सत्र टीसीएस के साथ शुरू हो रहा है. उन्होंने कहा कि घरेलू मोर्चे पर लिक्विडिटी की स्थिति मजबूत बनी हुई है. ऐसे में हायर वैल्यूएशन वाले क्षेत्रों से कैश का फ्लो आकर्षक वैल्यूएशन वाले क्षेत्रों की ओर हो सकता है. इसके अलावा जिंस कीमतें, अमेरिकी डॉलर इंडेक्स और अमेरिका के महत्वपूर्ण मैक्रो डेटा भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे.

5 दिन में निवेशकों के 16.26 लाख करोड़ रुपये स्वाहा : बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 3,883.4 अंक या 4.53 फीसदी नीचे आया. वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में 1,164.35 अंक या 4.44 फीसदी का नुकसान रहा. शेयर बाजार में भारी गिरावट के बीच 5 दिन में निवेशकों की पूंजी 16.26 लाख करोड़ रुपये घट गई.

इन डेटा पर रहेगी निवेशकों की नजर

मास्टर कैपिटल सर्विसेज लिमिटेड की डायरेक्टर पल्का अरोड़ा चोपड़ा ने कहा, बाजार का ट्रेंड प्रमुख घरेलू और ग्लोबल इकोनॉमिक डेटा पर निर्भर करेगा. हफ्ते के दौरान आरबीआई का ब्याज दर पर फैसला आना है. इसके अलावा इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन के डेटा भी आएंगे. साथ ही अमेरिका में फेडरल ओपन मार्केट कमेटी की बैठक का ब्योरा, बेरोजगारी डेटा और अमेरिका के जीडीपी डेटा भी आने हैं. रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट (रिसर्च) अजित मिश्रा ने कहा, निवेशकों की निगाह जियो-पॉलिटिकल घटनाक्रम और कच्चे तेल की कीमतों पर इसके प्रभाव पर रहेगी. विदेशी फंड के फ्लो के अलावा घरेलू फ्लो भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेगा. घरेलू मोर्चे पर सभी की निगाह एमपीसी की बैठक पर है. इस बैठक के नतीजों की घोषणा 9 अक्टूबर को होगी.

दिवालिया प्रोसेस से गुजर रही है कंपनी जीवीके पावर

एजेंसी । नयी दिल्ली

जीवीके पावर एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (जीवीकेपीआईएल) के शेयर सोमवार को कारोबार के दौरान फोकस में रह सकते हैं. कंपनी के शेयर बीते शुक्रवार को 6.21 रुपये पर बंद हुए थे. इसमें 2% से अधिक की गिरावट दर्ज की गई थी. बता दें कि दिवालिया प्रोसेस से गुजर रही पावर कंपनी के मैनेजमेंट में बड़े बदलाव हुए हैं. कंपनी द्वारा शेयर बाजार को दी गई जानकारी के मुताबिक, अनिल कुमार रेड्डी, हुसैन गौस और रामा राव ने कंपनी के स्वतंत्र निदेशक बोर्ड और अपने सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है. बता दें कि हाल ही में ऐलान किया गया है कि जीवीके पावर एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (जीवीकेपी आईएल) को लेंडर्स का कर्ज चुकाने में विफल रहने के कारण दिवाला कार्यवाही का सामना करना पड़ेगा. राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की हैदराबाद पीठ ने आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड की अगुवाई वाले ऋणदाताओं के समूह की याचिका पर आदेश जारी किया था. जीवीकेपीआईएल नेशेयर बाजार को बताया था कि यह कर्ज मूल रूप से एक दशक से अधिक समय पहले जीवीके कोल डेवलपर्स (सिंगापुर) पीटीई लिमिटेड ने लिया था, जिसके लिए जीवीके पीआईएल ने गारंटी ली थी.

न्यूज अपडेट

दुकान में लगी आग, 5 लोगों की मौत

मुंबई। बीएमसी आपदा नियंत्रण ने रविवार को इस हादसे की जानकारी साझा की. बताया कि उत्तरी मुंबई के चेंबूर उपनगर में एक दुकान में लगी भीषण आग में पांच लोगों की जलने से मौत हो गई. इनमें दो बच्चे भी थे. हादसे में दो लोग झुलस गए हैं, जिनकी हालत गंभीर बताई जा रही है. भीषण हादसा सुबह करीब 5.15 बजे सिद्धार्थ कॉलोनी में हुआ. मरने वालों में पति पत्नी दो बच्चे और एक रिश्तेदार शामिल है. सभी सोए थे इसलिए आग लगने का आभास नहीं हुआ. आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है.

यूनिट में विस्फोट से 1 की मौत, 2 घायल

तिरुवनंतपुरम। केरल के कोच्चि में एक पशु वसा प्रसंस्करण यूनिट में विस्फोट हो गया. इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए. यह घटना शनिवार देर रात एडयार औद्योगिक क्षेत्र (एडयार इंडस्ट्रियल सेक्टर) में फॉर्मल ट्रेड लिंक्स एलएलपी पशु वसा प्रसंस्करण प्लांट में हुई. मृतक की पहचान ओडिशा निवासी विक्रम प्रधान के रूप में हुई है. वहीं घायलों की पहचान कृष्णन और गुरु के रूप में हुई है. यह हादसा एक छोटे बॉयलर विस्फोट के कारण हुआ.

संदीप के 10 विश्वासपात्र डॉक्टर पर गाज

कोलकाता। कोलकाता स्थित आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के अधिकारियों ने एक अधिसूचना जारी करते हुए 10 डॉक्टरों को निष्कासित करने का फैसला लिया है. इसमें इंटर्न, हाउस स्टाफ और सीनियर रेजिडेंट शामिल हैं. सूत्रों ने बताया कि ये सभी आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के पूर्व और विवादास्पद प्रिंसिपल संदीप घोष के अत्यंत करीबी और विश्वासपात्र थे, जिनके खिलाफ सीबीआई दो मामले में जांच कर रही है.

दत्तात्रेय की मूर्ति को उपद्रवियों ने तोड़ा

हुबली। दक्षिण भारतीय राज्य कर्नाटक के हुबली शहर में भगवान दत्तात्रेय की ऐतिहासिक मूर्ति को कुछ उपद्रवियों ने तोड़ दिया. इसके बाद इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है. यह घटना हुबली के देशपांडे नगर के अपर्णा अपार्टमेंट की है. यहां पर जिस मंदिर में तोड़-फोड़ की गई, उसका इतिहास करीब 20 साल पुराना है. उपद्रवियों द्वारा तोड़-फोड़ की घटना को यहां पर एक कार्यक्रम के आयोजन के बाद अंजाम दिया गया. उपनगरीय पुलिस मौके पर पहुंच कर मामले की जांच कर रही है.

उमर खालिद की जमानत पर सुनवाई आज

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय सोमवार को जेएनयू के पूर्व छात्र नेता उमर खालिद की जमानत याचिका पर सुनवाई करेगा. छात्र नेता 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों से संबंधित "बड़ी साजिश" मामले में गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत सितंबर 2020 से सलाखों में बंद है. दिल्ली उच्च न्यायालय की वेबसाइट पर प्रकाशित वाद सूची के अनुसार, न्यायमूर्ति नवीन चावला और न्यायमूर्ति शलिंदर कौर की पीठ 7 अक्टूबर को मामले की सुनवाई करेगी.

पेजर और वॉकी-टॉकी पर लगाया बैन

दुबई। दुबई की एमिरेट्स एयरलाइन ने अपने यात्रियों के लिए पेजर और वॉकी-टॉकी ले जाने पर प्रतिबंध लगा दिया है. पिछले महीने लेबनान में हुए पेजर और वॉकी-टॉकी विस्फोटों के बाद यह फैसला लिया गया है. एयरलाइन ने कहा कि दुबई से आने-जाने वाले या दुबई से होकर जाने वाले सभी यात्रियों के चेक किए गए या केबिन बैगेज में पेजर और वॉकी-टॉकी ले जाने की मनाही है. बयान में कहा गया कि कोई भी प्रतिबंधित वस्तु पाए जाने पर उसे दुबई पुलिस द्वारा जब्त कर लिया जाएगा.

केरल के छह जिलों में येलो अलर्ट जारी

तिरुवनंतपुरम। मौसम विभाग ने केरल के इडुक्की, मलप्पुरम, कोझिकोड, वायनाड, कन्नूर और कासरगोड जिलों में येलो अलर्ट की घोषणा की है. 8 अक्टूबर को इडुक्की और 9 अक्टूबर को पथानामथिट्टा और कोट्टायम जिलों में भारी बारिश की उम्मीद है. 7 अक्टूबर को केरल के इडुक्की, पलक्कड़, मलप्पुरम, कोझिकोड, वायनाड और कन्नूर जिलों में और 8 अक्टूबर को तिरुवनंतपुरम, कोल्लम, पथानामथिट्टा, कोट्टायम, एर्नाकुलम, मलप्पुरम और वायनाड में येलो अलर्ट जारी किया है.

इंग्लिश चैनल पार करने में 4 की मौत

पेरिस। इंग्लिश चैनल अवैध रूप से पार करने की कोशिश में दो वर्षीय बच्चे सहित चार प्रवासियों की मौत हो गई है. फ्रांस के इंटिरियर मिनिस्टर ब्रूनो रिटेलो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया. पोस्ट में उन्होंने लिखा, यह घटना एक "भयावह त्रासदी है. हम सभी को इसके प्रति जागरूक होना चाहिए. इंग्लिश चैनल पार करने की कोशिश में कई लोग मारे गए. एक बच्चा भी इसमें शामिल है. यह एक भयानक त्रासदी है, जिससे हम सभी को अवगत होना चाहिए.

राम के जाने से रामलीला कमेटी में शोक

नयी दिल्ली। विश्वकर्मा नगर में आयोजित होने वाली रामलीला में राम का किरदार निभाने वाले सुशील की मौत हो गई है. सुशील की मौत उस वक्त हुई जब वह रामलीला के दौरान एक गीत गा रहे थे. इसी दौरान, वह बैक स्टेज गए और अपने साथी कलाकार से कहा कि मुझे चक्कर आ रहा है. सुशील के यह आखिरी बोल थे. इसके बाद उनका संतुलन बिगड़ा और वह गिर गए. आनन-फानन में कमेटी लोगों द्वारा सुशील को निजी अस्पताल भेजा गया, लेकिन, डॉक्टरों के प्रयासों के बावजूद सुशील की जान नहीं बच सकी.

मध्य पूर्व संघर्ष की बरसी पर यूएन महासचिव ने हमास से की इजरायली बंधकों को रिहा करने की अपील

हजारों जानें लेकर भी जीत नहीं पाया इजराइल

लगातार न्यूज नेटवर्क

इजरायल-गाजा युद्ध को आज यानी 7 अक्टूबर को एक साल पूरा हो गया. पिछले साल इसी दिन हमास ने इजराइल पर हमला किया था और इस हमले में 1200 इजराइली मारे गए थे. इसके बाद से इजराइल ने भी बदला लेने की ठान ली और आजतक भी दोनों देशों के बीच तनाव की स्थिति है. विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, पिछले एक साल में इजराइल में 1,500 से ज्यादा, गाजा पट्टी में करीब 42 हजार और वेस्ट बैंक में 700 से अधिक लोग मारे गये हैं. इसके अलावा गाजा में 10 हजार से अधिक लोग लापता हैं और 19 लाख लोग अपने घरों से विस्थापित हो चुके हैं. वहीं, लेबनान में इजराइली और पश्चिमी देशों के हमलों में लगभग 2000 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं, जबकि 10 लाख से अधिक विस्थापित हो चुके हैं. संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, विस्थापितों में दो लाख से अधिक लोग सीमा पार कर सीरिया में प्रवेश कर चुके हैं और 3,50,000 शिविरों में रहने को विवश हैं. लेबनान सरकार के आंकड़ों में यह संख्या तीन लाख से अधिक बताई गई है. हालांकि, बड़ी बात ये है कि हजारों लोगों की जान लेने के बाद भी इजराइल अपने मकसद में पूरी तरह कामयाब नहीं हो पाया है. हालांकि, बेंजामिन नेतन्याहू कह रहे हैं कि हमास करीब-करीब खत्म हो चुका है. अब भी इजराइल बंधकों को हमास से छुड़ा नहीं पाया है. ये वो बंधक हैं जिन्हें हमास ने पिछले साल 7 अक्टूबर को हमले के बाद अगवा किया था.

इजराइल ने नहीं की कोई निर्णायक जीत हासिल : रिपोर्ट्स के मुताबिक गाजा में 100 इजरायली बंधकों को रखा गया है. इसमें से 70 के ही जिंदा होने के आसार माने जा रहे हैं. इजराइल ने कहीं भी अब तक निर्णायक जीत हासिल नहीं की है. साथ ही वो हिजबुल्लाह और ईरान के साथ भी एक अलग जंग में उलझ गया है. इजराइली लोगों का कहना है कि वो निराश हैं और वो युद्ध के अभ्यस्त नहीं हैं. 60,000 से अधिक इजराइली अपने ही देश में शरणार्थी बनने को मजबूर हैं. वहीं हिंसक संघर्ष की बरसी पर यूएन महासचिव ने हमास से इजरायली बंधकों को रिहा करने की अपील की है.

लेबनान से भी युद्ध में इजराइल : एक तरफ इजरायल का हमास से युद्ध खत्म नहीं हुआ है और दूसरी तरफ उसने अपनी उत्तरी सीमा से लगे लेबनान से युद्ध शुरू कर दिया है. ये युद्ध दिन प्रति दिन गहराता जा रहा है. और ईरान से उसका बदला बाकी है. ईरान के हमले के बाद दुनिया दिल थाम कर देख रही है कि इजराइल क्या करता है और अब नेतन्याहू ने बदले की कसम खा ली है. दुनिया की अनसुनी कर इजराइल सात मोर्चे पर लड़ रहा है.

ईरान ने दागी थी बैलिस्टिक मिसाइलें : बता दें कि 2 अक्टूबर 2024 की रात को ईरान ने इजरायल पर बैलिस्टिक मिसाइलों की बौछार कर दी थी. हमले में मुख्य रूप से "सैन्य और सुरक्षा प्रतिष्ठानों" को निशाना बनाया गया था. हालांकि, इजरायल इन मिसाइलों से अपने नागरिकों की सुरक्षा करने में कामयाब रहा था और इसके बाद इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा था कि इजराइल इसका बदला लेगा. लेबनान में भी इजरायल के हमले जारी है. साथ ही जमीनी स्तर पर भी सीमा के नजदीकी क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच जंग चल रही है. इजराइल ने रविवार को ही लेबनान में 250 मीटर लंबी एक सुरंग को नष्ट भी किया है. इजराइल ने कहा कि इस सुरंग के जरिए हिजबुल्लाह 7 अक्टूबर जैसा ही बड़ा हमला करने की तैयारी कर रहा था.

गाजा में रविवार को एक मस्जिद पर इजरायली हमले के बाद शवों की पहचान किए जाने पर रोती हुईं फिलिस्तीनी महिलाएं. इस हमले में 26 लोगों की मौत हो गई. **एजेंसी**

लोकतंत्र और मानवाधिकारों के कथित रक्षकों का मुखौटा उतरा, संयुक्त राष्ट्र में बड़े बदलाव को भी मिला बल

एक्सपर्ट कहते हैं कि इजराइल-हमास संघर्ष ने न केवल अमेरिका और उसके सहयोगी यूरोपीय देशों के चेहरों से दुनिया भर में लोकतंत्र और मानवाधिकारों के रक्षक होने का मुखौटा उतार दिया है, बल्कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बड़े बदलाव के विचार को भी चर्चा के केंद्र में लाने का अवसर प्रदान किया है. अमेरिका और पश्चिम की मदद से इजराइली सेना के कथित आत्मरक्षा में किए गए हमलों में हजारों नागरिकों की मौत और लाखों के विस्थापन की त्रासदी पर भी लोकतंत्र और मानवाधिकारों के ठेकेदार देशों और संगठनों की चुप्पी कई गंभीर सवाल खड़े करती है. क्या कारण है कि वैश्विक शांति और मानवाधिकारों की रक्षा के लिए बनी एक अंतरराष्ट्रीय संस्था ने अपने आपको अबाध्यकारी प्रस्ताव पास करने तक सीमित कर लिया है? क्यों ताकतवर देश के पास ही इसकी पूरी ताकत होनी चाहिए? क्यों नहीं एक ऐसी संस्था होनी चाहिए जो निष्पक्षता के साथ समता के सिद्धांत को लागू करे और जिसके फैसले को दुनिया चलाने वाले 'सुपर पावर्स' भी मानने के लिए बाध्य हो, ताकि भविष्य में कोई भी देश आत्मरक्षा के अधिकार की आड़ में 'जनसंहार' करने की हिम्मत न कर सके और किसी भी विवाद का समाधान बातचीत की टेबल पर हो, न कि जंग के मैदान में.

किसी भी देश का तटस्थ रहना काफी मुश्किल

यूक्रेन पर रूसी कार्रवाई की निंदा करने वाले अमेरिका और पश्चिमी दुनिया के देश अब इजरायल के साथ खड़े थे. हालांकि उन्होंने न रूस के खिलाफ, न यूक्रेन से साथ अपनी सेना उतारी है, लेकिन उन्होंने यूक्रेन और इजराइल दोनों को बचाव के लिए हथियार और इंटेलिजेंस जरूर मुहैया कराये हैं. इस बीच चीन, रूस, उत्तर कोरिया और ईरान जैसे देश खुलकर फिलिस्तीन का समर्थन तथा इजराइली कार्रवाई की निंदा करते नजर आ रहे हैं. वहीं, भारत और सऊदी अरब जैसे देश भी हैं जो युद्ध विराम के लिए प्रयास करते दिख रहे हैं, लेकिन जिस तरह लड़ाई में अब ईरान भी इजराइल के खिलाफ मोर्चा खोल चुका है, यदि कुछ और देशों तक यह आग फैली तो किसी भी देश का तटस्थ रहना काफी मुश्किल होगा. हिजबुल्लाह पर पिछले कुछ दिनों में हुए इजराइली हमले और हिजबुल्लाह प्रमुख हसन नसरल्लाह के मारे जाने के बाद ईरान की सरकार खुलकर इजराइल के विरोध में उतर चुकी है. ईरान समर्थित समूह हिजबुल्लाह के लगभग पूरे शीर्ष नेतृत्व का सफाया हो चुका है.

पश्चिम को नेतन्याहू की दो टूक, 'आपके समर्थन के साथ या उसके बिना जीतेंगे'

येरूशलम। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन की जमकर आलोचना की है. मैक्रॉन ने एक रेडियो साक्षात्कार में इजराइल को हथियारों की आपूर्ति रोकने का आह्वान किया था और कहा था कि सभी "सभ्य" देशों को दृढ़ रहना चाहिए. नेतन्याहू ने इसे शर्मनाक करार दिया. सवाल किया कि क्या उनकी तरह ईरान हिजबुल्लाह, हूती, हमास और उसके सहयोगियों पर हथियार प्रतिबंध लगा रहा है? नेतन्याहू ने कहा कि मैक्रॉन और अन्य पश्चिमी नेता अब इजराइल के खिलाफ हथियार प्रतिबंध की मांग कर रहे हैं, और जोर देकर कहा कि इजराइल उनके समर्थन के साथ या उसके बिना जीतेगा. उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि लेकिन युद्ध जीतने के बाद भी उनकी शर्मिंदगी लंबे समय तक जारी रहेगी. नेतन्याहू ने कहा कि इजराइल आज "सभ्यता के दुश्मनों" के खिलाफ सात मोर्चों पर अपना बचाव कर रहा है.

ख़ान यूनुस में बने एक शरणार्थी कैंप में बच्ची पानी की तलाश में. तस्वीर मई 2024 की है. ग़ज़ा में इसराइली हमलों के कारण बड़ी संख्या में बच्चे मारे गए हैं या अनाथ हुए हैं.

ईरान ने किया गाजा व लेबनान में युद्ध विराम का समर्थन, इजरायल को धमकी

दमिश्क। ईरान के विदेश मंत्री सैय्यद अब्बास अराघची ने अपनी सीरिया यात्रा के दौरान जहां गाजा और लेबनान में युद्ध विराम का समर्थन किया वहीं इजराइल को चेतावनी दी कि उनका देश किसी भी हमले का जवाब देगा. उन्होंने कहा कि सभी परिस्थितियों में सीरिया के लिए ईरान का समर्थन जारी रहेगा. सीरिया की अपनी एक दिवसीय यात्रा के समापन पर आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में अराघची ने शनिवार कहा कि उनका देश विस्थापित लेबनानी शरणार्थियों को समर्थन देने के लिए सीरिया के साथ अपनी सहायता और समन्वय जारी रखेगा. वहीं ईरान पर इजराइली हमले की संभावना पर, अराघची ने कहा कि किसी भी इजराइली हमले का जवाब दिया जाएगा. हमने अतीत में भी ऐसा किया है. इसके साथ अराघची ने जोर देकर कहा कि युद्ध विराम की कोई भी शर्त फिलिस्तीनियों और लेबनानी दोनों को स्वीकार्य होनी चाहिए.

पिछले 24 घंटे में क्या-क्या हुआ

ग़ाज़ा पट्टी की एक मस्जिद पर हुए इजराइल के हवाई हमले में 26 लोगों की मौत

ग़ाज़ा में हमास के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि एक मस्जिद और स्कूल पर किए गए ताज़ा इसराइली हमले में 26 लोगों की मौत हुई है. इस मस्जिद और स्कूल में युद्ध के कारण बेघर हुए लोग रह रहे थे. इस हमले में कई लोग घायल भी हुए हैं. स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक़, इसराइल ने यह हवाई हमला रविवार को अल-बलाह स्थित इब्न रुश्द स्कूल और अल-अक्सा शहीद मस्जिद पर किया था. इसराइली सेना ने कहा है कि उसने अपने हमले में कमांड और कंट्रोल के इलाक़ों में सक्रिय हमास लड़ाकों को निशाना बनाया. बीबीसी के वेरिफाई किए गए वीडियो में भी मस्जिद के अंदर लाशों और बिखरे हुए खून को साफ तौर पर देखा जा सकता है. वहीं स्कूल के वीडियो में इमारत में लगी हुई आग और स्ट्रेचर पर एक व्यक्ति को ले जाते हुए देखा जा सकता है. इससे पहले समाचार एजेंसी एएफ़पी के मुताबिक़- हमास की सिविल डिफ़ेंस एजेंसी ने 21 लोगों के मारे जाने की जानकारी दी थी. लेकिन उन्होंने और भी मौतों की आशंका जताई थी.

आईडीएफ ने जारी किया दक्षिणी लेबनान के गांवों को खाली करने का अलर्ट

इसराइली सेना ने लेबनान के कुछ गांवों के लोगों के लिए एक नया अलर्ट और ऑर्डर जारी किया है. इसराइली सेना लेबनान के दक्षिणी हिस्से में एक ऑपरेशन चलाने की तैयारी कर रही है. इसी के मद्देनज़र इसराइली सेना ने इस इलाक़े को खाली करने के लिए कहा है. इसराइल डिफ़ेंस फ़ोर्स के प्रवक्ता अविचाई अद्राई ने लेबनान के दक्षिणी हिस्से में स्थित लगभग 25 गांवों को खाली करने का अलर्ट दिया है. उन्होंने कहा, 'हिज़्बुल्लाह सदस्यों, हथियारों या उस संगठन से नज़दीकी रखने वाले अपनी जान को ख़तरे में डाल रहे हैं.' अविचाई अद्राई ने इन गांवों के लोगों से कहा, 'अपने घरों को खाली कर दें और तुरंत ही अवेल नदी के उत्तरी इलाक़े की तरफ़ चले जाएं. हम आपको अपने घरों की ओर लौटने का उचित समय ज़रूर बताएंगे.' इससे पहले लेबनान पर इसराइल की बमबारी लगातार जारी है. शनिवार की देर रात तक भी इसराइली सेना ने लेबनान पर बमबारी जारी रखी. शनिवार की देर रात इसराइल ने लेबनान की राजधानी बेरूत के दक्षिणी इलाक़ों में तीस से भी ज़्यादा हवाई हमले किए.

इस्लामाबाद में तनाव के बीच संसद के सामने डटे रहे पीटीआई समर्थक

एजेंसी। इस्लामाबाद

- खैबर पख्तूनख्वा के सीएम अली अमीन गंडापुरकी गिरफ्तारी पर सस्पेंस

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में रविवार को भी तनाव बना रहा. दरअसल पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) का विरोध प्रदर्शन दूसरे दिन भी जारी रहा. सैकड़ों पीटीआई समर्थकों ने यह स्पष्ट कर दिया कि वे पार्टी नेता इमरान खान से अगले निर्देश मिलने तक संसद के सामने डी-चौक पर विरोध प्रदर्शन जारी रखेंगे. खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर के कथित तौर पर 'गिरफ्तारी' होने से जुड़ी खबरों के बाद तनाव और बढ़ गया. स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया कि गंडापुर के पार्टी कार्यकर्ताओं को इस्लामाबाद में छोड़कर केपी हाउस में जाने के फैसले ने 'लोगों को चौंका दिया.

पाकिस्तान के प्रमुख दैनिक डॉन ने बताया कि ''पीटीआई की राजनीतिक समिति ने मुख्यमंत्री के लापता होने की आलोचना करते की. समिति ने चेतावनी दी कि अगर गंडारपुर को गिरफ्तार किया गया तो इसके ''गंभीर परिणाम'' होंगे. रिपोर्ट के मुताबिक समिति ने यह भी फैसला किया कि गंडापुर की गिरफ्तारी की स्थिति में, आजम स्वाति विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करेंगे और स्वाति की गिरफ्तारी की स्थिति में, प्रदर्शनकारियों का मार्गदर्शन करने के लिए एक नए नेता की नियुक्ति की जाएगी. पीटीआई नेता शौकत यूसुफजई ने स्थानीय मीडिया से कथित तौर पर पुष्टि की कि गंडापुर केपी हाउस में ही हैं, जहां उन्होंने प्रशासन के समक्ष अपनी मांगें रखीं. इनमें पार्टी के संस्थापक इमरान खान की तत्काल रिहाई और पीटीआई की शिकायतों का निवारण शामिल है.

केपी सीएम की औपचारिक रूप से गिरफ्तारी नहीं : केपी सरकार के प्रवक्ता बैरिस्टर मोहम्मद सैफ ने दावा किया कि गंडापुर को गिरफ्तार कर लिया गया है, हालांकि बाद में उन्होंने एक्स पर लिखा कि केपी सीएम को औपचारिक रूप से गिरफ्तार नहीं किया गया. सैफ ने इस बात पर जोर दिया कि गंडापुर 25 अक्टूबर तक जमानत पर हैं.

सोनम वांगचुक दिल्ली के जंतर मंतर पर नहीं कर पाएंगे विरोध प्रदर्शन

नयी दिल्ली। पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने दिल्ली में प्रदर्शन की इजाज़त ना मिलने पर निराशा जताई है. उन्होंने एक्स पोस्ट के ज़रिए अपनी निराशा ज़ाहिर की है. सोनम वांगचुक ने लिखा, "एक और मनाही एक और निराशा." उन्होंने लिखा, आख़िरकार इस सुबह हमें विरोध प्रदर्शन के लिए आधिकारिक तौर से तय जगह को देने के लिए मना कर दिया गया. अगर हमें जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने की मंजूरी नहीं है तो फ़िर हम किस स्थान पर प्रदर्शन करने की मंज़ूरी है? सोनम ने लिखा कि हम क़ानून का पालन करते हुए शांतिपूर्ण तरीक़े से अपनी शिकायत दर्ज़ कराना चाहते हैं. इससे पहले सोनम वांगचुक लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्ज़ा देने और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर अपनी पैदल यात्रा के तहत बीते सोमवार को देर रात दिल्ली के सिंघु बॉर्डर पहुंचे थे.

चेन्नई में सूर्य किरण एरोबैटिक टीम का मेगा एयर शो

भारतीय वायुसेना की सूर्य किरण एरोबैटिक टीम (एसकेएटी) रविवार को चेन्नई में 92वें भारतीय वायु सेना दिवस समारोह के दौरान मरीना बीच पर भारतीय वायु सेना द्वारा आयोजित एक एयर शो के दौरान प्रदर्शन करती हुई. **(आईएएनएस)**

कूटनीति | मालदीव के राष्ट्रपति अपनी पहली द्विपक्षीय यात्रा के दौरान राष्ट्रपति मुर्मू से भी मिलेंगे

दिल्ली पहुंचे मुइज्जू, प्रधानमंत्री मोदी से करेंगे मुलाकात

एजेंसियां। माले/नयी दिल्ली

मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू पांच दिवसीय राजकीय यात्रा पर रविवार दोपहर नयी दिल्ली पहुंचे. वह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के निमंत्रण पर भारत आए हैं. अपनी पहली द्विपक्षीय यात्रा के दौरान, मुइज्जू राष्ट्रपति मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठकें करेंगे.

मालदीव के राष्ट्रपति अपने देश के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ मुंबई और बेंगलुरु भी जाएंगे, जहां वे व्यापारिक कार्यक्रमों में शामिल होंगे. मुइज्जू की यह यात्रा खासी अहमियत रखते है क्योंकि हाल के दिनों में भारत-मालदीव संबंध उतार-चढ़ाव से भरे रहे हैं. हालांकि पिछले कुछ समय से मालदीव के राष्ट्रपति लगातार ऐसे बयान दे रहे हैं जिससे जाहिर होता है कि वह भारत के साथ मजबूत रिश्ते बनाए रखना चाहते हैं. 15 अगस्त पर मोहम्मद मुइज्जू ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेजे गए शुभकामना संदेशों में दोनों पड़ोसी देशों के बीच 'अमूल्य साझेदारी' की सराहना की. मालदीव के राष्ट्रपति ने दोनों पड़ोसी देशों के बीच 'ऐतिहासिक और घनिष्ठ संबंधों' को मजबूत करने के लिए अपने प्रशासन की 'पूर्ण प्रतिबद्धता' दोहराई. इससे पहले विदेश मंत्री एय जयंकर के मालदीव दौरे के दौरान मुइज्जू ने भारत को 'सबसे करीबी सहयोगी' और 'अमूल्य साझेदार' बताया. उन्होंने मालदीव को 'उदार और निरंतर सहायता' के लिए पीएम मोदी, भारत सरकार और भारत के लोगों के प्रति 'गहरी कृतज्ञता' भी व्यक्त की.

चर्चाएं द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने पर केंद्रित होंगी

मुइज्जू के भारत आगमन से पहले उनके कार्यालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि राष्ट्रपति मालदीव के विकास और वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले देशों के साथ द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, ताकि देश के लिए एक गतिशील और सक्रिय विदेश नीति सुनिश्चित हो सके. चर्चाएं द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने और दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक संबंधों को और आगे बढ़ाने पर केंद्रित होंगी. वहीं विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार कहा कि यह यात्रा दर्शाती है कि भारत मालदीव के साथ अपने संबंधों को कितना महत्व देता है. इससे दोनों देशों के बीच सहयोग और लोगों के बीच मजबूत संबंधों को गति मिलने की उम्मीद है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न्यायविदों और लेखकों को लिखा पत्र, कहा

उज्ज्वल भविष्य के लिए वैश्विक शांति जरूरी

एजेंसियां। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नौ और 10 अक्टूबर को लंदन में होने वाले न्यायविदों और लेखकों के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को लेकर आयोजकों को पत्र लिखा है. इसमें उन्होंने लिखा कि वैश्विक शांति उज्ज्वल भविष्य के लिए आवश्यक है. उन्होंने लिखा कि हमारे सामूहिक प्रयासों की सफलता राष्ट्र और समुदायों के बीच एकता और सहयोग पर निर्भर करती है. सम्मेलन के आयोजक वरिष्ठ अधिवक्ता और अंतरराष्ट्रीय न्यायविद परिषद और अंतरराष्ट्रीय लेखक आयोग के अध्यक्ष आदिश सी अग्रवाल को लिखे पत्र में पीएम मोदी ने लिखा कि वैश्विक शांति उज्ज्वल भविष्य के लिए मौलिक है. उन्होंने लिखा कि हमारे साझा प्रयास एकता पर निर्भर करते हैं. उन्होंने भगवान बुद्ध और महात्मा गांधी से प्रेरणा लेकर शांति के लिए भारत की ऐतिहासिक प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला. पीएम ने लिखा कि मुख्य न्यायाधीश, मंत्री, संसद सदस्यों, बार नेताओं, लेखकों, संपादकों और कानून शिक्षकों की सामूहिक विशेषज्ञता वैश्विक शांति और समृद्धि को बढ़ावा देने वाली नीतियों को आकार देने के लिए महत्वपूर्ण है.

सम्मेलन नौ और 10 अक्तूबर को लंदन में होगा

प्रधानमंत्री ने लिखा कि नए संघर्ष राष्ट्रों की सामाजिक और आर्थिक स्थिरता को खतरा पहुंचाते हैं. इन चुनौतियों का सामना केवल वैश्विक कार्रवाई और लोगों के बीच आपसी जुड़ाव के माध्यम से ही प्रभावी ढंग से किया जा सकता है. पीएम ने कहा कि भारत एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य के दर्शन से प्रेरित और वैश्विक शांति, एकता और भाईचारे को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है. इसका उद्देश्य भविष्य की पीढ़ियों के लिए शांतिपूर्ण दुनिया का निर्माण करना है. उन्होंने कहा कि सम्मेलन में होने वाली चर्च शांति, सद्भाव और कल्याण के लिए दूरदर्शी रूपरेखा तैयार करेगी. उन्होंने प्रतिभागियों को उनके विचार-विमर्श में सफलता की कामना करते हुए वैश्विक शांति को बढ़ावा देने में उनके सामूहिक प्रयासों के महत्व पर प्रकाश डाला. बता दें कि सम्मेलन नौ और 10 अक्तूबर को लंदन में होगा. इसमें दुनिया भर के लेखक और न्यायविद हिस्सा लेंगे.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)